THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 32 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.2 2082 मंगलवार, 29 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'कांग्रेस नेताओं के बयान असंवेदनशील और बेशर्मी भरे'

> भाजपा ने राहुल गांधी और खरगे को घेरा

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा ने सोमवार को कुछ कांग्रेस नेताओं के पहलगाम हमले को लेकर दिए बयानों पर पार्टी के नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को घेर लिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता रवि शंकर प्रसाद ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस नेताओं के बयानों को असंवेदनशील और बेशर्मी भरा बताया। दरअसल कुछ कांग्रेस नेताओं ने पहलगाम हमले के पीड़ितों के उस दावे पर सवाल उठाए, जिसमें उन्होंने कहा था कि लोगों के धर्म पूछकर गोली मारी गई। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि एक तरफ राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे पहलगाम हमले पर एकजुटता की बात करते हैं तो दूसरी तरफ उनके नेता इस तरह के बयान दे रहे हैं। प्रसाद ने पूछा कि क्या राहुल गांधी और खरगे के बयान महज औपचारिकता ही हैं।

भाजपा ने राहुल गांधी और खरगे पर साधा निशाना

पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का बयान पाकिस्तान के न्यूज चैनलों द्वारा दिखाया जा रहा

है। जब पूरी दुनिया के देश भारत के साथ हैं, तो कर्नाटक जैसे अहम राज्य के सीएम ऐसा बयान दे रहे हैं। भाजपा नेता ने महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार , कर्नाटक कांग्रेस के नेता आरबी तिम्मापुर और प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के बयानों का जिक्र किया और कांग्रेस पार्टी को जमकर लताड़ा। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि 'क्या राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे का अपनी पार्टी पर कोई नियंत्रण नहीं है? या सिर्फ दोनों खुद औपचारिकता करके अन्य नेताओं को मन मुताबिक कुछ भी बोलने की आजादी दे रहे हैं?'

'कांग्रेस नेताओं के बयान भारत को बदनाम करने के लिए इस्तेमाल हो रहे'

प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के बयान पाकिस्तानी मीडिया द्वारा भारत को बदनाम करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस नेताोओं के बयानों को असंवेदनशील और बेशर्मी भरा बताया। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया से जब आतंकी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 'युद्ध की कोई जरूरत नहीं है। हम इसके पक्ष में नहीं हैं। हमें कड़े कदम उठाने चाहिए। सुरक्षा बढ़ाई जानी चाहिए।' कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने अपने बयान में कहा था कि 'सरकार को पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वे (सरकार) कह रहे हैं कि लोगों से पूछकर (उनका धर्म पूछकर) गोलियां मारी गईं..लेकिन क्या आतंकियों के पास इतना समय था? आतंकियों का कोई धर्म और जाति नहीं होती। सरकार को उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।' कर्नाटक कांग्रेस के नेता आरबी तिम्मापुर ने भी ऐसा ही बयान दिया था।

अज्ञात वाहन में कार घुसी, 4 की मौत

धार, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। धार के इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर सोमवार सुबह करीब 6 बजे स्विफ्ट कार पीछे से अज्ञात वाहन में जा घुसी। कार सवार चार युवकों की मौके पर मौत हो गई। युवक झाबुआ से शादी समारोह में धार जाने के लिए निकले थे। रास्ते में ये हादसा तिरला थाना क्षेत्र के ग्राम बलगांवडी स्थित प्रिंस होटल के पास हुआ। कार नंबर एमपी-45ZA-2571 में सवार युवक रविवार रात करीब 10 बजे झाबुआ से निकले थे। धार के रास्ते पर उनकी कार की किसी भारी वाहन से टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

एयरबैग खुलने के बाद नहीं बची जान

हादसे के बाद कार के एयरबैग खुल गए थे, लेकिन इसके बाद भी कोई जिंदा नहीं बच पाया। टक्कर इतनी तेज थी कि पिछली सीट पर बैठा एक युवक गाड़ी के सामने वाले शीशे (फ्रंट ग्लास) में फंस गया।

केंद्रीय मंत्री अठावले ने पाकिस्तान को युद्ध की चेतावनी दी

पाकिस्तान पीओके भारत को सौंपे, पीएम से सर्जिकल स्ट्राइक करने की मांग की

मुंबई, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने रविवार को पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा-जब तक पीओके (पाकिस्तान ऑपरेटिंग कश्मीर) पाकिस्तान के पास रहेगा, तब तक आतंकवादी गतिविधियां चलती रहेंगी।

अठावले ने प्रधानमंत्री मोदी से पाकिस्तान के खिलाफ एक और सर्जिकल स्ट्राइक करने की मांग की। उन्होंने कहा-अगर पाकिस्तान पीओके नहीं सौंपता है, तो हमें उनके खिलाफ युद्ध की घोषणा करनी चाहिए। आतंकवादी बार-बार पीओके के रास्ते भारत में घुसते है। इसलिए भारत को पीओके क्षेत्र पर नियंत्रण करने की जरूरत है। अठावले ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि भारत युद्ध छेड़ने से नहीं हिचकिचाएगा और केंद्र इस मामले को लेकर गंभीर है। उन्होंने विपक्ष से इस मुद्दे पर सरकार का साथ देने की अपील की। उन्होंने कहा-विपक्ष को हमारे साथ खड़ा होना चाहिए। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने हमें यही सिखाया है कि जरूरत पड़ने पर देश के साथ खड़े होना चाहिए।

22 अप्रैल को आतंकी हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे

22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 26 टूरिस्ट की मौत हो गई थी। जम्मू-कश्मीर में अब तक 10 आतंकवादियों के घरों को ब्लास्ट में उड़ा दिया गया है। एनआईए इस हमले की जांच कर रही है। भास्कर को सूत्रों ने बताया कि हमले से पहले आतंकियों ने रेकी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया था। एजेंसियों को शक है कि हथियारों की सप्लाई में भी चाइनीज ड्रोन का इस्तेमाल हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि हमले के बाद आतंकियों के पुलवामा या अनंतनाग भागने की आशंका है। हमले के बाद इन रास्तों पर हलचल देखी गई थी। भारत सरकार ने कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द कर दिया था। सरकार ने भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को 26 अप्रैल (मेडिकल वीजा वालों को 29 अप्रैल) तक देश छोड़ने का निर्देश दिया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए प्रदेशभर में 15 से ज्यादा जगहों पर एक साथ छापेमारी की है।

मुर्शिदाबाद दंगों में तोड़े गए मंदिरों का निर्माण कराएगी भाजपा

अक्षय तृतीया से होगी शुरुआत

कोलकाता, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और आसपास के इलाकों में पिछले दिनों सांप्रदायिक तनाव फैल गया था। इसमें हुई हिंसा में इलाके के कई हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया था और इनमें तोड़फोड़ हुई थी। भाजपा ने इन दंगों में क्षतिग्रस्त हुए हिंदू मंदिरों के निर्माण का निर्णय लिया है। यह कार्य अक्षय तृतीया (30 अप्रैल) की शुभ तिथि से शुरू होगा।

पश्चिम बंगाल में लगभग साल भर बाद विधानसभा के चुनाव होने हैं। भाजपा नेताओं का आरोप रहा है कि ममता बनर्जी सरकार एक वर्ग विशेष का वोट हासिल करने के लिए उनकी आपराधिक गतिविधियों पर चुप्पी साधे रखती हैं जिससे उन्हें बढ़ावा मिलता है। मुर्शिदाबाद के दंगों में बांग्लादेश से आए मुसलमानों का हाथ पाया गया था। राज्य सरकार ने दंगों के कई आरोपियों को गिरफ्तार भी किया था, लेकिन भाजपा का आरोप है कि दंगों के सभी आरोपियों को अब तक नहीं पकड़ा जा सका है।

भाजपा द्वारा मंदिरों के निर्माण कार्य को भी राजनीतिक कदम माना जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि वह राज्य में सांप्रदायिक हिंसा को तनाव को बढ़ावा देकर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करना चाहती है। भाजपा द्वारा मंदिरों के निर्माण कार्य को भी उसकी इसी रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

हिंदू समाज के खर्च से होगा यह काम- भाजपा

भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार की नाकामी के कारण आपराधिक तत्वों ने मंदिरों को नुकसान पहुंचाया है।

बिजली गिरने से यूपी-बिहार में 4 की मौत

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तरप्रदेश और बिहार में सोमवार को बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में एक बच्ची और फतेहपुर में किसान की मौत हुई। वहीं, बिहार के पटना और हाजीपुर में 1-1 व्यक्ति की मौत हुई है। मौसम विभाग ने आज भी देश के 21 राज्यों में तेज बारिश के साथ आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। वहीं, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली में हीटवेव का अलर्ट है। राजस्थान में लगातार दूसरे दिन तापमान में बढ़ोतरी होगी। बाड़मेर में रविवार को सबसे ज्यादा तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इधर, दिल्ली में रविवार को तापमान में थोड़ी गिरावट आई, लेकिन यहां का टेम्प्रेचर 41.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने पंजाब में अगले पांच दिन लू का यलो अलर्ट जारी किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' रेडियो शो में लोगों से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के मोबाइल फोन एप्लिकेशन 'सचेत' का इस्तेमाल करने की अपील की है।

'परीक्षा में जनेऊ, मंगलसूत्र पर रोक का आदेश गलत'

डिप्टी सीएम बोले-इससे लोगों में गुस्सा पनपता है

बंगलूरू, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। रेलवे परीक्षा के दौरान धार्मिक प्रतीकों जैसे जनेऊ, मंगलसूत्र आदि के पहनने पर रोक लगाने के फैसले की कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने आलोचना की है और इस आदेश को वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान धार्मिक प्रतीकों की जांच की जा सकती है, लेकिन इन पर पूरी तरह से रोक लगाना अनुचित है। डीके शिवकुमार ने कहा कि इस तरह से आदेश से लोगों में गुस्सा पनपता है।

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने आदेश वापस लेने की मांग की

गौरतलब है कि रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड की मंगलवार को परीक्षा होनी है। इस परीक्षा में उम्मीदवारों के धार्मिक प्रतीकों जैसे जनेऊ, मंगलसूत्र आदि पहनने पर रोक लगाने का आदेश जारी किया गया है। इस पर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि 'धार्मिक प्रतीक जैसे मंगलसूत्र या जनेऊ आदि की जरूरत पड़ने पर जांच की जा सकती है, लेकिन इन्हें पूरी तरह से हटाना गलत है। हमारा साफ कहना है कि ऐसे धार्मिक प्रतीकों जैसे कान की बाली, मंगलसूत्र, जनेऊ या कमरबंद आदि की जांच की जा सकती है, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन पूर्व में ऐसी घटनाएं भी हुई हैं, जहां लोगों ने अपने कान में छोटी सी डिवाइस रख ली। ये सही नहीं है। इस आदेश को वापस लिया जाना चाहिए..। मुझे लगता है कि जो भी लोगों में गुस्सा पैदा करे, उसे हटा देना चाहिए। मेरी मांग है कि ऐसे नियम हटाए जाने चाहिए।'

वीएचपी ने भी जताई थी आपत्ति

गौरतलब है कि हिंदूवादी संगठन विश्व हिंदू परिषद ने भी आरआरबी की परीक्षा में धार्मिक प्रतीकों पर रोक के आदेश की आलोचना की है। विश्व हिंदू परिषद ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि इस आदेश को वापस लिया जाए ताकि हिंदू उम्मीदवार बिना अपने धार्मिक मूल्यों से समझौता किए परीक्षा दे सकें। वीएचपी ने कहा कि इस तरह से आदेश से हिंदुओं की संवेदनाएं आहत हुई हैं। आरआरबी की परीक्षा मंगलवार को होनी है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों कर्नाटक में इस मुद्दे पर विवाद हुआ था, जब सीईटी की परीक्षा के दौरान एक छात्र से जनेऊ उतारने के लिए कहा गया। इस पर काफी विवाद हुआ था।

अटारी बॉर्डर पर 3 किलो हेरोइन के साथ तस्कर पकड़ा

कीमत 21 करोड़, ड्रोन से आई खेप नेटवर्क खंगालने में जुटी पंजाब पुलिस

अमृतसर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। सीमा पार से नशा तस्करी करने वाले नेटवर्क के खिलाफ चल रहे अभियान में काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में अटारी क्षेत्र के पास बलवीर सिंह नामक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में 3 किलो उच्च गुणवत्ता वाली हेरोइन बरामद की गई है। पंजाब पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत इस कार्रवाई को बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस खेप की कीमत 21 करोड़ के करीब है।

सूत्रों के अनुसार काउंटर इंटेलिजेंस टीम को विश्वसनीय गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अटारी क्षेत्र के आसपास भारी मात्रा में हेरोइन की तस्करी करने की योजना बना रहा है। तुरंत हरकत में आते हुए टीम ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। जब बलवीर सिंह को घेर कर पकड़ा गया तो उसकी तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 3 किलो हेरोइन बरामद हुई। पकड़ी गई खेप के 6 पैकेट्स हैं, जिन पर हुक बनी हुई है। स्पष्ट है कि ये खेप ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से भेजी गई है। बलवीर सिंह के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट (एनडीपीएस एक्ट) के तहत थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सैल (एसएसओसी) अमृतसर में एफआईआर दर्ज कर दी गई है। उससे पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण सुराग मिलने की संभावना जताई जा रही है, जिससे पूरे नेटवर्क का पता लगाने के निर्देश दे दिए गए हैं।

मुंबई ऑफिस में आग लगने से जल गईं फाइलें, डिजिटल रिकॉर्ड से जांच जारी रखने में मिलेगी मदद : ईडी का बयान

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसके मुंबई कार्यालय में आग लगने से कुछ दस्तावेज और फर्नीचर जल गए। हालांकि, जांच में कोई बाधा नहीं आएगी, क्योंकि फाइलें डिजिटल रूप में संग्रहित की जाती हैं। केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में बताया कि आग लगने की घटना सोमवार सुबह 2 बजकर 25 मिनट पर हुई। आग मुंबई के बल्लार्ड एस्टेट स्थित कैसर-ए-हिंद बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर लगी थी। एजेंसी ने कहा, प्राथमिक जांच के मुताबिक आग लगने की वजह बिजली के बॉक्स में शॉर्ट-सर्किट हो सकती है। वास्तविक नुकसान का आकलन किया जा रहा है। प्रारंभिक आकलन से पता चलता है कि आग में कुछ कागजात/दस्तावेज और फर्नीचर आदि जल गए हैं। बयान में आगे कहा गया, जांच से जुड़े साक्ष्य और विश्वसनीय दस्तावेज हमेशा डिजिटल रूप में संग्रहित किए जाते हैं और आंतरिक केंद्रीकृत रिकॉर्ड संग्रहण प्रणाली में भी रखे जाते हैं। इसमें कहा गया, बयान में कहा गया है कि जिन मामलों में कोर्ट में शिकायत दाखिल की गई हैं, उनके मूल दस्तावेज कोर्ट के पास मौजूद हैं। इसलिए, जांच या मुकदमे की प्रक्रिया में कोई बाधा आने की उम्मीद नहीं है।

ईडी धनशोधन कानून, विदेशी मुद्रा उल्लंघन और भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत मामले की जांच करती है। ईडी ने कहा कि कैसर-ए-हिंद बिल्डिंग के भूतल और पहली मंजिल पर स्थित कार्यालय अभी भी काम कर रहे हैं। वहीं, चौथी मंजिल के उस हिस्से को अब दूसरी जगह पर शिफ्ट कर दिया गया है, जहां आग से नुकसान पहुंचा था। अब यह काम जन्मभूमी चेम्बर्स में स्थित पुराने क्षेत्रीय कार्यालय से हो रहा है।

मुख्यमंत्री कार्यालय और सीएम आवास को बम से उड़ाने की धमकी

तिरुवनंतपुरम, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल में एक फिर बम की धमकी का मामला सामने आया है। इस बार मुख्यमंत्री कार्यालय और सीएम के आधिकारिक आवास क्लिफ हाउस में बम की धमकी मिली है। बम निरोधक दस्ते ने मोर्चा संभाल लिया है और दोनों ही जगह तलाश जारी है। सीएमओ ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, ईमेल के जरिए मिली धमकी में राज्यपाल के आधिकारिक आवास राजभवन, मुख्यमंत्री के आवास क्लिफ हाउस और कोच्चि के नेदुंबसेरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने का दावा किया गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय और राज्य परिवहन आयुक्त को कथित तौर पर उनके ईमेल आईडी पर धमकी भरे संदेश मिले। पुलिस ने बताया कि सभी स्थानों और सचिवालय में भी विस्तृत निरीक्षण किया गया, लेकिन अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। नेदुंबसेरी हवाई अड्डे के अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि उनके जनसंपर्क अधिकारी के आधिकारिक मेल आईडी पर हवाई अड्डे पर आरडीएक्स उपकरण लगाने का दावा करते हुए एक बम की धमकी वाला संदेश मिला। राज्य पुलिस और सीआईएसएफ कर्मियों ने हवाई अड्डे पर निरीक्षण किया। हवाई अड्डे के बयान में कहा गया है, 'सीआईएसएफ और राज्य पुलिस ने गहन जांच की।

राज्य में उच्च न्यायालय और जिला कलेक्ट्रेट सहित प्रमुख संस्थानों को हाल के दिनों में इस तरह के कई फर्जी बम धमकी संदेश मिले थे। इससे पहले तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को रविवार तड़के बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

पहलगाम हमले पर विवादित बयान : 'आतंकियों के पास पूछने का समय होता है क्या?' एक और कांग्रेस विधायक की फिसली जुबान

नागपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के 'पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध नहीं' वाली टिप्पणी के बाद एक अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आतंकी हमलों पर विवादास्पद बयान दिया है। महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक विजय वडेट्टीवार ने सोमवार को पीड़ितों के बयान पर सवाल उठाया। पीड़ितों ने कहा था कि आतंकवादियों ने गोलीबारी करने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा था।

कांग्रेस विधायक ने कहा कि सरकार को पहलगाम आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वे कह रहे हैं कि आतंकवादियों ने लोगों से उनके धर्म के बारे में पूछकर उन्हें मार डाला। क्या आतंकवादियों के पास यह सब करने का समय है? कुछ लोग कहते हैं कि ऐसा नहीं हुआ। आतंकवादियों की कोई जाति या धर्म नहीं होता। जिम्मेदार लोगों की पहचान करें और उचित कार्रवाई करें। यह देश की भावना है। इससे पहले कर्नाटक के आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा था कि उन्हें नहीं लगता कि आतंकियों ने गोली मारने से पहले लक्ष्य का धर्म पूछा होगा। उन्होंने कहा था, 'जो व्यक्ति गोली चला रहा है, क्या वह जाति या धर्म पूछेगा? वह बस गोली चलाकर चला जाएगा। व्यावहारिक रूप से सोचें। वह वहां खड़ा होकर नहीं पूछेगा और फिर गोली नहीं चलाएगा।' मीडिया से बात करते हुए वडेट्टीवार ने कहा, 'यह सब लोगों का ध्यान भटकाने के लिए है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि पाकिस्तान के साथ युद्ध नहीं होना चाहिए, लेकिन अगर सरकार युद्ध के लिए तैयार है, तो कर ले...। आप पाकिस्तान का पानी रोकने की बात करते हैं। ऐसा करने में 20 साल लग जाएंगे।'

भाजपा ने साधा निशाना

सिद्धारमैया के बयानों पर भाजपा ने निशाना साधा। पार्टी सांसद संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पाकिस्तान की भाषा बोल रही है। कांग्रेस को सिद्धारमैया और तिम्मापुर को निष्कासित कर देना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं करेगी, क्योंकि यह कांग्रेस का असली चेहरा है।

'सरकार हालात की समीक्षा कर रही'

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने पाकिस्तान द्वारा अपने हवाई क्षेत्र को भारतीय एयरलाइंस के लिए बंद करने पर कहा कि सरकार हालात की समीक्षा कर रही है और उसके बाद ही कोई फैसला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे विभिन्न एयरलाइंस के साथ मिलकर इस मुद्दे का हल निकालने के लिए चर्चा कर रहे हैं। आशंका है कि एयरलाइंस हवाई किराए में बढ़ोतरी कर सकती हैं। बीती 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी गई। इस हमले का आरोप पाकिस्तान समर्थित टीआरएफ पर लगा है। इसके चलते भारत सरकार ने कठोर कदम उठाते हुए पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता स्थगित कर दिया।

इस पर पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र को भारतीय एयरलाइंस के लिए बंद कर दिया। इसका असर ये होगा कि अब विदेश जाने वाली भारतीय एयरलाइंस के विमानों को लंबा चक्कर काटकर जाना होगा। इससे समय भी बढ़ेगा और लागत भी बढ़ने की आशंका है। अब नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू ने कहा कि 'हमें हालात को समझकर फैसला लेने की जरूरत है। सरकार स्थिति की समीक्षा कर रही है। अगर हवाई किराए में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी होती है तो यकीनन सरकार इसे देखेगी।

'सेंथिल बालाजी ने मंत्री पद से दिया इस्तीफा'

> सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु सरकार ने दिया जवाब

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि डीएमके नेता वी सेंथिल बालाजी ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और राज्यपाल ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। सरकार ने जमानत शर्तों के उल्लंघन मामले में कोर्ट को यह जवाब दिया।

जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने तमिलनाडु राजभवन की प्रेस विज्ञप्ति का अवलोकन किया। इसे राज्य सरकार ने अदालत में पेश किया था। पीठ ने कहा कि हमें एक प्रेस विज्ञप्ति सौंपी गई है, जिसमें दर्ज है कि उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया है जिसे राज्यपाल ने स्वीकार कर लिया है। इसलिए अब इस आवेदन पर विचार करने का कोई अवसर नहीं है। वहीं कोर्ट ने मामले की सुनवाई पूरी होने तक बालाजी को पद पर बने रहने से रोकने की ईडी की याचिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने डीएमके नेता वी सेंथिल बालाजी से 23 अप्रैल को कहा कि उन्हें पद और आजादी में से किसी एक को चुनना होगा। शीर्ष अदालत ने उन्हें चेतावनी दी कि यदि उन्होंने तमिलनाडु में मंत्री पद नहीं छोड़ा तो उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी। जस्टिस अभय एस ओका व जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने इस तथ्य पर आपत्ति जताई कि नौकरी के लिए नकदी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत के कुछ दिनों बाद ही बालाजी को तमिलनाडु के कैबिनेट मंत्री के रूप में बहाल कर दिया गया था। बालाजी को 26 सितंबर, 2024 को शीर्ष अदालत ने जमानत दी थी। बालाजी को पिछले साल 29 सितंबर को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने मंत्री के रूप में शपथ दिलाई थी। उन्हें प्रमुख विभाग बिजली, गैर-पारंपरिक ऊर्जा विकास, निषेध और उत्पाद शुल्क सौंपे गए थे, जो पहले स्टालिन कैबिनेट में उनके पास थे।

जेएनयू छात्र संघ चुनाव-3 पदों पर लेफ्ट की जीत

नीतीश कुमार प्रेसिडेंट बने, एबीवीपी की 9 साल बाद वापसी, जॉइंट सेक्रेटरी पद जीता

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन (जेएनएसयू) चुनाव में लेफ्ट ने 4 में 3 पदों पर जीत हासिल की है। प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट और जनरल सेक्रेटरी पद पर लेफ्ट समर्थित ऑल इंडिया स्टूडेंट्स असोसिएशन (एआईएसए) के कैंडिडेट जीते हैं। आरएसएस समर्थित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने 9 साल बाद सत्ता में वापसी करते हुए जॉइंट सेक्रेटरी पद जीता है। एआईएसए के नीतीश कुमार ने प्रेसिडेंट पद पर जीत दर्ज की है। डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स फेडरेशन (डीएसएफ) की मनीषा ने वाइस प्रेसिडेंट और मुन्तहा फातिमा ने जनरल सेक्रेटरी पद पर जीत हासिल की। एआईएसए और डीएसएफ ने साथ चुनाव लड़ा था। वहीं, एबीवीपी के वैभव मीणा 1518 वोटों के साथ जॉइंट सेक्रेटरी चुने गए। जेएनएसयू चुनाव के लिए 25 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। रविवार देर रात तक काउंटिंग के बाद नतीजे घोषित हुए। जेएनयू चुनाव आयोग के अनुसार, लगभग 70 प्रतिशत मतदान हुआ था। 7,906 छात्रों में से लगभग 5,500 ने अपने वोट डाले थे। जेएनएसयू के चुनाव पहले 8 अप्रैल को होने थे, लेकिन कैंपस में हिंसा के कारण 25 अप्रैल को मतदान हुए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 32 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.2 2082 मंगलवार, 29 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

चीन बोला-पहलगाम हमले की निष्पक्ष जांच हो

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम हमले को सोमवार को 6 दिन हो गए हैं। दिल्ली से लेकर श्रीनगर तक हलचल नजर आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच पीएम आवास में 40 मिनट तक मीटिंग हुई। इस बीच, चीन की तरफ से पहलगाम हमले को लेकर बयान आया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हम मामले की निष्पक्ष जांच चाहते हैं। भारत और पाकिस्तान पड़ोसी हैं, दोनों देश मतभेदों को बातचीत से सुलझाएं। वहीं, न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बीते 6 दिन में एक हजार भारतीय वाघा बॉर्डर से पाकिस्तान से भारत लौट चुके हैं। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान गए भारतीयों को अपने यात्रा समय को कम करने के लिए कहा गया था।

भारत और फ्रांस के बीच राफेल डील साइन

> 63 हजार करोड़ रुपये में 26 राफेल मरीन मिलेंगे > पहला फाइटर जेट 2028 में भारत पहुंचेगा

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और फ्रांस के बीच सोमवार को नई दिल्ली में 26 राफेल मरीन विमानों की डील साइन हो गई। भारत की तरफ से रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने डील पर साइन किए। डील के तहत भारत, फ्रांस से 22 सिंगल सीटर विमान और 4 डबल सीटर विमान खरीदेगा।

ये विमान परमाणु बम दागने की क्षमता से लैस होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस के साथ ये डील करीब 63,000 करोड़ रुपये में हो रही है। हथियारों की खरीद के मामले में यह फ्रांस के साथ भारत की अब तक की सबसे बड़ी डील है। विमानों की खरीद को 23 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक में मंजूरी मिली थी। यह मीटिंग पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद बुलाई गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन विमानों की डिलीवरी 2028-29 में शुरू होगी और 2031-32 तक सभी विमान भारत पहुंच जाएंगे। भारत राफेल मरीन विमानों को आईएनएस विक्रांत पर तैनात करेगा। विमान

बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन ने इन विमानों में भारत की जरूरत के हिसाब से कई बदलाव किए हैं। इसमें एंटी शिप स्ट्राइक, न्यूक्लियर हथियार लॉन्च करने की क्षमता और 10 घंटे तक फ्लाइट रिकॉर्ड करने जैसे फीचर शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी भारत को हथियार प्रणाली, स्पेयर पार्ट्स और एयरक्राफ्ट के जरूरी टूल्स भी देगी। राफेल मरीन से पहले भारत फ्रांस से एयरफोर्स के लिए 36 राफेल जेट भी खरीद चुका है। 2016 में हुई इस डील के सभी विमान 2022 में भारत पहुचे थे। इन्हें एयरफोर्स के अंबाला और हाशिनारा एयरबेस से संचालित किया जाता है। ये डील 58,000 करोड़ रुपये में हुई थी। राफेल मरीन विमान के फीचर्स एयरफोर्स के राफेल विमान से एडवांस हैं।

क्या है राफेल-एम की खासियत :

राफेल-एम सिर्फ एक मिनट में 18 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंच सकता है। यह पाकिस्तान के एफ-16 और चीन के जे-20 से ज्यादा बेहतर है। यह उड़ान भरने के बाद 3700 किमी दूर तक हमला करने में सक्षम है। इसमें 30 एमएम की ऑटो कैनन गन और 14 हार्ड प्वाइंट्स हैं। यह बहुत कम जगह पर भी 'लैंड' कर सकता है।

किस तरह की मिसाइलें लैस होंगी :

राफेल-एम में शक्तिशाली एंटी शिप मिसाइलें लगाई जा सकती हैं, जो हवा से हवा और हवा से जमीन पर मार करने में सक्षम हैं। यह विमान पनडुब्बियां खोजकर ध्वस्त करने वाले विशेष रडार से लैस होता है। खास बात यह है कि राफेल-एम में बीच हवा में ही रीफ्यूलिंग की जा सकती है।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड की कस्टडी पर फैसला सुरक्षित

> एनआईए ने तहव्वुर राणा की रिमांड बढ़ाने की मांग की थी

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई में 26 नवंबर, 2008 को आतंकी हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा को आज दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 12 दिन के लिए उसकी हिरासत बढ़ाने की एनआईए की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

एनआईए तहव्वुर राणा को 10 अप्रैल को स्पेशल प्लेन से अमेरिका से भारत लेकर आई थी। उसका प्रत्यर्पण टॉप-सीक्रेट मिशन 'ऑपरेशन राणा' के तहत हुआ था। 10 अप्रैल को उसे स्पेशल एनआईए जज चंद्रजीत सिंह ने उसे 18 दिन की कस्टडी में भेज दिया था। आज राणा की कस्टडी खत्म होने वाली थी। तहव्वुर को अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। उस पर मुंबई के 26/11 और कोपेनहेगन में आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए जरूरी सामान मुहैया कराने का आरोप था।

इससे पहले पटियाला हाउस कोर्ट ने 24 अप्रैल को तहव्वुर राणा की याचिका परिवार से बात करने की मांग वाली खारिज कर दी थी। राणा के वकील पीयूष सचदेवा ने तर्क दिया था कि एक विदेशी नागरिक के तौर पर उसे अपने परिवार से बात करने का मौलिक अधिकार है। उसका परिवार उसके इलाज को लेकर चिंता में हैं। हालांकि, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जांच का हवाला देते हुए इसका विरोध किया था और कहा कि राणा संवेदनशील जानकारी का खुलासा कर सकता है। इसके बाद स्पेशल एनआईए जस्टिस चंदर जीत सिंह ने तहव्वुर राणा की याचिका खारिज करने का फैसला किया। अधिकारियों ने 26 अप्रैल को बताया कि मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने तहव्वुर राणा से दिल्ली स्थित एनआईए ऑफिस में पूछताछ की। राणा से 23 अप्रैल को आठ घंटे तक पूछताछ की गई थी। इस दौरान उसने जवाब देने में टालमटोल किए और मदद नहीं की। 64 साल का तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। राणा पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर के तौर पर काम करता था। इसके बाद वह 1997 में कनाडा चला गया और वहां इमिग्रेशन सर्विसेस देने वाले बिजनेसमैन के तौर पर काम शुरू किया। कनाडा से वह अमेरिका पहुंचा और शिकागो सहित कई लोकेशंस पर फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज नाम से कंसल्टेंसी फर्म खोली।

भारत सरकार का बड़ा एक्शन : जियो न्यूज, समा टीवी समेत 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल पर लगाया बैन

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय की सिफारिश पर भारत सरकार ने कार्रवाई करते हुए जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों को बैन कर दिया है. इन चैनलों में डॉन न्यूज, समा टीवी और जियो न्यूज जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं। सरकार ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि ये चैनल भारत उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ, झूठी और भ्रामक बातें फैला रहे थे. यह जानकारी एक अधिकारी की तरफ से दी गई है। अधिकारी ने बताया कि भारत के खिलाफ भड़काऊ और समाज में नफरत फैलाने वाली गलत बातें फैलाने के कारण पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल ब्लॉक किए गए हैं. भारत ने कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में 25 भारतीय नागरिकों और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक में भारत ने सिंधु जल समझौते को रोकने का फैसला किया है. विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि भारत ने सिंधु जल समझौते को फिलहाल रोकने का निर्णय लिया है।

सीपरी की रिपोर्ट-भारत का मिलिट्री खर्च 7.19 लाख करोड़

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपरी) का कहना है कि 2024 में दुनिया के पांचवे सबसे बड़े देश भारत का सैन्य खर्च 1.67 बढ़कर 86.1 बिलियन डॉलर (7.19 लाख करोड़) हो गया है। वहीं, पहलगाम हमले के बाद से न्यूक्लियर मिसाइल दागने की धमकी दे रहे पाकिस्तान का सैन्य खर्च 10.2 बिलियन डॉलर यानी करीब 85,170 करोड़ रहा।

'देश पहले, धर्म या पार्टी बाद में'

> पहलगाम हमले को लेकर खड़गे बोले-हम सरकार के साथ

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पहलगाम हमले को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए देश सबसे पहले है। धर्म-जाति या पार्टी का महत्व बाद में है।

खड़गे ने कहा कि देश के लिए हम सभी को एकता दिखानी होगी। उन्होंने इस दौरान एक बार फिर कहा कि मोदी सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद होने चाहिए थे। हालांकि खड़गे ने यह भी कहा कि सरकार इस हमले के बाद जो भी कदम उठाएगी, कांग्रेस

पार्टी राष्ट्र हित में उसके साथ खड़ी होगी। जयपुर में संविधान बचाओ रैली के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मैंने बेंगलुरू में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि प्रधानमंत्री को एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए, क्योंकि जब देश के स्वाभिमान को ठेस पहुंचे तो हम सभी को एकजुट रहना चाहिए। पहलगाम हमले को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हम चाहते थे, इस बैठक में प्रधानमंत्री अपने प्लान के बारे में बताएं और लोगों के सुझाव भी लें। इसके अलावा, हमने सीडब्ल्यूसी मीटिंग भी बुलाई, जिसमें हमने तय किया था कि हम सभी सरकार के साथ हैं। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, हमने सर्वदलीय बैठक में भी कहा था कि इस कठिन समय में हम सरकार द्वारा उठाए जाने वाले किसी भी कदम में उनके साथ हैं।

सिविल जज के लिए तेलुगु में कुशलता अनिवार्य करने वाले तेलंगाना नियम के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तेलंगाना में सिविल जज के पद के लिए योग्यता हासिल करने के लिए तेलुगु भाषा में दक्षता अनिवार्य करने वाले 2023 के नियम को बरकरार रखने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। वहीं मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, नियम में केवल यह कहा गया है कि आपको तेलुगु जानने की जरूरत है।

बता दें कि, याचिकाकर्ता, एक प्रैक्टिसिंग एडवोकेट, ने अप्रैल 2024 की अधिसूचना के अनुसार सिविल जज के पद के लिए आवेदन किया। उन्होंने उच्च न्यायालय के समक्ष भाषा की आवश्यकता पर तेलंगाना राज्य न्यायिक (सेवा और संवर्ग) नियम, 2023 के नियम 5.3 और 7 (आई) की संवैधानिकता को चुनौती दी। याचिकाकर्ता ने 2023 के नियमों के तहत

आयोजित लिखित परीक्षा में अंग्रेजी से तेलुगु या उर्दू में और इसके विपरीत अनुवाद करने का विकल्प प्रदान करने के अलावा सिविल जज बनने की योग्यता के रूप में तेलुगु या उर्दू में से किसी एक में दक्ष होने का विकल्प प्रदान करने का निर्देश देने की भी मांग की।

तेलंगाना में 15 प्रतिशत आबादी उर्दू भाषी

मामले में शीर्ष न्यायालय की पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि तेलंगाना में 15 प्रतिशत आबादी उर्दू भाषी है। वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल ने योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण की है। हालांकि, पीठ ने याचिका की जांच करने से इनकार कर दिया और इसे खारिज कर दिया। तेलंगाना उच्च न्यायालय में याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि चूंकि राज्य में उर्दू को दूसरी आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया गया है, इसलिए यह मनमाना और अन्यायपूर्ण है कि सिविल जजों की भर्ती के नियमों में उर्दू या तेलुगु में पारंगत होने का विकल्प नहीं दिया गया। पिछले साल नवंबर में अपने आदेश में उच्च न्यायालय ने कहा, यह बात आम है कि सेवा की शर्तों, पात्रता और योग्यता आदि के बारे में निर्णय लेना नियोक्ता के अधिकार क्षेत्र में है। इन पहलुओं के बारे में निर्णय लेने के लिए नियोक्ता ही सबसे अच्छा न्यायाधीश है।

इन पहलुओं पर न्यायिक समीक्षा का दायरा बहुत सीमित है। उच्च न्यायालय ने कहा कि यह

वर्धमान बैंक VARDHAMAN BANK వర్ధమాన్ బ్యాంక్
VARDHAMAN (MAHILA) CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Head Office : 8-2-351/N/1, 3rd Floor, Nishant House, Road No.3, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034. T : 040 4666 4777
Email : ho@vardhamanbank.com Website : www.vardhamanbank.com
Prosperity... Humse Hai...
Inauguration of 12th Branch at
ATTAPUR
3-3-76/123/9/12, Siri Malle Home, Hyderguda, Attapur, Rajendra Nagar, Hyderabad - 500048
Ph : 9154211401
On Tuesday, 29th April 2025, at 11.00 am
Branch Inauguration by : Sri. Motilal Jain & Sri. Ramesh Bangad
Inauguration of ATM : Dr. M. Satchidananda Rao
Strong Room & Lockers : Smt. Pooja Jain & Sri. Madan Chand Jain Lunawat
Inauguration of other Facilities by : Sri. S.B.S. Manian & Sri. Praful Chavda
ALL ARE INVITED

पहलगाम अटैक के बाद पुलवामा की ओर भागे थे आतंकी

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के एक हफ्ते बाद अब धीरे-धीरे जांच एजेंसियों को आतंकी हमले की साजिश के सबूत मिलने लगे हैं। एजेंसियों की प्राइमरी इंवेस्टिगेशन जांच और खुफिया जानकारी के मुताबिक, हमले से पांच दिन पहले बैसरन एरिया में एक अज्ञात चीन में बना डीजेआई ड्रोन उड़ता देखा गया था। इसके अलावा घोड़ेवालों से रेकी करवाने का शक भी है।

जांच में ऐसे कई अहम खुलासे हुए हैं। बैसरन घाटी पर हमले से 5 दिन पहले ड्रोन उड़ते देखा गया। जांच एजेंसी के मुताबिक, आशंका है कि इसका रेकी करने और संभावित भीड़ का आकलन करने के लिए किया गया।

जांच एजेंसियां इसरो की मदद से यह पता करने की तलाश में है कि क्या पहलगाम में असामान्य रेडियो सिग्नल ट्रैफिक देखा गया। ऐसा अनुमान है कि हथियारों की खेप भी ड्रोन से घाटी में पहुंचाई गई। एजेंसियों को शक है कि आतंकियों ने घोड़ेवालों को पैसे देकर क्षेत्र की रेकी करवाई थी। पर्यटकों के बीच घुलने-मिलने के लिए स्थानीय वेशभूषा और लोकल आईडी कार्ड इस्तेमाल किए।

रामजीलाल सुमन पर भड़के योगी के मंत्री रघुराज सिंह

अलीगढ़, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार में मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह ने रामजीलाल सुमन के काफिले पर हमला करने वाले युवकों की तारीफ की। उन्होंने कहा- इसके साथ ऐसा होना स्वाभाविक है। ये मुगलों की नाजायज औलाद हैं। क्योंकि ये अपने बाप को बाप कहने को तैयार नहीं, वोट के लिए आक्रांताओं को अपना बाप मानते हैं। ये देश में जहां जाएंगे इनके साथ तो ऐसा ही होगा।

ठाकुर रघुराज सिंह ने कहा- मैं उन बच्चों की तारीफ करता हूं। उन्होंने बिल्कुल सही किया। इन्हें हर मोर्चे पर विफल करना चाहिए। उन्होंने कहा- राणा सांगा ने 80 घाव लगने के बावजूद देश के लिए लड़ाई लड़ी थी। आज भी देशभक्तों को वैसा ही जज्बा दिखाना चाहिए। दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री ने सोमवार को अलीगढ़ में मीडिया से बातचीत के दौरान ये बातें कहीं।

रघुराज सिंह ने कहा- मैं रामजी लाल सुमन से पूछना चाहता हूं कि इनके कितने बाप-दादा ने स्वतंत्रता सेनानी हुए। कितने रणबांकुर हुए। इन्होंने देश के लिए कितनी लड़ाई लड़ी। ये केवल अपनी जीभ चला सकते हैं। आने वाले चुनाव में अखिलेश को दिखा देंगे कि जिस गांव में 10 ठाकुर हैं वो भी 100 वोट डलवाने की हैसियत रखते हैं। ठाकुरों से पंगा लेना ठीक नहीं है। हालात खराब होगी।

राज्यमंत्री ठाकुर रघुराज सिंह ने कहा था कि जो देश का खाते हैं और मुगलों का गाते हैं। ऐसे लोग बेईमान हैं, देश के गद्दार हैं। मुगलों के समय भी देश में गद्दार थे और अंग्रेजों के समय में भी गद्दार रहे हैं। ऐसे लोग अब भी हैं। खुद को राज्यसभा सांसद कहने वाले रामजीलाल सुमन को बिल्कुल भी शर्म नहीं है। हमारी जो संस्कृति बची हुई है, केवल रणबांकुरों के कारण बची है। ऐसे गद्दारों के कारण देश 25 बार कटा और बंटा, लेकिन ठाकुरों ने हमेशा इसकी रक्षा की।

उन्होंने कहा था कि अखिलेश यादव के पिता वास्तविक नेता थे। अखिलेश सोने का चम्मच लेकर पैदा हुए और विदेश में पढ़े हैं, इसलिए उन्हें हिन्दुस्तान की धरती का कोई ज्ञान नहीं है। राजा-महाराजा और राजपूतों ने लड़ाई लड़कर देश को बचाया है। राणा सांगा को 80 घाव लगे थे। इसके बाद भी देश के लिए लड़ते रहे। अगर अखिलेश को एक घाव लग जाए तो शैया पर पड़ जाएंगे। ठाकुर अब बिल्कुल इनका साथ नहीं देंगे। इनके ठाकुर प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो जाएगी।

रघुराज प्रताप सिंह अलीगढ़ के भाजपा जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। बीजेपी सरकार में 2 बार से लगातार दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री हैं। अलीगढ़ के गभाना तहसील के मूलरूप से रहने वाले हैं। वह गभाना के राज परिवार से आते हैं।

मां बोली- बेटे के नाखून तक नोच लिए

सुमित, मृतक

कानपुर में 7 से 8 लोगों ने घेरकर पीटा बाइक टच होने पर मार डाला

कानपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। सिर्फ गाड़ी टच होने पर पड़ोसी ने मेरे बेटे को पीट-पीटकर मार डाला। प्लास से नाखून नोचे। वो गिड़गड रहा था, मुझे छोड़ दो, लेकिन उनको रहम नहीं । उसे सरेराह पीटते रहे, कोई बचाने नहीं आया। ये कहना है मंजू का। उसके बेटे सुमित की 24 अप्रैल को पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वारदात को पड़ोसी और उसके सालों ने अंजाम दिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी गुड्डू को अरेस्ट कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। मंजू ने बताया-बेटा सुमित बहुत सीधा-साधा था। अपने काम से मतलब रखता था। वो पिता को छोड़कर घर लौट रहा था। तभी गलती से उसकी बाइक पड़ोस में रहने वाले गुड्डू से टच हो गई। तो उसने अपने सालों के साथ मिलकर मेरे बेटे को पीटा।

करणी सेना बोली-अखिलेश के घुटने टिकवा देंगे

सूरजपाल सिंह अंबू

सपा सांसद पर हमले की जिम्मेदारी ली, कहा- जब तक तोड़ेंगे नहीं, तब तक छोड़ेंगे नहीं

आगरा, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। अलीगढ़ में सपा सांसद रामजीलाल सुमन के काफिले पर हमले की जिम्मेदारी करणी सेना ने ली है। वहीं सपा प्रमुख को चेतावनी देते हुए कहा है कि अखिलेश, तुम्हारे घुटने टिकवा देंगे।

युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने वीडियो जारी कर कहा- सांसद इस बार भी बच गए। कुछ गाड़ियां ही टूट पाईं। तेरी ऐसी नकेल डालेंगे, तेरी कई पीढ़ियां बाबर के नाम लेना भूल जाएंगी। हर बार प्रशासन बचाने नहीं आएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत ने कहा- जब तक तोड़ेंगे नहीं, तब तक छोड़ेंगे नहीं।, वहीं अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पाल सिंह अंबू ने कहा-क्षत्रियों ने हमेशा राष्ट्रहित के लिए लड़ाई लड़ी है। सरकार अगर छूट दे तो करणी सैनिक मानव बम बनने को तैयार हैं। हम बॉर्डर पर नहीं जा सकते, लेकिन सेना हमें जो काम देगी हम उसे पूरा करेंगे।

सपा सांसद रामजीलाल सुमन 27 अप्रैल को 20 गाड़ियों के काफिले के साथ आगरा से बुलंदशहर जा रहे थे। अलीगढ़ के खेरेश्वर चौराहे पर क्षत्रिय समाज के कुछ युवा सड़क पर उतर आए। उन्होंने रामजीलाल सुमन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इस पर काफिले की गाड़ियां तेजी से भागने लगीं। जिसके चलते करीब 500 मीटर आगे जाकर गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस बीच पुलिस पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने मौके पर मौजूद युवाओं को समझाया और काफिले को आगे रवाना किया। इसके बाद अलीगढ़ में ही गभाना टोल प्लाजा से करीब 150 मीटर पहले एक बार फिर से क्षत्रिय समाज के कुछ युवक इकट्ठे हो गए। उन्होंने सांसद के काफिले की गाड़ियों पर टायर और पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। गाड़ियों पर काली स्याही भी फेंकी गई थी।

लव मैरिज के 6 महीने बाद नवविवाहिता की हत्या

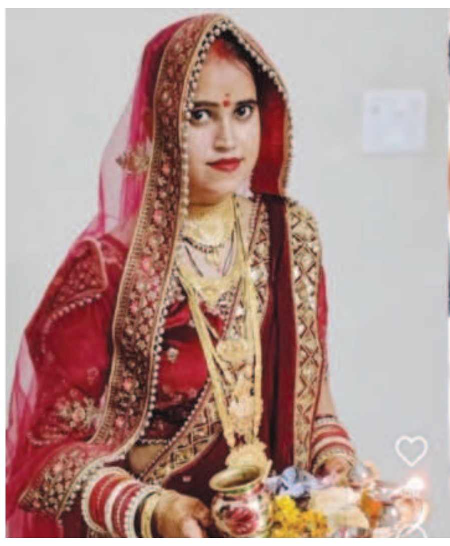

समस्तीपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। समस्तीपुर में दहेज के लिए एक नवविवाहिता की हत्या का मामला सामने आया है। मृतका के परिजनों ने सास और पति पर दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर हत्या करने का आरोप लगाया है। वहीं, मौत के बाद पति मायके में शव रखकर भाग रहा था। जिसे ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना जिले के चकमेहसी थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या छह का है। जिसकी शादी मुजफ्फरपुर के पियर थाना क्षेत्र के रतवारा गांव में 6 महीने पहले हुई थी। जानकारी के अनुसार, शादी दोनों परिवार की सहमति से लव मैरिज हुई थी लेकिन शादी में दहेज भी दिया गया था।

वहीं, शादी के बाद से पति और सास और दहेज का डिमांड कर रहे थे। मांग नहीं पूरी होने पर नवविवाहिता को प्रताड़ित भी करते थे। मामले को लेकर समझौता भी हुआ था लेकिन रविवार की रात नवविवाहिता की हत्या कर दी गई। गले पर रस्सी का गहरा निशान भी मिला है। मृत नवविवाहिता चकमेहसी निवासी ओमप्रकाश साहू की इकलौती बेटी राधिका कुमारी (22) है। जिसकी शादी रतवारा गांव निवासी केशव गुप्ता से शादी हुई थी। दहेज में पांच लाख रुपए नकद और एक भरी आभूषण दिया गया था लेकिन बाइक की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता था। राधिका के पिता ने बताया कि 27 अप्रैल की सुबह मेरी बेटी ने फोन कर बताया था कि उसके पति ने डिमांड पूरी करने को कहा है, जिसको लेकर लड़ाई हुई और उसने मुझे बुरी तरीके से पीटा है। कुछ घंटे बाद ससुराल से खबर आई कि उसकी तबीयत खराब है। वहीं, रात 8 बजे दामाद केशव गुप्ता एक निजी गाड़ी से मेरी बेटी राधिका का शव लेकर मेरे घर पहुंचा। शव को घर पर छोड़कर भागने लगा। जिसके बाद मैंने शोर मचाया तो ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मेरी बेटी के गले पर रस्सी का गहरा निशान है, जिससे साफ होता है कि उसके ससुरालवालों ने उसकी हत्या कर दिया है।

पिता ने आगे बताया कि इकलौती बेटी राधिका कुमारी (22) की शादी 10 नवंबर 2024 को रतवारा गांव निवासी सरकारी शिक्षक तेज नारायण साहू के बेटे केशव गुप्ता से हुई थी। शादी में 5 लाख रुपए नकद और एक भरी आभूषण दिए थे। हालांकि शादी के बाद से दामाद और उसकी मां बाइक का डिमांड कर मेरी बेटी को प्रताड़ित करते थे।

परिजनों ने बताया कि राधिका का पति शादी से पहले चकमेहसी अपने जीजा राजा साह के यहां आया हुआ था। तभी राधिका से उसकी मुलाकात हुई थी और दोनों के बीच दो साल प्रेम-प्रसंग चला। जब परिजनों को पता हुआ तब दोनों परिवार की सहमति से वैशाली जिला के महुआ के एक मंदिर में दोनों की शादी कर दी। इस मामले में थाना प्रभारी संतोष यादव ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पति को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ की जा रही है, आवेदन मिलने के बाद हत्या और दहेज उत्पीड़न के हर पहलू की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीमा हैदर बोलीं- गाड़ी से कूद जाऊंगी, पाकिस्तान नहीं जाना

लखनऊ, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में अलीगढ़ में बाजार बंद कर लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। मुस्लिम भी पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। वाराणसी में आज रात में 15 मिनट के लिए पूरे शहर में लाइट बंद कर मृतकों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। दिन में पाकिस्तान के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन और रात में ब्लैक आउट की अपील की गई है। सीमा हैदर ने मीडिया से बातचीत में कहा- मैं वापस पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। मैं मर जाऊंगी। गाड़ी से कूद जाऊंगी... कुछ भी करूंगी, लेकिन वापस नहीं जाऊंगी। हिंदुस्तान मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। यहां के लोग बहुत अच्छे हैं।

वहीं, वाराणसी के टैटू पार्लर में 'हिंदू' टैटू बनवाकर आक्रोश जता रहे हैं। यहां पर रोजाना 40 से 50 लोग हिंदू नाम का टैटू गोदवा रहे हैं। लोगों की मानें तो पहलगाम में हिंदू धर्म पूछकर गोली मारी गई। लेकिन, हम डरने वाले नहीं और हम अपने हाथों पर हिंदू नाम इसलिए गोदवा रहे हैं ताकि लोगों को हाथ देखकर ही पता चल जाए हम हिंदू हैं।

इसी बीच सोमवार दोपहर यूपी सरकार ने दावा किया कि पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल वापस भेजने वाला देश का पहला राज्य उत्तर प्रदेश बना। यूपी से सभी पाकिस्तानियों को वापस भेज दिया है। पुलिस विभाग और खुफिया एजेंसी पाकिस्तानी नागरिक पर नजर रख रही है।

सीमा हैदर ने मीडिया से बातचीत में कहा- मैं आप सबसे रिक्वेस्ट करती हूं कि मेरी हेल्प करें। मैं वापस पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। मैं मर जाऊंगी। गाड़ी से कूद जाऊंगी... कुछ भी करूंगी, लेकिन वापस नहीं जाऊंगी। हिंदुस्तान मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

औरंगाबाद में महिला एसआई पर होगी कार्रवाई

पॉस्को एक्ट के अनुसंधान में लापरवाही बरती, कोर्ट में हुई सुनवाई

औरंगाबाद, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। औरंगाबाद में पॉस्को एक्ट के अनुसंधान में लापरवाही बरतने वाले महिला एसआई के विरुद्ध एसपी को कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।

किशोर न्याय परिषद औरंगाबाद के प्रधान दंडाधिकारी सह एसीजेएम सुशील प्रसाद सिंह ने दाउदनगर थाना कांड संख्या 238/25 की सुनवाई करते हुए अनुसंधानकर्ता की जांच में कई खामियां पाई। इसको लेकर अनुसंधानकर्ता के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक अंबरीश राहुल को अनुशंसा पत्र भेजा गया है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि इस वाद में अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक कुमकुम कुमारी की लापरवाही को देखते हुए बोर्ड ने 9 अप्रैल 2025 को शो-कॉज किया था। 15 अप्रैल 2025 को स्पष्टीकरण के साथ सदेह उपस्थित होने का आदेश दिया गया था।

25 अप्रैल 2025 तक कोई स्पष्टीकरण नहीं आने पर बोर्ड ने आदेश की अवमानना और कर्तव्य में लापरवाही मानते हुए कार्रवाई की अनुशंसा की। यह आदेश किशोर के हित में पहली बार जारी किया गया है। इसकी प्रतिलिपि उपमहानिरीक्षक गया, महानिरीक्षक गया और पुलिस महानिदेशक पटना को भेजी गई है। साथ ही त्वरित कार्रवाई कर बोर्ड को सूचना देने को कहा गया है।

अधिवक्ता ने बताया कि पूरा मामला पॉस्को एक्ट से जुड़ा हुआ है। इस वाद में पीड़ित का मेडिकल जांच नहीं हुआ था। बीएनएस की धारा 183 के तहत बयान भी नहीं लिया गया था। नामजद किशोर को तय समय सीमा से अधिक थाना में रखा गया। किशोरों को निरुद्ध रखने की सूचना संबंधित प्रोबेशन अधिकारी को नहीं दी गई थी। इन्हीं खामियों को लेकर बोर्ड ने पहले भी खेद जताते हुए शो-कॉज किया था।

पूरा मामला दाउदनगर से जुड़ा हुआ है। 5 अप्रैल को चार किशोरों ने जबरदस्ती अश्लील हरकत करते हुए यौन संबंध बनाया था। मामले को लेकर एफआईआर दर्ज हुई थी। लेकिन कांड में अनुसंधान में केस के आईओ द्वारा लापरवाही बरती गई।

दरभंगा में ससुराल पहुंचने से पहले दुल्हन किडनैप

बदमाशों ने रास्ते में कार से खींचकर बाइक पर बैठाया; दूल्हा बोला- अब उसे नहीं रखूंगा

दरभंगा, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। दरभंगा में शादी के बाद ससुराल जा रही दुल्हन का अपहरण हुआ है। गाड़ी में दूल्हा भी मौजूद था। बदमाशों ने पहले गाड़ी रुकवाई फिर हथियार के बल पर दुल्हन को जबरन कार से खींचकर बाइक पर बैठाया और फरार हो गए।

लड़की की मां ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। दूल्हे का कहना है 'अब उस लड़की को नहीं रखूंगा, मैं दूसरी शादी कर लूंगा।' घटना सकतपुर थाना क्षेत्र की है। दुल्हन मधुबनी जिले के गंगापुर गांव की रहने वाली है।

दुल्हन की मां जानकी देवी ने बताया- '25 अप्रैल को बेटी माला कुमारी (20) की शादी घनश्यामपुर निवासी भगलू राम के बेटे संजय राम से की। शादी के बाद 26 अप्रैल को देर शाम बेटी अपने मायके गंगापुर से ससुराल जा रही थी। जिस गाड़ी में दूल्हा-दुल्हन बैठे थे, उसमें दुल्हन का भाई पप्पू राम के साथ-साथ लड़के का पिता बबलू राम और जीजा भी थे।'

रास्ते में सुहतरिया पुल के पास 4 बाइक से 8 बदमाश पीछा करते हुए पहुंचे। गाड़ी रुकवाई और ड्राइवर को पिस्टल सटाकर गेट खोलने को कहा। गेट नहीं खोलने पर जान से मारने की धमकी दी। डर से ड्राइवर ने गेट खोल दिया। दो बदमाश गाड़ी के अंदर घुसे और माला कुमारी को खींचकर बाइक पर बैठा लिया। फिर बदमाशों ने कहा अगर पुलिस को सूचना दी तो दूल्हे को जान से मार देंगे। मेरे बेटे पप्पू ने एक बदमाश की पहचान मनीष कुमार यादव के रूप में की है। मनीष मेरे गांव का ही रहने वाला है।

जानकी देवी ने बताया- 'दुल्हन के पास सोने और चांदी के जेवर थे। दूल्हे के पास भी सोने की अंगूठी थी। बदमाश जेवर और नकदी भी लेकर भाग गए। बदमाश उनकी बेटी के साथ अनहोनी कर सकते हैं। पुलिस कहीं से बेटी को ढूंढ़कर आए।'

वाराणसी में भाजपा पार्षद की चाची से चेन स्नैचिंग

बाइक सवार बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम

वाराणसी, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। वाराणसी में भाजपा पार्षद की चाची से बाइक सवारों बदमाशों ने चेन छीन ली। वहीं विरोध में बदमाशों ने महिला को धकेल दिया। इसके बाद वह सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। वारदात की सूचना पर पीड़ित के परिजन और भाजपा कार्यकर्ता पहुंचे। वारदात चितईपुर थाना क्षेत्र में हुई। पीड़ित ब्रजबाला चितईपुर थाना क्षेत्र के महामनापुरी कालोनी (नासिरपुर) की रहने वाली और करौंदी के सभासद श्यामभूषण शर्मा की चाची हैं। यह घटना उनके घर के बाहर हुई। महिला के पति ब्रज भूषण शर्मा ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा- चितईपुर थाने में महिला थाना प्रभारी जल्दी फोन नही उठातीं। पुलिसकर्मियों की कार्यशैली ठीक नही है। छीनी गई चेन की कीमत करीब एक लाख रुपए बताई गई है। थानाध्यक्ष चितईपुर निकिता सिंह ने कहा- पार्षद से मिले तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्य देखे जा रहे है। मामले की जानकारी होते ही भेलूपुर एसीपी ईशान सोनी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण किया और आसपास के सीसीटीवी कैमरे को खंगालने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि एक टीम लगा दी गई है जल्द ही मामले का खुलासा किया जायेगा।

पल्लवी पटेल के प्रदर्शन के बाद वाराणसी पुलिस का एक्शन

वाराणसी, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। विधायक पल्लवी पटेल के विरोध-प्रदर्शन के बाद वाराणसी पुलिस एक्शन में आ गई। अब युवक हेमंत पटेल हत्याकांड में पुलिस कमिश्नर ने एसआईटी गठित कर दी है। अब पूरे मामले की जांच आईपीएस अफसर की अध्यक्षता में गठित टीम करेगी। वहीं पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने केस में लापरवाही बरतने वाले इंस्पेक्टर शिवपुर उदयवीर सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है। उनकी जगह विजय कुमार शुक्ला को शिवपुर का नया प्रभारी निरीक्षक बनाया है। आरोपों के बाद केस से एसीपी कैंट विदुष सक्सेना को दूर रखा गया है, उनकी जगह एसीपी पिंडरा को एसआईटी में शामिल किया गया है। इससे पहले विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष बिहारी लाल यादव ने एसीपी कैंट विदुष सक्सेना की भूमिका पर सवाल उठाए थे। इसके साथ ही इंस्पेक्टर शिवपुर और एसीपी कैंट को केस से दूर रखने की मांग की थी।

लखनऊ में नेहा सिंह राठौर के खिलाफ एफआईआर

बोलीं-क्या कोई वकील मेरी मदद कर सकता है, फीस नहीं दे सकती; मेरे पास सिर्फ 519 रुपए

लखनऊ, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर के खिलाफ लखनऊ में FIR दर्ज कराई गई। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट की थी। जिसे पाकिस्तान के एक हैंडल से री-पोस्ट किया गया।

मामला दर्ज होने के बाद नेहा राठौर ने सोशल मीडिया पर लिखा- मेरे ऊपर लखनऊ में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। क्या कोई वकील मेरी मदद कर सकता है? मेरे पास वकील की फीस देने के लिए पैसा नहीं है। मेरे बैंक अकाउंट में सिर्फ 519 रुपए हैं। जिसमें से 500 रुपए तबला वादक को देकर कल मैं नया गीत रिकॉर्ड करुंगी। हजरतगंज पुलिस के मुताबिक गुडंबा कुर्सी रोड निवासी कवि अभय प्रताप सिंह की शिकायत पर FIR दर्ज की गई है।

नेहा राठौर ने वीडियो जारी कर कहा- कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ और पर्यटकों की हत्या कर दी गई। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। आप कहां सोए हैं चौकीदार जी। आपकी चौकीदारी में कैसे चूक हो गई। आंख लग गई थी क्या? आपने तो नोटबंदी करके आतंकियों की कमर तोड़ दी थी। फिर ये कैसे हो गया। लफ्फाजियों से कब तक देश चलेगा महाराज। इस हमले के लिए भी नेहरु जी ही जिम्मेदार हैं क्या? कोई पत्रकार आपसे सवाल नहीं पूछेगा। आप कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस भी नहीं करेंगे और आप कोई जिम्मेदारी भी नहीं लेंगे। ये बात अभी से पूरा देश जानता है। लेकिन, मैं आपसे सवाल पूछूंगी। उन्होंने कहा- देश अब सच में जानना चाहता है कि इतना महंगा शेर पालने के बाद भी देशवासियों की हत्या कैसे हो गई। आपकी छप्पन इंच की छाती और लाल आंखें किस काम की। सर्जिकल स्ट्राइक क्या सच में एक कहानी थी। अनुच्छेद 370 पर बड़ी-बड़ी बातें किस काम की। पुलवामा हमले में जवान मारे गए। पहलगाम हमले में पर्यटकों की हत्या कर दी गई।

नेहा सोशल मीडिया पर लगातार देश विरोध बयान जारी कर रही हैं। उनके वीडियो की पाकिस्तान मीडिया सराहना कर रही है। जिससे देश के सम्मान का हनन हो रहा है। थाना प्रभारी हजरतगंज विक्रम सिंह ने बताया कि पीड़ित ने राष्ट्रपति को संबोधित शिकायती पत्र दिया है। कुल 11 धाराएं लगाई गई हैं।

कवि अभय प्रताप ने कहा- नेहा राठौर ने दो समुदाय के विरुद्ध आपसी सौहार्द बिगाड़ने, शांति व्यवस्था भंग करने के लिए नेहा सिंह राठौर लगातार ऐसा कर रही हैं। वह अपने X हैंडल से लगातार आपत्तिजनक पोस्ट कर रही हैं। नेहा सिंह राठौर के ये सभी भारत विरोधी बयान लगातार पाकिस्तान में खूब वायरल हो रहे हैं। पाकिस्तान में नेहा सिंह राठौर की प्रशंसा हो रही है।

पाकिस्तानी महिला फरार, 3 महीने पहले दर्ज हुई थी एफआईआर

पाकिस्तानी महिला फर्जी दस्तावेजों के जरिए बनी थी सरकारी टीचर

बरेली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। देशभर से पाकिस्तानी लोगों को उनके देश भेजा जा रहा है। पाकिस्तान से भारत आए लोगों के वीजा की डेटलाइन रविवार को खत्म हो गई। इस बीच बरेली की एक पाकिस्तानी महिला फरार है। उसके खिलाफ 3 महीने पहले मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस 3 महीने से उसकी तलाश कर रही है, लेकिन उस महिला का आज तक कोई सुराग नहीं लग सका है। तीन महीने पहले फतेहगंज पश्चिमी थाने में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से पाकिस्तानी महिला शुमायला खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस की टीमें उसकी गिरफ्तारी के लिए बरेली से लेकर रामपुर तक दबिश दे रही हैं, लेकिन शुमायला खान पुलिस के हत्थे आज तक नहीं लग सकी। फर्जी दस्तावेजों के जरिए टीचर बनी शुमायला खान 3 महीने से फरार है।

बरेली जिले के फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र में स्थित प्राथमिक विद्यालय माधौपुर में शुमायला खान टीचर थी। जब उनके दस्तावेजों की जांच की गई तो पता चला कि वह पाकिस्तानी हैं। उन्होंने तथ्यों को छुपाते हुए कूटरचित निवास प्रमाण पत्र के जरिए नौकरी हासिल की। शुमायला खान ने नियुक्ति के दौरान एसडीएम सदर, रामपुर के कार्यालय से जारी निवास प्रमाण पत्र दिया था। जांच के बाद पाया गया कि यह प्रमाण पत्र सही जानकारी छुपाकर बनवाया गया था, जबकि शुमायला वास्तव में पाकिस्तानी नागरिक हैं। 2015 में प्राथमिक विद्यालय माधौपुर में सहायक अध्यापक के पद पर शुमायला खान की नियुक्ति की गई थी। इस नियुक्ति के लिए उन्होंने जो दस्तावेज जमा किए थे, जांच के दौरान यह पाया गया कि निवास प्रमाण पत्र तथ्यों को छुपाकर बनाया गया था। जांच के दौरान तहसीलदार सदर, रामपुर की रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि शुमायला खान ने गलत जानकारी देकर निवास प्रमाण पत्र बनवाया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: विश्वास एक ऐसी चीज होती है जब वो टूटता है तो इंसान अंदर से बिखर जाता है ।

केसीआर के भाषण में विषयवस्तु का अभाव था : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल में अपनी पार्टी की रजत जयंती बैठक के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव द्वारा की गई टिप्पणियों के जवाब में, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि केसीआर के भाषण में कोई वास्तविक विषयवस्तु का अभाव था और यह केवल उनकी कुंठाओं की अभिव्यक्ति थी। सोमवार को पत्रकारों के साथ एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान, मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई पहल पूरे भारत में किसी भी राज्य में लागू नहीं की जा रही है, इस बात पर जोर देते हुए कि इस विषय को निश्चित रूप से अगले छह महीनों में संबोधित किया जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर बीआरएस विधायकों के साथ बच्चों जैसा व्यवहार किया जाता है तो उन्हें विधानसभा में भेजने के पीछे क्या औचित्य है। रेवंत रेड्डी ने कहा, पिछली बीआरएस सरकार का राहुल गांधी की पिछली बैठकों के लिए बसों की व्यवस्था न करने का रिकॉर्ड रहा है, जबकि मौजूदा कांग्रेस प्रशासन ने सुनिश्चित किया कि कार्यक्रम के लिए आरटीसी बसें उपलब्ध हों और अधिकारियों को निर्देश दिया कि जितनी जरूरत हो उतनी बसें उपलब्ध कराई जाएं। अगर आरटीसी राजस्व उत्पन्न करती है, तो क्या हम उन्हें मना कर देंगे? रेवंत रेड्डी ने कहा, मैं अपने काम के प्रति समर्पित हूं। मैंने कांग्रेस नेता अद्दांकी दयाकर को आश्वासन दिया था कि मैं उन्हें एमएलसी पद दिलाऊंगा और मैंने उस वादे को पूरा किया। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से बड़ा कोई योद्धा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव केवल अपने हितों की सेवा के लिए बोलते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई पहलों को बढ़ावा देने में हम पीछे रह गए हैं। हमें अपने प्रयासों को बढ़ाने और लोगों को यह दिखाने की ज़रूरत है कि रेवंत रेड्डी अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करेंगे। केसीआर के विपरीत, वे ऐसी परियोजनाओं में शामिल नहीं होंगे जो बिना समाधान के शुरू और खत्म हो जाती हैं। रेवंत रेड्डी ने यह भी उल्लेख किया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ उनके अच्छे संबंध हैं, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उन्हें किसी के सामने इस संबंध को सही ठहराने की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने उल्लेख किया कि कुछ विधायक हैदराबाद में सिर्फ़ घूम रहे हैं, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्रों में मौजूद रहना चाहिए और हैदराबाद का दौरा तभी करना चाहिए जब बहुत ज़रूरी हो।

ईडी ने हैदराबाद में विभिन्न स्थानों पर की छापेमारी

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय करोड़ों रुपये के भूदान यज्ञ बोर्ड भूमि घोटाले के सिलसिले में शहर में विभिन्न स्थानों पर तलाशी ले रहा है।

ईडी की टीमों ने घोटाले से जुड़े प्रमुख भूमि डीलरों के घरों पर तड़के छापेमारी की। एजेंसी के अधिकारियों को सीआरपीएफ के जवानों ने सुरक्षा प्रदान की। याकूतपुरा, संतोषनगर और शहर के पुराने इलाकों में अन्य स्थानों पर तलाशी चल रही है। यह घोटाला रंगा रेड्डी जिले के नागरम गांव में 103 एकड़ जमीन की धोखाधड़ी से जुड़ा है।

कई आईएएस और आईपीएस अधिकारी उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने कथित तौर पर जमीन खरीदी थी।

उत्तम कुमार रेड्डी ने केसीआर की आलोचना को खारिज किया

मंत्री ने नलगोंडा कलेक्ट्रेट में अतिरिक्त ब्लॉक का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को नलगोंडा में कहा कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना के लोगों की सेवा के लिए ईमानदारी और अथक प्रयास कर रही है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव अपने 10 साल के शासन के दौरान राज्य को बर्बाद करने के बाद लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। नलगोंडा कलेक्ट्रेट में अतिरिक्त ब्लॉक के शिलान्यास समारोह में मंत्री कोमाटि रेड्डी वेंकट रेड्डी और अन्य नेताओं के साथ बोलते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना को गहरे वित्तीय संकट में धकेलने वाले केसीआर अब बेशर्मी से उस कांग्रेस सरकार पर हमला कर रहे हैं जो नुकसान की भरपाई के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा, केसीआर ने दस साल में तेलंगाना को बर्बाद कर दिया। अब वे उन लोगों को निशाना बना रहे हैं जो राज्य के पुनर्निर्माण के लिए ईमानदारी से काम कर रहे हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के बाद चुनावों के कारण लगभग पांच से छह महीने गंवा दिए, लेकिन उसके बाद से एक भी दिन बर्बाद नहीं किया। उन्होंने कहा, 7 दिसंबर, 2023 को मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद से मैंने एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली है। हम लोगों की सेवा के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बीआरएस सरकार ने सिंचाई परियोजनाओं पर 1.81 लाख करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन अयाकट में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं कर पाई। उन्होंने कहा, उन्होंने पलामुरु-रंगारेड्डी परियोजना पर 27,000 करोड़ रुपये और सीताराम लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर 9,000 करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन एक भी एकड़ को सिंचाई का पानी नहीं मिला। उन्होंने कहा कि कलेश्वरम परियोजना, जिस पर लगभग 1 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए, एक आपदा बन गई। उन्होंने आरोप लगाया, मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराज बीआरएस शासन के दौरान खराब डिजाइन, घटिया निर्माण और खराब संचालन और रखरखाव के कारण ढह गए। बीआरएस नेताओं की किसानों की सेवा करने की बजाय कमीशनखोरी में अधिक रुचि थी। इसी क्रम में सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी, मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकरेड्डी और अन्य नेताओं के साथ, सोमवार को नलगोंडा कलेक्ट्रेट में तीन लिफ्ट सिंचाई योजनाओं का उद्घाटन करने और एक अतिरिक्त ब्लॉक की आधारशिला रखने से पहले नलगोंडा शहर में बाइक रैली में भाग लिया। 82 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली इन परियोजनाओं का उद्देश्य जिले में सिंचाई सुविधाओं को बढ़ावा देना और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाना है।

शिकायतों के समाधान को उच्च प्राथमिकता देना चाहिए : प्रतिमा सिंह

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला अपर कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम पर प्राप्त शिकायतों को उच्च प्राथमिकता देना चाहिए। संबंधित अधिकारियों को मामले का शीघ्र समाधान करना चाहिए। सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में जन शिकायतों की चर्चा की गई। जानकारी देने आए लोगों से अपर कलेक्टर प्रतिमा सिंह, डीआरओ संगीता के साथ शिकायतें प्राप्त कीं। इस अवसर पर बोलते हुए अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि जिला अधिकारी एक प्रभावी अभियान चलाते हैं। आयोजित लोक सेवा घोषणा कार्यक्रम के दौरान विभागों को प्राप्त शिकायतों पर समस्याओं पर त्वरित प्रतिक्रिया और समाधान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आवेदनों को लंबित रखे बिना समय-समय पर उनकी समीक्षा करके, अधिकारियों को समस्याओं का समाधान करना चाहिए। आज आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के लिए कुल (51) शिकायतें प्राप्त हुईं, और उनका निराकरण किया गया। राजस्व विभाग-16, अन्य विभाग-21, कुल 51 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, नगर निगम अधिकारी, मंडल तहसीलदार, कलेक्ट्रेट अधीक्षक, संबंधित अधिकारी, अन्य लोगों ने भी भाग लिया।

शमीरपेट के एसआई को एसीबी ने पकड़ा

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद कमिश्नरेट के पुलिस उपनिरीक्षक एम. परशुराम को एसीबी ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। सिटी रेंज यूनिट-2 ने एसआई उस समय पकड़ा जब उन्होंने शिकायतकर्ता से सरकारी पक्षपात करने के लिए 22,000 रुपये की रिश्वत मांगी और स्वीकार की। शमीरपेट पुलिस स्टेशन द्वारा दर्ज धोखाधड़ी के मामले से शिकायतकर्ता और उसके कार्यकर्ता को बाहर करने और शिकायतकर्ता का सेल फोन वापस करने के लिए एसआई ने रिश्वत की मांग की थी। आरोपी ने शिकायतकर्ता से 2,00,000 रुपये की रिश्वत पहले ही स्वीकार कर ली थी। आरोपी ने अपने सार्वजनिक कर्तव्य को अनुचित और बेईमानी से निभाया। उसकी निशानदेही पर उससे रिश्वत की राशि बरामद की गई। एम. परशुराम, एसआई, पी.एस. शमीरपेट को गिरफ्तार किया गया और नामपल्ली में विशेष पुलिस और एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया।

अज्ञात व्यक्ति की हत्या

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर दी गई और उसके शव को दोमलगुडा स्थित एक परिसर में लिफ्ट के गड्ढे में फेंक दिया गया। पुलिस के अनुसार, सुबह कुछ स्थानीय लोगों ने लिफ्ट में एक व्यक्ति का शव देखा, जिसकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की तो पता चला कि हमलावरों ने धारदार हथियार से उस व्यक्ति की हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर हत्यारों का पता लगाने के लिए तीन विशेष टीमें गठित की हैं। पुलिस इमारत के आसपास लगे क्लोज सर्किट कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि जानकारी जुटाई जा सके। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया।

36 विशेष ट्रेनों का परिचालन बढ़ा

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने चर्लापल्ली-काकीनाडा टाउन और चर्लापल्ली-नरसापुर स्टेशनों के बीच 36 विशेष ट्रेनों के परिचालन को बढ़ा दिया है। तदनुसार, चर्लापल्ली - काकीनाडा टाउन (07031) सेवा 2 मई से 27 जून के बीच चलेगी, काकीनाडा टाउन - चर्लापल्ली (07032) 4 मई से 29 जून के बीच चलेगी, चर्लापल्ली - नरसापुर (07233) सेवा 2 मई से 2% जून के बीच चलेगी और नरसापुर - चर्लापल्ली (07234) सेवा 4 मई से 29 जून के बीच चलेगी। एससीआर अधिकारियों ने बताया कि इन विशेष ट्रेनों में 2एसी, 3एसी, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे।

एससी/ एसटी मामलों में त्वरित न्याय के लिए कदम उठाएं: आयोग

राचकोंडा आयुक्तालय में एससी/एसटी अपराधों पर समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बक्की वेंकटैया की अध्यक्षता में सोमवार को राचकोंडा आयुक्तालय कार्यालय में एससी/एसटी अपराधों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। एससी और एसटी मामलों में त्वरित न्याय के लिए कदम उठाने पर चर्चा की गई। बैठक में अनुसूचित जातियों के विरुद्ध हमलों और भेदभाव से संबंधित मामलों में प्रगति पर चर्चा की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, बक्की वेंकटैया ने सुझाव दिया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएं कि राचकोंडा आयुक्तालय के भीतर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के मामलों की शीघ्र जांच की जाए और पीड़ितों को न्याय मिले। अध्यक्ष बक्की वेंकटैया ने कहा कि वर्तमान में लंबित मामलों की जांच जल्द से जल्द जांच पूरी होनी चाहिए। जांच में विलंब होने से पीड़ितों को न्याय समय पर नहीं मिल रहा है। तयशुदा समय पर जांच पूरी कर पीड़ितों को न्याय प्रदान करना चाहिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार अधिनियम के तहत दर्ज प्रत्येक मामले में सावधानी बरतने के लिए भी कहा है। उन्होंने कहा कि आयोग हर मामले को गंभीरता से ले रहा है। पुलिस को भी अपना सहयोग प्रदान करना चाहिए। राचकोंडा के आयुक्त सुधीर बाबू ने कहा कि वे अपने आयुक्तालय में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के मामलों की जांच में तेजी लाकर कड़ी सजा सुनिश्चित करने के लिए कानूनी कदम उठा रहे हैं। पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने आश्वासन दिया कि यह सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि कानूनी प्रक्रिया में बिना किसी देरी के पीड़ितों को न्याय मिले। पुलिस पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हर कदम उठा रही है। पुलिस की कोशिश है इस तरह के मामलों को शीघ्र निपटा दिया जाए। कार्यक्रम में एससी और एसटी आयोग के सदस्य कुसराम नीलादेवी, कोंकटी लक्ष्मीनारायण, जिला शंकर, डीसीपी मलकाज गिरि पद्मजा, डीसीपी एलबी नगर प्रवीण कुमार, यादाद्रि अक्षांश यादव , डीसीपी क्राइम अरविंद बाबू, डीसीपी एडमिन इंदिरा, डीसीपी स्पेशल ब्रांच जी नरसिम्हा रेड्डी, डीसीपी महेश्वरम सुनीता रेड्डी, अतिरिक्त कलेक्टर विजयेंद्र रेड्डी, सभी जोन के लैंड ऑर्डर एसीपी और अन्य ने भाग लिया।

गर्भवती महिलाओं की जान बचाने के लिए रैपिड प्री-एक्लेमप्सिया टेस्ट विकसित

आईआईटी मद्रास की उपलब्धि

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) के नेतृत्व में एक अनुसंधान दल ने एक बायोसेंसर प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जो गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में होने वाले उच्च रक्तचाप संबंधी विकार प्री-एक्लेमप्सिया का शीघ्र और कुशलतापूर्वक परीक्षण करने का वादा करता है। शोधकर्ताओं ने मौजूदा प्रौद्योगिकियों के संभावित विकल्प के रूप में फाइबर ऑप्टिक्स सेंसर प्रौद्योगिकी का उपयोग करके पॉइंट-ऑफ-केयर (पीओसी) परीक्षण उपकरण विकसित करने के लिए एक साथ मिलकर काम किया है।

प्री-एक्लेम्पसिया का पता लगाने की सामान्य विधि समय लेने वाली है, जिसके लिए विशाल बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकता होती है, जो इस परीक्षण को दूरदराज के क्षेत्रों और संसाधन-सीमित सेटिंग्स में ज्यादातर दुर्गम बनाता है। इसलिए, प्री-एक्लेमप्सिया के निदान के लिए '3एस' विशेषताओं (संवेदनशीलता, विशिष्टता और गति) के साथ आसानी से सुलभ, पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण उपकरण की तत्काल आवश्यकता है, एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया।

प्रोफ़ेसर वीवी राघवेंद्र साईं, बायोसेंसर प्रयोगशाला, अनुप्रयुक्त यांत्रिकी और जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास ने कहा कि शोध टीम द्वारा विकसित बायोसेंसर प्लेटफ़ॉर्म सरल और विश्वसनीय है, जो किफ़ायती निदान का मार्ग प्रशस्त करता है। इससे प्लेसेंटल ग्रोथ फैक्टर (पीएलजीएफ) बायोमार्कर परीक्षणों के परीक्षण कवरेज में भी वृद्धि हो सकती है, जिसके परिणामस्वरूप प्री-एक्लेमप्सिया के प्रबंधन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना है और प्री-एक्लेमप्सिया से होने वाली मृत्यु दर और रुग्णता के वैश्विक बोझ में कमी लाने की दिशा में काम हो सकता है।

प्री-एक्लेमप्सिया का पता लगाने के लिए, 'पीएलजीएफ' बायोमार्कर का उपयोग करने वाले परीक्षण व्यापक रूप से उपयोग में हैं, क्योंकि सामान्य गर्भावस्था में बायोमार्कर 28 से 32 सप्ताह में चरम पर होता है, लेकिन प्री-एक्लेमप्सिया वाली महिलाओं के मामले में, गर्भावस्था के 28 सप्ताह के बाद यह 2 से 3 गुना कम हो जाता है।

प्रोफेसर वीवी राघवेंद्र साई ने कहा कि प्लेसेंटल ग्रोथ फैक्टर (पीएलजीएफ) एक एंजियोजेनिक रक्त बायोमार्कर है जिसका उपयोग प्री-एक्लेमप्सिया निदान के लिए किया जाता है। हमने पॉलीमेथिल मेथैक्रिलेट (पीएमएमए) आधारित यू-बेंट पॉलीमेरिक ऑप्टिकल फाइबर (पीओएफ) सेंसर जांच का उपयोग करके फेम्टोमोलर स्तर पर पीएलजीएफ का पता लगाने के लिए प्लास्मोनिक फाइबर ऑप्टिक एब्जॉर्बेंस बायोसेंसर (पी-एफएबी) तकनीक की स्थापना की है।

इस शोध दल द्वारा विकसित पीओएफ सेंसर जांच पी-एफएबी रणनीति का उपयोग करके 30 मिनट के भीतर पीएलजीएफ को माप सकती है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नैदानिक नमूना परीक्षण ने पी-एफएबी-आधारित पीओएफ सेंसर प्लेटफ़ॉर्म की सटीकता, विश्वसनीयता, विशिष्टता और संवेदनशीलता की पुष्टि की है, जिससे पीएलजीएफ का पता लगाने और प्री-एक्लेमप्सिया निदान के लिए इसकी क्षमता के लिए लागत प्रभावी तकनीक का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

अनुसंधान दल में आईआईटी मद्रास के एप्लाइड मैकेनिक्स और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर वीवी राघवेंद्र साईं और डॉ. रतन कुमार चौधरी, आईआईटी मद्रास के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के डॉ. नारायणन मादाबूसी, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के नैनोबायोटेक्नोलॉजी केंद्र के डॉ. जितेंद्र सतीजा, श्री नारायणी अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, वेल्लोर के श्री शक्ति अम्मा इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च के डॉ. बालाजी नंदगोपाल और डॉ. रामप्रसाद श्रीनिवासन शामिल थे।

वैवाहिक साइटों पर घोटालेबाजों का बोलबाला

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मैट्रिमोनियल साइट्स पर अपने जीवनसाथी की तलाश कर रही महिलाओं को निशाना बनाकर साइबर अपराधियों द्वारा की जाने वाली धोखाधड़ी में वृद्धि हुई है। हाल ही में हुई कुछ घटनाओं से पता चला है कि इन वेबसाइटों पर किए गए अचूक उपायों के वादे झूठे साबित हुए हैं और धोखेबाज़ अपने शिकार को निशाना बनाने के लिए उनका फायदा उठा रहे हैं।

साइबर जालसाज लोकप्रिय वैवाहिक मंचों पर फर्जी प्रोफाइल बना रहे हैं, संभावित साथी के रूप में पेश होकर बेखबर उपयोगकर्ताओं के साथ भावनात्मक संबंध बनाने की कोशिश कर रहे हैं। एक बार जब लक्ष्य, खास तौर पर महिलाओं के साथ भरोसा स्थापित हो जाता है, तो वे आपातकालीन स्थितियों का नाटक करते हैं या वित्तीय संकट का दावा करते हैं। इस प्रकार, वे पीड़ितों को धोखा देकर उनसे बड़ी रकम ट्रांसफर कर रहे हैं और उन्हें धोखा दे रहे हैं। वे अक्सर पीड़ितों को ब्लैकमेल करने और धमकी देने का भी सहारा लेते हैं। साइबर अपराध अधिकारियों का कहना है कि धोखेबाज अक्सर विश्वसनीयता हासिल करने के लिए विदेशों में काम करने वाले विभिन्न क्षेत्रों के सुशिक्षित पेशेवरों के रूप में पेश आते हैं।

साइबर क्राइम के एक अधिकारी ने कहा कि ये साइबर अपराधी अपनी रणनीति में माहिर हैं और बेहद भरोसेमंद हैं। वे वास्तव में जीवनसाथी की तलाश कर रहे लोगों की भावनात्मक कमज़ोरी का फ़ायदा उठाने में अनुभवी हैं। अधिकारियों ने विवाह साइटों के उपयोगकर्ताओं से सतर्क रहने, व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी साझा करने से बचने और किसी भी संदिग्ध व्यवहार की रिपोर्ट करने का अनुरोध किया। इस बीच, वैवाहिक प्लेटफार्मों को भी ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सत्यापन प्रक्रियाओं को मजबूत करने और उपयोगकर्ता जागरूकता में सुधार करने के लिए कहा गया है।

के. शशांक ने आयुक्त का कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के आदेशानुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के. शशांक ने सोमवार को एचजीसीएल (राज्य फ्लैगशिप परियोजना कार्यालय) कार्यालय में फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी के आयुक्त का कार्यभार संभाल लिया। रविवार को जारी आदेश के अनुसार आईएएस की भावी नगर विकास प्राधिकरण आयुक्त के रूप में नियुक्ति के मद्देनजर वर्तमान में राज्य फ्लैगशिप परियोजना आयुक्त के रूप में कार्यरत शशांक ने सोमवार को पद का कार्यभार संभाल लिया।

आदिवासी कला पर ग्रीष्मकालीन शिविर शुरू

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आदिम जाति कल्याण विभाग के सचिव डॉ.ए. शरत के आदेशानुसार सोमवार को हैदराबाद के मसाब टैंक स्थित जनजातीय सांस्कृतिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र संस्थान में स्कूली छात्रों के लिए आदिवासी कला पर ग्रीष्मकालीन शिविर शुरू हुआ। यह शिविर 7 मई तक जारी रहेगा। इसका उद्घाटन आदिवासी गुरुकुल संगठन की सचिव सीतालक्ष्मी ने किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्रीमती सीतालक्ष्मी ने कहा कि इस गर्मी में घर पर रहना और मोबाइल फोन का अधिक उपयोग करना स्वास्थ्य और दिमाग के लिए हानिकारक है।

दोनों ही जल्दी खराब होने वाली चीजें हैं, इसलिए यह हैदराबाद के निवासियों के लिए भी उपलब्ध है। इस आदिवासी कला ग्रीष्मकालीन शिविर को एक दुर्लभ अवसर के रूप में लेते हुए, हम आदिवासी कला और संस्कृति पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने जागरूकता और सशक्तिकरण बढ़ाने का आह्वान किया। इस कदर आदिवासी पहली बार हैदराबाद में आदिवासी कला पर ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने सांस्कृतिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान को बधाई दी। कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक सर्वेश्वर रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद ही आदिवासी कलाओं का विकास किया गया है। आदिवासी सहकारी समिति महाप्रबंधक सीताराम ने कंपनी द्वारा बाजार में लाये गये आदिवासी उत्पाद भोजन के विशेष मूल्यों के बारे में बताया और इसे छात्रों और अभिभावकों को सौंपा। जनजातीय शोध संस्थान के निदेशक ने कहा कि उज्ज्वल भविष्य आ रहा है। उन्होंने बताया कि आठ दिनों में छात्र कौन-कौन सी कलाएं सीखेंगे।

लुटेरों ने मवेशी व्यापारियों पर किया हमला

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात हयातनगर के कोहेड़ा में लुटेरों के एक समूह ने दो व्यक्तियों पर हमला कर दिया और उनसे 30 भेड़ें जबरन छीन लीं।

रिपोर्ट के अनुसार, नवीन नामक एक पुलिसकर्मी, जिसके पिता मवेशी व्यापारी हैं, सहित दो व्यक्ति भेड़ों को बाजार ले गए। आधी रात के आसपास जब वे सो रहे थे, तो कुछ लोग वहां आए और उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया और वहां से 30 भेड़ें लूटकर ले गए। नवीन और चरवाहा नामक एक अन्य व्यक्ति को चोटें आईं हैं और पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस इस संबंध में मामला दर्ज कर रही है।

CLASSIFIEDS

LOSS OF PASSPORT

I, ALLAMUDI ABHIJIT S/O. ALLAMUDI VENKATA SUBBA RAO R/O. H.NO. 1-3-183/40/13, SBI STAFF CLY, NEW BAKARAM, GANDHINAGAR, HYD. T.S. WHILE I AM SHIFTING MY HOUSE I LOST MY ORIGINAL PASSPORT BEARING NO: M9921033. IF ANY-ONE FOUND CONT: 9966156936.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

VARDHAMAN BANK

VARDHAMAN (MAHILA) CO-OPERATIVE URBAN BANK LIMITED

8-2-351/N/1, Nishant House, 3rd Floor, Road No.3, Banjara Hills, HYDERABAD - 500034

NOTICE

OPENING OF 12TH BRANCH – ATTAPUR

On 29th April, 2025,

At

3-3-76/123/9/12, Siri Malle Home, Hyderguda, Attapur, Rajendra Nagar, Hyderabad - 500 048. Ph 91542 11401

Date : 29-04-2025
Place : Hyderabad

By order of the Board
Chief Executive Officer

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 29 अप्रैल - 2025

निर्णायक और सटीक कदम

जबसे पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवादियों ने पहलगाम पर हमला कर 26 पर्यटकों की हत्या की है तभी से भारत ने उसे सबक सिखाने के लिए कई कडे कदम उठाए हैं। इनमें सबसे अहम है सिंधु जल समझौते को निलंबित करना। उल्लेखनीय है कि जब पडोसी देश ने उरी में आतंकी हमला कराया था तभी पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि सिंधु में जल और खून एक साथ नहीं बह सकते। लेकिन इस बार सरकार इसी इरादे से आगे बढ़ी है। इसके बाद भी जिस तरह से भारतीयों का खून खौल रहा है उससे लगता नहीं कि इतना ही काफी है। पुलवामा और पहलगाम जैसी घटनाओं से बचने के लिए, ज्यादा निर्णायक और सटीक कदम उठाने की जरूरत महसूस की जाने लगी है। इसके लिए जांच एजेंसियों ने अपना काम शुरू कर दिया है। इससे पाक हुक्मरानों में हडकंप है। पाकिस्तान ने पुलवामा अटैक का जवाब भारत ने बालाकोट के जरिए जिस तरह दिया था, उसके कल्पना मात्र से पाक नागरिक आज भी सिहर उठते हैं। समय बीतने के साथ एक बार फिर सीमा पार के उपद्रवी फिर भारत में आतंकवाद फैलान की हिम्मत कर रहे हैं तो इसका खामियाजा उन्हें भुगतना ही पडेगा। भारत ने आतंकियों तक पहुंचने वाली टेरर फंडिंग की सप्लाई चेन को काट दिया है, जिसे पाकिस्तान चालू रखे हुए था। इसलिए, वह पिछले कुछ साल से गंभीर आर्थिक संकट में फंसा हुआ है। उसकी गाड़ी आईएमएफ और कुछ सहयोगी देशों के कर्ज से किसी तरह चल रही है। इसके बाद भी वह आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंडिंग का जुगाड़ कर लेता है। अब भारत ने इसी फंडिंग को नेस्तनाबूत करने में जुट गया है। पाकिस्तान का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता चीन है। इस्लामाबाद अपने 81% हथियार पेइचिंग से लेता है। इसके बाद नंबर है अमेरिका का। इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल फिर भारत के खिलाफ किया जाता है। भारत को भी इस बारे में दोनों देशों के साथ स्पष्ट बात करनी चाहिए। 2019 का उदाहरण भी दुनिया के सामने है, जब अमेरिकी रोक के बावजूद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ एफ-16 का इस्तेमाल किया था। दुनिया को यह बताने की जरूरत है कि पाकिस्तानी सेना को दी गई एक भी गोली किसी टेरर कैंप में पहुंच सकती है। अमेरिका और भारत के करीबी रिश्ते से दुनिया वाकिफ है। चीन के साथ सीमा विवाद भले हो, लेकिन उसके और भारत के आर्थिक रिश्ते मजबूत हैं। 2024 में दोनों के बीच 118 अरब डॉलर से ज्यादा का व्यापार हुआ और इसमें पलड़ा चीन की तरफ झुका हुआ है। अमेरिका और चीन के लिए भारत सबसे मुफीद व्यापारिक केंद्र है। भारत को अपनी इस मजबूत आर्थिक हैसियत का फायदा उठाते हुए दोनों देशों को साफ-साफ बता देना चाहिए कि पाकिस्तान को अब और आर्थिक मदद पहुंचाया गया तो रिश्तों में दरार आ सकती है। इसी तरह की बातचीत खाडी देशों के साथ भी होनी चाहिए, जहां से इस्लामाबाद को आर्थिक मदद मिलती रहती है। पड़ोसी देश के छेड़े गए छद्म युद्ध से निपटने के लिए भारत को अपना रुख बेहद कड़ा करना होगा। इस दो टूक बातचीत में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए, कि जो देश पाकिस्तान को आर्थिक या सैन्य मदद देंगे, वे भारत का भरोसा खो देंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पंच परिवर्तन के निहितार्थ !

डॉ.बालमुकुंद पांडेय

आरएसएस की यह पहल ,संघ के चतुर्दिक दृष्टिकोण, व्यक्ति निर्माण,सांगठनिक उद्देश्य ,समाज निर्माण और राष्ट्र- राज्य निर्माण के प्रति अटूट विश्वास , श्रद्धा एवं अटूट प्रतिबद्धता का प्रतिफल एवं समाज में इसकी सकारात्मक उपादेयता का प्रतीक है । संघ इस वर्ष ,2025 में ' शताब्दी वर्ष ' मनाने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक पड़ाव के पहले, संघ ने व्यक्ति, समाज एवं संगठन में व्यापक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से पंच परिवर्तन की महत्वपूर्ण योजना प्रस्तुत की है।

इन पंच प्रत्ययों का उद्देश्य संघ के आंतरिक सांगठनिक चरित्र और कार्यशैली को मजबूत करना है, साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा ,सनातन धर्म और राष्ट्रीय सुरक्षा को अधिक मजबूत बनाना हैं। इसका उद्देश्य समाज में सामाजिक समरसता और अधिक सहभागितापूर्ण और राष्ट्र केंद्रित वातावरण बनाना है । यह पहल समसामयिक परिप्रेक्ष्य में अत्यधिक उपयोगी ,प्रासंगिक एवं महत्वपूर्ण है। वर्तमान में भारत विभिन्न सामाजिक ,आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मानना है कि उपर्युक्त ₹पंच परिवर्तन ₹इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में केंद्रीय भूमिका निभा सकता है।

इन प्रत्ययों के सहयोग से राष्ट्र की एकता एवं अखंडता का उन्नयन किया जा सकता है । इनके सहयोग से नागरिक समाज में नागरिक चारित्रिक सौहार्द एवं नागरिक समरसता को विकसित किया जा सकता है। संघ का मानना है कि प्रगतिशील राष्ट्र के लिए सामाजिक समरसता अनिवार्य है । जाति, धर्म, वंश और लिंग के आधार पर विभेदित कोई भी राष्ट्र राष्ट्रीय एकता, अक्षुण्णता , और आंतरिक सुरक्षा के स्तर पर विकास के मापांक को प्राप्त नहीं सकता है। सामाजिक समरसता से संघ का उद्देश्य सभी वर्गों में सामाजिक सदभाव ,स्नेह और सहयोग की भावना का उन्नयन करना है। इन प्रत्ययों की उपलब्धि के लिए विभिन्न समुदायों के मध्य संवाद और संपर्क को प्रोत्साहित करना होगा, संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करना होगा और सामाजिक भेदभाव के उन्मूलन के लिए जागरूकता अभियान चलाना होगा । स्वयंसेवकों को समाज के सभी वर्गों के साथ समान व्यवहार करने और उन वर्गों के कल्याण के लिए कार्य करने पर केंद्रित किया जाएगा। इस प्रयोजन का मौलिक उद्देश्य एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर मिले और कोई भी व्यक्ति भेदभाव का शिकार न हो। सामाजिक समरसता₹ भारतीय संस्कृति का मूल तत्व हैं और इसको पुनर्स्थापित करके भारत को वैश्विक गुरु की श्रेणी में स्थापित किया जा सकता है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामजी के द्वारा केवट को गले लगाना सामाजिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण हैं । सामाजिक समरसता के लिए आवश्यक है कि आचरण और व्यवहार में जीवन के आध्यात्मिक मूल्य प्रकट हो, जब समानता का भाव स्थापित होगा तभी समानता का भावना स्थापित होगा । समाज एक गत्यात्मक संस्था हैं ,जो शाश्वत प्रगति एवं बंधुत्व के पथ पर अग्रसर होकर अपने समस्त घटकों की खुशहाली सुनिश्चित करती है । समतापरक सुसंकृत समाज का निर्माण ,संचालन एवं अस्तित्व किसी व्यक्ति ,जाति, वर्ण या समुदाय विशेष के योगदान से नहीं होता है ।समाज की संपूर्णता एवं सजीवता के निमित्त प्रत्येक व्यक्ति की खुशहाली ,सहभागिता, एवं समर्पण अतिआवश्यक है चाहे वह किसी भी वर्ण, जाति एवं समुदाय का हो। समाज में समरसता के बिना बंधुत्व, सौहार्द ,और राष्ट्रीय एकता की कल्पना असंभव है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 'परिवार' को भारतीय संस्कृति, मूल्यों, आदर्शों ,और संस्कारों की आधारशिला मानता है । पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव और आधुनिक जीवनशैली के दबाव के कारण पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है । कुटुंब प्रबोधन के अंतर्गत संघ का उद्देश्य परिवारों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के प्रति सजग करना है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की बौखलाहट

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री मोदी की चेतावनी के बाद पाकस्तिान के नेताओं में बौखलाहट है. कोई परमाणु बम गरिाने की बात कर रहा है तो कोई भारत को खदेड़ने की धमकी तक दे रहा है. लेकिन सबसे ज्यादा बेचैन पाकस्तिान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ हैं. ख्वाजा आसिफ का स्काई न्यूज को दिया गया साक्षात्कार कश्मीर में जो कुछ हो रहा है, उसके संदर्भ में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'पूरे इतिहास में पाकिस्तान ने पश्चिम के लिए कई गंदे काम किए हैं। आसिफ ने अमेरिका और ब्रिटेन के लिए पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी प्रशिक्षण केंद्र चलाने के कारोबार का जिक्र करते हुए कहा, हम अब उसकी सजा काट रहे हैं। यही नहीं हर घंटे-उनके ऐसे-ऐसे बयान आ रहे हैं, जो उनकी बौखलाहट को साफ बयां करते हैं। अब उन्हें पुलवामा याद आ रहा है, लेकिन वे बालाकोट भूल गए। हम आपको पाकस्तिानी डिफेंस मिनस्टिर के लगातार अलग – अलग बयान बता रहे हैं, जिससे साफ हो जाएगा कि वो कतिने परेशान हैं। उन्होंने रविवार को कहा कि पूरा पाकिस्तान अपनी सेना के साथ एकजुट है। हम उसी तरह से कड़ा जवाब देंगे, जैसे हमने पुलवामा की घटना का जवाब दिया था। अगर चीजें बढ़ती हैं, तो कोई भी हमें रोक नहीं सकता है। हालांकि वे एटम बम की धमकी देना नहीं भूले। कह बैठे- अगर भारत पाकस्तिान में जंग हुई तो पूरी दुनयिा के लिए खतरा होगा।स्काई न्यूज को दिए इंटरव्यू में ख्वाजा आसिफ ने कहा, अगर भारत ने कोई बड़ा हमला किया, तो हम पूरी ताकत से जवाब देंगे। यह 'ऑल-आउट वॉर' की स्थिति बन सकती है। दुनिया को इस संभावित युद्ध से चिंतित होना चाहिए। उनका अगला बयान चेतावनी के रूप में था कि अगर भारत पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देता है, तो पाकिस्तान उसे इसकी कीमत चुकाने पर मजबूर करेगा।अलजजीरा को दिए इंटरव्यू में आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान को संदेह है कि यह हमला भारत द्वारा खुद को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया 'फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन' हो सकता है।एक इंटरव्यू में ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान ने लगभग 30 वर्षों तक अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए 'गंदा काम' किया, जिससे देश को आतंकवाद का सामना करना पड़ा।पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने दावा किया कि भारत के कई क्षेत्रों जैसे नागालैंड, मणिपुर, छत्तीसगढ़ और कश्मीर में विद्रोह चल रहा है, जो भारत सरकार के खिलाफ हैं। उनका बयान न तो पाप की स्वीकारोक्ति है और न ही पाप के लिए पश्चाताप करने वाला बयान है। आसिफ ने पश्चिमी देशों के हाथों अपने पापों को मापने के लिए साक्षात्कार के दौरान कहा। यहां तक कि अगर आप अब पाकिस्तान से बात कर रहे हैं, तो पाकिस्तान ने एक समय में आपके लिए बहुत कुछ किया है ... पाकिस्तान के रक्षा मंत्री आपको याद दिलाते हैं कि आपने (पश्चिम) क्या किया होता अगर पाकिस्तान ने वह नहीं किया होता जो उसने किया था। इसलिए उनके बयान में एक तरह का 'बताने' वाला लहजा है। इस पर टिप्पणी करने से पहले, यह समझना महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान ने इतिहास में पश्चिम के लिए जो किया है, उस पर फिर से विचार करके भारत अलग क्यों है। ज़रूरी। क्योंकि पाकिस्तान एक मॉडल है कि क्या होता है जब नीति निर्माताओं की धारणाएं सिर्फ एक भावना, घृणा के इर्द-गिर्द घूमती हैं। 1947 में अपनी स्थापना के बाद से, पाकिस्तान संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतीक रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत की सोवियत सद्भावना के विकल्प के रूप में शुरू से ही पाकिस्तान को अपनाया है, और पाकिस्तान एक राष्ट्र के रूप में एक स्वतंत्र इकाई के निर्माण को महत्व दिए बिना इस अमेरिकी दुविधा का पक्ष लेता रहा। बाद में, दिसंबर 1979 में सोवियत सेना के अफगानिस्तान में प्रवेश करने के बाद, पाकिस्तान अमेरिकी सेना का एक अघोषित आधार बन गया। वे पीछे हट गए और पाकिस्तान उस देश की धुन पर नाचता रहा। पाकिस्तान के जिया-उल-हक जैसे सैन्य राष्ट्रपति ने उस समय अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के वैतनिक सेवक की तरह काम किया। उस समय अफगानिस्तान में तैनात सोवियत सैनिकों को बड़ी संख्या में अफीम की लत में फंसाने के लिए अमेरिका ने कुटिल योजना बनाई और पाकिस्तान ने खुशी-खुशी उस पर अमल किया। यही कारण है कि जनरल जिया के स्विस बैंक लॉकर से सचमुच डॉलर बह रहे थे। स्पष्ट है कि इस गैर-जिम्मेदाराना नीति ने अंततः केवल अमेरिका और पाकिस्तान को प्रभावित किया क्योंकि उन देशों में अफीम की लत की संख्या में भारी वृद्धि हुई। फिर भी पाकिस्तानी नेतृत्व का इससे कोई लेना-देना नहीं था। बाद में पश्चिम एशिया के रेगिस्तान की उथल-पुथल में भी पाकिस्तान ने बिना किसी गंभीरता से विचार किए अमेरिका को लगातार आगे बढ़ाया और साथ ही धर्म के मुद्दे पर ओसामा बिन लादेन जैसों का संरक्षक भी बन गया। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान को बदले में कुछ नहीं मिल रहा था। लेकिन जो उपलब्ध था वह पाकिस्तानी नेतृत्व और सेना की जेब में जा रहा था। दुनिया की कई अन्य सेनाओं की तरह पाकिस्तान की सैन्य प्रणाली भी बेहद भ्रष्ट रही है, और कई अन्य सेनाओं की तरह, यह 'देशभक्ति', 'देश के लिए बलिदान' शब्दों के तहत अपने पापों को छिपाती रही है। इसलिए, जैसा कि ख्वाजा आसिफ कहते हैं, एक देश के रूप में पाकिस्तान को इतिहास के काले कारनामों से कोई फायदा नहीं हुआ है।

पहला उस समय के हमारे शासकों की दूरदर्शिता है। आज हमारी अंतरराष्ट्रीय ताकत का श्रेय निस्संदेह प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के तथाकथित सोवियत प्रेम को जाता है। ये आधे-अधूरे लोग नहीं जानते कि संयुक्त राज्य अमेरिका के तत्कालीन नेतृत्व की हठधर्मिता ने उन्हें सोवियत रूस की मदद लेने के लिए मजबूर किया। जहां तक कारखानों का संबंध है। आपको इसके लिए संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रौद्योगिकी से वंचित कर दिया गया था। आज भले ही अमेरिकी ग्रीन कार्ड लाखों भारतीयों की मुक्ति का रास्ता है, और उस देश में खुशहाली का आनंद लेते हुए भारत माता का प्यार इन अमेरिकी भारतीयों का गला धड़क रहा है, अमेरिका ने अक्सर भारत के साथ कठपुतली जैसा व्यवहार किया है। नतीजतन, पंडित नेहरू और फिर लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी ने अमेरिकी लूंडा के खिलाफ रूसी भूमि का रुख किया, जैसा कि 'लैंडासी और भिद्वा डू लुंड लाओ' की शक्तिशाली रामदासी कहावत में है। न तो हमारे पूर्ववर्ती संयुक्त राज्य अमेरिका और न ही सोवियत संघ के हाथों में गए। पॉइंट। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि हमारे विद्वान शासक नेहरू द्वारा निर्धारित मार्ग का अनुसरण करते प्रतीत होते हैं, प्रथम प्रधानमंत्री की महानता की पुष्टि की जा सकती है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई सभी मुद्दों पर कितना असहमत है, आर्थिक स्तर पर राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों का समर्थन करने से लेकर अंतरराष्ट्रीय तटस्थता तक, पं. इस तथ्य को छिपाना मुश्किल है कि हम अभी तक नेहरू की नीतियों से खुद को दूर नहीं कर पाए हैं, ताकि हमारे शासकों के लिए अपने पूर्ववर्तियों की गलतियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार करने का समय न आ गया हो। इसके लिए, विद्वान शासक निश्चित रूप से पंडित नेहरू और अन्य लोगों के ऋणी होंगे। वे उन्हें स्वीकार करने की इच्छा दिखाने के लिए पर्याप्त कृतघ्न नहीं हैं।

और साथ ही, यह भी उतना ही सराहनीय है कि हमारे पूर्व नेतृत्व ने कभी भी कट्टरपंथियों को पाकिस्तानी शासकों की तरह सिर पर नहीं बैठने दिया। आज पाकिस्तान की हालत का मुख्य कारण यह है कि देश कभी भी धर्म या राजशाही के बीच की प्राथमिकताओं को तय नहीं कर सका; यह इतिहास है कि अमेरिका ने सोवियत रूस के खिलाफ पाकिस्तान को अपने पक्ष में खींचने के लिए बड़ी चतुराई से धर्म का इस्तेमाल किया। अमेरिका ने सऊदी अरब से लेकर पाकिस्तान तक कई इस्लामिक देशों से अपील की है कि वे धर्म में विश्वास न रखने वाले कम्युनिस्टों को रोकने में हमारा समर्थन करें।

सिंधु संधि पर भारत का कूटनीतिक रुख

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

23 अप्रैल को पहलगांव में आतंकी हमले में 28 पर्यटकों की हत्या के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। भारत ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराते हुए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की बैठक के बाद 65 वर्ष पुराना सिंधु जल समझौता निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही अटारी चेक पोस्ट बंद करने, पाक नागरिकों के लिए सार्क वीजा छूट योजना रद्द करने, वीजाधारकों को भारत छोड़ने के निर्देश देने और पाकिस्तानी उच्चायोग के सैन्य सलाहकारों को निष्कासित करने का निर्णय लिया गया। इस्लामाबाद उच्चायोग के स्टाफ में कटौती की गई। भारत द्वारा सिंधु नदी समझौते को स्थगित करने की घोषणा के बाद से ही पाकिस्तान में मातम का माहौल है और पाकिस्तान लगातार इसको अन्तर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बता रहा है। अब प्रश्न यह उठता है कि भारत इस पानी को कैसे रोकेगा। भारत द्वारा उठाए गए इस कदम का पाकिस्तान पर क्या प्रभाव पड़ेगा। क्या इस कदम से भारत को कानूनी तौर पर कोई परेशानी होगी। इन सारे सवालों की पड़ताल करने के पहले यह जानना जरूरी है कि सिंधु नदी समझौता क्या है। सिंधु नदी समझौते पर विश्व बैंक की मध्यस्थता से 19 सितम्बर 1960 को कराची में भारत के प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के द्वारा हस्ताक्षर किया गया।

यह समझौता नदियों के साझा प्रबंधन हेतु था। इस समझौते के अनुसार सिंधु और उसकी सहायक नदियों को दो हिस्से में बांटा गया। पूर्वी नदियों सतलज, व्यास एवं रावी पर भारत का पूरा नियंत्रण होगा जबकि पश्चिमी नदियों क्रमशः सिंधु, झेलम एवं चिनाब नदियों पर भारत का कुछ ही नियंत्रण होगा। इस पर भारत अपनी कृषि एवं ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से छोटे प्रोजेक्ट बनाने का अधिकारी है। शेष पानी उसे पाकिस्तान के लिए छोड़ना होगा। पूर्वी नदियों का वार्षिक प्रवाह 33 बिलियन एकड़ फुट है जबकि पश्चिमी नदियों का वार्षिक प्रवाह इससे लगभग चार गुना 135 बिलियन एकड़ फुट है। मोटे तौर पर देखें तो इस जल प्रवाह का 80 प्रतिशत पाकिस्तान को और 20 फीसदी भारत को मिलता है। इस समझौते में यह भी निश्चित हुआ कि दोनों देश एक दूसरे को नदी के प्रवाह और बांधों की जानकारी देंगे। इस हेतु एक स्थायी सिंधु आयोग बनाया गया जिसमें दोनों देशों के एक- एक सदस्य हैं। तकरीबन 65 साल बाद भारत ने कूटनीतिक तौर पर इस संधि को स्थगित करने का फैसला किया है। वह इसे कुछ समय के लिए स्थगित कर रहा है।

24 अप्रैल को भारत ने औपचारिक तौर पर इस संधि से एकतरफा हटने की सूचना पाकिस्तान को अधिकृत तौर पर दे दी। पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय के सचिव को लिखे पत्र में इसके कारणों को स्पष्ट करते हुए कहा गया कि कोई भी संधि तभी जारी रह सकती है जबकि उसके प्रति अच्छी नीयत रखी जाए। चूंकि पाकिस्तान की तरफ से अनवरत आतंकवादी गतिविधियां जारी हैं। अतः भारत यह कदम उठा रहा है। साथ ही इसकी जानकारी विश्व बैंक को भी दी गई है। भारत के जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने गृह मंत्री अमित शाह के साथ जलशक्ति मंत्रालय की हुई बैठक के बाद सिंधु नदी के पानी के रोकने के मास्टर प्लान के विषय में बताया। इस संदर्भ में बताया गया कि यह योजना त्रिस्तरीय होगी- पहला शार्ट टर्म जो पूरी तरह से 2-3 वर्षों में काम करने लगेगा. इसके जरिए 5 से 10 प्रतिशत पानी रोका जा सकता है। दूसरा मीडियम टर्म यह 5-6 वर्षों में काम कारने लगेगा।

इसके माध्यम से 15-20 प्रतिशत पानी को रोक जा सकता है. तीसरा और अंतिम प्लान है लॉंग टर्म इसके तहत 30-40 फीसदी पानी रोका जाएगा। इन तीनों प्लानों में क्रमशः 1. पहले से बने परियोजनाओं की क्षमता बढ़ाना होगा 2. नवीनतम परियोजनाओं को संरचित करना होगा जैसे नहरों का संजाल बिछाना और 3. दो नदियों को जोड़ना जैसे सिंधु को गंगा नदी से जोड़ना। दूसरी और तीसरी परियोजना अत्यंत खर्चीली हैं और अभी से काम करने पर लगभग 10 वर्ष लग जाएगा। अब सवाल यह है कि अभी भारत क्या कर सकता है, तो इसका उत्तर है फिलहाल वह आंशिक तौर पर प्रभाव डाल सकता है। चूंकि अब जब भारत इस संधि से दीर्घ काल के लिए पीछे हट गया है तो अब भारत को डेटा शेयर नही करना होगा। अतः वह इसका इस्तेमाल करके प्रतिकूल मौसम में फायदा उठा सकता है। साथ ही अब भारत बड़ी परियोजनाओं को बना सकता है। वह पहले से स्थापित परियोजनाओं की क्षमता भी बढा सकता है। इससे पाकिस्तान की कृषि, पनबिजली एवं दैनिक उपयोग के पानी की किल्लत होगी और इसका असर उसकी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। अब यह भी प्रश्न उठता है कि क्या इस संधि को स्थगित करने का भारत पर कोई कानूनी प्रभाव पड़ेगा तो इसका उत्तर है इसका आंशिक असर पड़ सकता है।

वस्तुतः इस संधि के अनुच्छेद 12 में कहा गया है कि यह संधि तब तक खत्म नही होगी जब तक दोनों देश खत्म ना कर दें परंतु वियना कन्वेन्शन ऑन ट्रीटीज की धारा 66 यह कहती है कि कोई भी संप्रभु राष्ट्र किसी भी अंतर्राष्ट्रीय संधि से हट सकता है. निकलने के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में जाना होगा परन्तु अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में यह भी उपबंध है कि जो समस्या राष्ट्रमण्डल देशों की है, उसमें वे स्वतंत्र है कि वे चाहें तो अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में जाएं अथवा ना जाएं। धारा 66 यह भी कहती है कि एक वर्ष पूर्व सूचना देनी होगी। भारत एक वर्ष पूर्व ही इस संधि को नए सिरे से करने हेतु पाकिस्तान को सूचित कर चुका है। इस तरह से स्पष्ट है कि इस संधि से पीछे हटकर भारत कूटनीतिक तौर पर पाकिस्तान पर दबाव बनाने में सफल हो गया है। यह सत्य है कि पूरा पानी रोक पाना फिलहाल असंभव दिखलायी पड़ता है लेकिन अगले एक दशक में इस पर काम किया जा सकता है। साथ ही पहले से बनी परियोजनाओं और नहरों की मरम्मत करना होगा, उनकी क्षमता को यथाशीघ्र बढ़ाना होगा।

इसका असर अभी से देखने को मिलने लगा है। भारत ने बिना पाकिस्तान को बताए झेलम नदी का पानी छोड़ दिया जिससे मुजफ्फराबाद जिले में बाढ़ जैसी स्थिति आ गई है। निःसंदेह भारत की घोषणा मात्र से पाकिस्तान में डर का माहौल है। यही कारण है कि पाकिस्तान के सियासतदाँ के द्वारा उलटे-सीधे बयान दिए जा रहे हैं। भारत सरकार और उनके थिंक टैंक को लगातार इस पर नज़र रखने की जरूरत है क्योंकि अब समय हार्ड पवार डिप्लोमेसी का है, साफ्ट पवार डिप्लोमेसी का नही।

गगनकुसुम है नींद दोपहर की

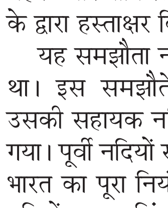

डॉ टी महादेव राव

मो बा इ ल नंबर इन क्रूरों को कहां से मिल जाता है पता नहीं। दोपहर को जब भरपेट खाने के बाद संसद और विधान सभा में नेताओं की तरह झपकी लेने का मौका आता है तो ये दुष्ट कॉल करते हैं।

आपको हम लोन देना चाहते हैं। क्या आप लेंगे। ऐसा पूछता है बन्दा जैसे शादी के लिए लड़की दे रहा है। अपने लोन का बखान भी बिल्कुल लड़की के गुणों और सुंदरता की तरह करके दुविधा में डाल देता है। जब कहो कोई दिलचस्पी नहीं तो फोन काटकर तुरत फोन करता है कि भविष्य में जरूरत हो तो हमें फोन करें उधारचंद मेरा नाम और फोन नंबर बताता है। नींद के आगोश में जाने की कोशिशों में एक और फोन आ जाता है। आपको समुद्र से दो सौ फीट की दूरी पर बना बहुत अच्छा फ्लैट लीजिए। प्राकृतिक सौंदर्य और खुली हवा का आनंद प्राप्त कीजिए। दाम भी बिल्कुल वाजिब है। डेढ़ करोड़। मैं पूछता हूं आजकल समुद्र बड़ी तेजी से जमीन की तरफ आ रहा है। ऐसे में दो सौ मीटर की दूरी पर बना घर सुरक्षित होगा क्योंकि हाल ही में समुद्र चालीस फीट जमीन की तरफ आ गया है अगर ऐसा तो चार-पांच बार हुआ तो जो घर बताया जा रहा है वह तो डूब जाएगा तब आप क्या करोगे?

आप इंश्योरेंस लेंगे न? उसके हिसाब से उसका भुगतान भी हो जाएगा। मतलब आप कुछ नहीं कर पाओगे अगर आप इस घर की दस पंद्रह साल की गारंटी लेते हो तो कोई बात नहीं।

हम कैसे गारंटी ले सकते हैं। आपके घर लेने के बाद उसका इंश्योरेंस करना होगा और जब कुछ हो जाता है, जब कोई घटना घटती है तो बीमा कंपनी से आपका खामियाजा वसूल कर सकते हैं। मैंने फोन काट दिया। उसने फिर फोन किया। मैने काटा और ब्लैक लिस्ट में डाल दिया।

सोने ही जा रहा था कि फोन बज उठा। सर आपको हम लोन देना चाहते हैं। मैं बीच में ही बोल पड़ा वापस न करने वाली राशि कुछ दे सकते हो तो दो। मुझे लोन शब्द सूट नहीं करता। आपको क्या लगता है कि हम खैरात बांटने बैठे हैं? जब लूटना ही है तो इस समय फोन करके मुझे परेशान करने की जरूरत क्या है? आइंदा फोन मत करना मूर्ख कहीं के। मुझे मूर्ख तो सिर्फ मेरा बॉस कहता है। आपको कैसे पता चला? निर्लज्ज मेरा मतलब बेशरम आदमी। कोई दो सेकंड बात कर ले तो पता चलेगा कि मूरख हो। उसने फोन काट दिया।

मैं फोन ऑफ करके सो गया। अचानक लगा कोई दरवाजा खटखटा रहा है, कॉलिंग बेल होने के बावजूद। मैंने सोचा कोई इमरजेंसी होगी। जाकर दरवाजा खोला। दो युवा खड़े थे। बड़े बड़े शब्दकोश हाथ में लिए हुए। मैंने पूछा दरवाजा क्यों खटखटाया? कॉलिंग बेल दबाते तो आप डिस्टर्ब होते। अभी क्या मैं बड़ा प्रसन्न हूं। डिस्टर्ब नहीं किया तुम लोगों ने? मुझे डिक्शनरी वगैरह नहीं खरीदनी है। निकलो और फिर मत आना।

आतंकियों के 'मजहब' पर वामपंथियों की मुहर

राकेश सैन

हर आतंकी हमले के बाद रटा रटाया झूठ परोसा जाता रहा है कि 'आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता।' झूठ की इस विषैली खिचड़ी के रसोईये हैं देश के सेक्युलरवादी, जो बड़ी चतुराई से अपने वोट बैंक को बचाने का प्रयास करते हैं परन्तु पहलगांव में हिन्दू धर्म पूछ, पेंट उतरवा खतना चेक करके व कलमा पढ़वा कर हुई आतंकियों की आदमखोर हरकत ने आतंक का भी धर्म होता है, की सच्चाई को दिन के उजाले की तरह इतना साफ कर दिया है कि अब इनके वकील सेक्युलरवादी भी अप्रत्यक्ष रूप से बता रहे हैं कि 'आतंक का धर्म' होता है। सेक्युलरों विशेषकर वामपंथियों से जिस तरीके से इस हमले के पीछे देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ पनपे काल्पनिक वैमनस्य का कारण बताना शुरु किया है ,उससे कुछ और हो न हो परन्तु इन मार्क्सपुत्रों की वैचारिक हार दुनिया के सामने आ गई है। चाहे दिखावे के लिए ही सही, वामपंथी पहलगांव में जिहादी हमले की निन्दा तो कर रहे हैं परन्तु इसके पीछे देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ फैली काल्पनिक वैर की भावना को कारण बताने की कोशिश कर रहे हैं। केवल इतना ही नहीं बल्कि पुलवामा व छत्तीसिंहपुरा में हुए आतंकी हमलों के पीछे सरकार को ही कटघरे में रख पहलगांव के ताजा हमले के पीछे सरकार को ही जिम्मेवार ठहराने की कुचेष्टा कर रहे हैं। वैसे यह कोई पहला अवसर नहीं जब सेक्युलरवादियों विशेषकर वामपंथियों ने हिन्दू समाज का काल्पनिक भय दिखा कर आतंकी हमलों को न्यायोचित ठहराने का प्रयास किया हो। इन्हीं लोगों ने 1993 में हुए मुम्बई बम धमाकों के पीछे बाबरी मस्जिद के विध्वंस, गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस जलाए जाने को दुर्घटना, मुम्बई में हुए आतंकी हमले के पीछे आरएसएस का हाथ होना बताया था परन्तु सभी जानते हैं कि समय बीतने के बाद विदेशी विचारधारा से लैस इन वामपंथियों के नैरेटिव झूठे पाए गए। जहां तक पहलगांव हमले की बात करें तो, 22 अप्रैल 2025 की तारीख पहलगाम की घाटी में गूंजती चीखों और बारूद की गंध के साथ दर्ज हुई। पहलगाम का बैसरन, जहां कई परिवार अपने बच्चों संग छुट्टियां मना रहे थे, कुछ ही पलों में लाशों का मैदान बन गया। हिन्दू हो या नहीं, यह पूछकर हत्याएं की गईं। एक मासूम अपने पिता की लाश से चिपका रोता रहा, एक नवविवाहिता पति को बचाने की गुहार लगाती रही, आतंकियों ने कहा, जाओ, मोदी को बताना। यह हमला एक बार फिर हमारी आंखें खोलने के लिए पर्याप्त है। आतंकियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर, खतना की पहचान कर निर्दोष हिंदुओं की निर्मम हत्या की। यह दृश्य किसी औरंगजेबकालीन दमन का नहीं, बल्कि 2025 के भारत का है। यह हमला घृणित मजहबी मानसिकता के चलते किया गया। वह मानसिकता जो काफिरों को जीने लायक नहीं समझती। पहलगाम का सत्य यह है कि यह आतंकी हमला होने पर भी एक वैचारिक युद्ध का चेहरा ही है। ऐसे दुस्साहसपूर्ण हमले यह स्पष्ट करते हैं कि आतंकी केवल बंदूक से नहीं लड़ रहे, वे विचारधारा के अस्त्र से एक संगठित वैश्विक संघर्ष चला रहे हैं जिसे हम केवल सीमित घटना समझने की भूल कर रहे हैं। आज हमारे पास यह न मानने का कोई कारण नहीं कि जिहाद केवल आतंक नहीं, बल्कि पूरी मानवता के विरुद्ध एक सभ्यतागत संघर्ष है। पहलगाम का हमला न तो आकस्मिक है, न ही अलग-थलग। यह इस्लामी जिहाद के उस सुनियोजित एजेंडे का हिस्सा है जो हिंदुत्व और भारत की सांस्कृतिक आत्मा को मिटाने के उद्देश्य से वैश्विक समर्थन और स्थानीय सहानुभूति के सहारे कार्य कर रहा है। इस्लाम के कुछ मध्ययुगीन ग्रंथों और व्याख्याओं में 'काफिर' के प्रति जो दृष्टिकोण मिलता है, वह मित्रता नहीं, घृणा, बहिष्कार और अंततः हत्या तक की स्वीकृति प्रदान करता है। यह केवल मजहबी आग्रह नहीं, राजनीतिक इस्लाम का वह संस्करण है जिसने मजहब को एक सैन्य अभियान में बदल दिया है। ऐसे अभियानों का समय बेहद सोच समझकर चुना जाता है। फिर उसके अनुसार ही उन्हें क्रियान्वित किया जाता है। फिर गढ़ा जाता है अलगाववाद का, मुसलमानों पर अत्याचार किए जाने का झूठा विमर्श। अलग-अलग समय पर, अलग-अलग तरीके से इन अभियानों को चलाया जाता है। इसके बाद देश और विदेश में इन कट्टरपंथियों का हमदर्द बनकर बैठी वामपंथी बिग्रेड सक्रिय हो जाती है। वह अपनी पूरी ताकत झोंक देती है एक झूठा विमर्श खड़ा करने में। भारत के लिए असली चुनौती बंदूकधारी आतंकियों से नहीं, बल्कि कलमधारी हमदर्दों से है, जो हर आतंकी कृत्य को घटना का जामा पहनाते हैं, कट्टरपंथ के खिलाफ कार्रवाई को फासीवाद बताते हैं और न्यायपालिका के मंच से आतंक के खिलाफ कार्रवाई को उलझाते हैं। यह गठजोड़ केवल सरकार से नहीं, बल्कि भारत की सभ्यतागत सोच से युद्ध में लिप्त है। अब फिर से बात करते हैं सेक्युलरवादियों की जो पहलगांव हमले की ऊपरी मन से निंदा करते हुए इसके पीछे हिन्दू समाज, भारत सरकार को कटघरे में खड़े करना चाहती है।

फरसा धारक परशुराम

29 अप्रैल 2025 का शुभ मुहूर्त
सूर्योदय- प्रातः काल 5 बजकर 58 मिनट
ब्रह्म मुहूर्त- प्रातः काल 04 बजकर 21 मिनट से लेकर सुबह 05 बजकर 09 मिनट तक
अमृत काल- दोपहर 04 बजकर 39 मिनट से लेकर शाम 06 बजकर 04 मिनट तक
अभिजीत मुहूर्त- सुबह 11 बजकर 58 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 49 मिनट तक

भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं। उनका जन्म महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के पुत्र के रूप में हुआ था। परशुराम का अर्थ है 'फरसा धारण करने वाला राम। उन्होंने अधर्म का नाश करने के लिए 21 बार क्षत्रियों का संहार किया। परशुराम को अमर माना जाता है और यह विश्वास है कि वे कलियुग के अंत में भगवान कल्कि को युद्ध की शिक्षा देंगे। भगवान परशुराम को शक्ति, न्याय और धर्म के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। उन्हें भगवान शिव से विशेष अस्त्र फरसा प्राप्त हुआ था, जिसके कारण उनका नाम परशुराम पड़ा। परशुराम जयंती, के दिन भक्त उपवास रखते हैं, भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना करते हैं और उनकी कथाओं का पाठ करते हैं। कई स्थानों पर शोभा यात्राएं भी निकाली जाती हैं। यह दिन नए कार्यों की शुरुआत और दान-पुण्य के लिए भी बहुत ही शुभ माना जाता है।

पंचांग के अनुसार, पंचांग के अनुसार, वैशाख शुक्ल तृतीया तिथि 29 अप्रैल, 2025 को शाम 5 बजकर 31 मिनट पर शुरू होगी और 30 अप्रैल, 2025 को दोपहर 2 बजकर 12 मिनट पर समाप्त होगी। चूंकि भगवान परशुराम का जन्म प्रदोष काल में हुआ था,

परशुराम जयंती की पूजा विधि

परशुराम जयंती के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें। शुद्ध वस्त्र धारण कर भगवान परशुराम का ध्यान करते हुए व्रत और पूजा का संकल्प लें। इस दिन व्रत रखने की परंपरा है। फिर जल से भरा कलश, फूल, अक्षत, रोली, दीपक, गंगाजल, चंदन, तुलसी पत्र, नारियल, मिठाई, पंचामृत आदि तैयार करें। घर के मंदिर में या साफ स्थान पर परशुराम जी की मूर्ति या चित्र स्थापित करें। दीप जलाकर पूजन आरंभ करें। भगवान विष्णु या परशुराम जी के मंत्रों का जाप करें और आचमन, स्नान, वस्त्र, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य आदि अर्पण करें। आखिर में भगवान परशुराम और भगवान विष्णु की आरती करें। अपनी क्षमतानुसार ब्राह्मणों या जरूरतमंदों को दान करें। इस दिन अन्न, वस्त्र, तांबा और चंदन का दान विशेष रूप से शुभ माना जाता है।

परशुराम जयंती पूजा विधि

29 अप्रैल के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें। इस समय जगत के पालनहार भगवान विष्णु को ध्यान कर दिन की शुरुआत करें। इसके बाद घर की साफ-सफाई कर गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। अब पीले रंग का वस्त्र धारण करें। इसके बाद सूर्य देव को जल का अर्घ्य दें।

सूर्य देव को जल अर्पित करने के बाद विधि-विधान से भगवान परशुराम की पूजा करें। वहीं, प्रदोष काल में भी भगवान परशुराम की पूजा करें। दिन भर उपवास रखें। शाम में पूजा के बाद फलाहार करें।

भगवान परशुराम को प्रसन्न करने के उपाय

पहला उपाय है भगवान परशुराम के सामने घी का दीपक जलाएं। ऐसा करने वाले भक्त को यश, प्रतिष्ठा कीर्ति की प्राप्ति होती है।दूसरा उपाय है कमल का फूल लेकर उनके चरणों में अर्पित करें,जिस तरह से कमल का फूल लंबा चौड़ा होकर खिलता है, वैसे ही उनका मान सम्मान और जीवन खिलेगा, यश कीर्ति बढ़ेगी।तीसरा उपाय है परशुराम जयंती के दिन प्रातः कालीन स्नान करके सभी अपने घर परिवार के साथ जाकर उनके चरणों में प्रणाम करें और लेटकर हाथ जोड़कर प्रार्थना करें कि हमारे जो भी कार्य रुके हुए हैं हे भगवान इन्हें पूर्ण करें तो वो कार्य पूर्ण होते हैं।चौथा उपाय है परशुराम जयंती के दिन कोई भी कार्य व्यवसाय हो, दुकान हो, विवाह हो उस दिन सभी शुभ कार्य खुले रहते हैं क्योंकि अक्षय तृतीया को बहुत ही शुभ दिन माना गया है। उस दिन कोई भी नया पुराना काम करना बहुत शुभ होता है, हजार गुना लाभ ही लाभ होता है।पांचवां उपाय है परशुराम जयंती के दिन फल है, अन्न है, घड़ा है, जल है, वस्त्र है, सत्तू है, आम है, इन चीजों का किसी मंदिर में किसी गरीब को या किसी ब्राह्मण को या पुजारी को दान करें, ऐसा करने से बहुत लाभ ही लाभ होगा।

छठवां उपाय है परशुराम जयंती के दिन जो व्यक्ति ग्लास में पानी लेकर आता है या पानी में नींबू मिलाकर लोगों को पिलाता है तो और भी पुण्य मिलता है। इस तरह से पानी पिलाने से कभी किसी तरह के रोग का कोई संचार नहीं होता जातक निरोगी रहता है।

सातवां उपाय है परशुराम जयंती के दिन जो भी व्यक्ति भगवान परशुराम के लिए पकवान बनाता है, पकवान को थाली में सजाकर परशुराम जी के सामने भोग लगाता है, तो उससे लाभ ही लाभ होता है।

राम गोपाल चौधरी

आज से 3 राशियों का गोल्डन टाइम शुरू, गुरु की राशि में चंद्र गोचर

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों और राशि का खास संबंध होता है। ऐसे में ग्रहों के किसी तरह के परिवर्तन से सभी राशियों पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सबसे से तेज गति के साथ राशि परिवर्तन के लिए चंद्र ग्रह जाने जाते हैं। मन और स्त्री के कारक ग्रह चंद्र किसी भी राशि में सवा दो दिन के लिए ही रहते हैं। द्रिक पंचांग के अनुसार 29 अप्रैल मंगलवार को तड़के सुबह 2 बजकर 53 मिनट पर वृषभ राशि में चंद्र गोचर करेंगे। आइए जानते हैं किन 3 राशियों की किस्मत चमक सकती है।

वृषभ राशि में चंद्र गोचर लाभदायक रहेगा। नौकरीपेशा लोगों का प्रमोशन हो सकता है। आय वृद्धि के भी योग बनेंगे। घर में सुख और शांति का वास होगा। घर वालों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। व्यापार को बढ़ाने के लिए नई योजना बनाएंगे और उसमें सफल भी हो सकेंगे। करियर में सफलता हासिल हो सकती है।

तुला राशि तुला राशि के जातकों के लिए समय अच्छा रहेगा। मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में उन्नति हो सकती है। धन वृद्धि के योग बनेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। बाहर यात्रा पर जा सकते हैं। पैसों से संबंधित लाभ हो सकते हैं। मेहनत का उचित फल प्राप्त हो सकेगा। व्यापार में वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों की आय वृद्धि हो सकती है।

मीन राशि मीन राशि के जातकों के लिए चंद्र गोचर फलदायक रहेगा। जीवन में सकारात्मक बदलाव होंगे। निवेश से जुड़े लाभ होंगे। रिश्ते मजबूत होंगे। आपसी मतभेद दूर हो सकेंगे। पार्टनरशिप में किया गया काम फलदायक साबित हो सकता है। कला और संगीत में रुचि बढ़ सकती है। आर्थिक स्थिति में मजबूती होगी। समय में बदलाव होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

पुस्तकें देती हैं आशावादिता और उमंग
जीवन में नए प्रयोग के लिए जरूरी हैं ग्रंथ

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए हम जीवन में नए प्रयोग कब कर पाते हैं? पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र होती हैं। पुस्तकों से हमें प्रेरणाएं मिलती हैं। पुस्तकें हमें साहस, शक्ति, कुछ अच्छा करने के लिए बल, विवेक, ऊर्जा देती हैं। हमारे मन में आशावादिता, उत्साह, उमंग पुस्तकें पैदा करती हैं। जीवन की नीरसता दूर करना चाहते हैं तो ग्रंथों से जुड़ें। अच्छी पुस्तकें और ग्रंथ हमारे भीतर नवीन संकल्पों को जागृत करते हैं।

परशुराम और कर्ण की कथा की सीख

झूठ बोलकर हासिल की गई विद्या लंबे समय तक साथ नहीं देती है

बुधवार, 30 अप्रैल को वैशाख शुक्ल तृतीया यानी अक्षय तृतीया है। यह दिन न केवल शुभ कार्यों के लिए जाना जाता है, बल्कि भगवान विष्णु के छठे अवतार, परशुराम के जन्मोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। इस अवसर पर महाभारत काल की एक प्रेरक कथा हमें जीवन प्रबंधन का एक गहरा संदेश देती है।

कथा है कि कर्ण, जो जन्म से कुंती पुत्र था, लेकिन पालन-पोषण सूत अधिरथ और राधा ने किया था, एक महान योद्धा बनना चाहता था। परशुराम से अस्त्र-शस्त्र की विद्या सीखने का उसका संकल्प अटल था, लेकिन उसे यह भी पता था कि परशुराम केवल ब्राह्मणों को ही युद्ध विद्या सिखाते हैं। इसलिए कर्ण ने ब्राह्मण होने का झूठ बोलकर परशुराम से दीक्षा ली।

कर्ण ने पूरी श्रद्धा और लगन से विद्याभ्यास किया। एक दिन, जब परशुराम उसकी गोद में सिर रखकर विश्राम कर रहे थे, एक कीड़ा आकर कर्ण की जांघ में डंक मारने लगा। कर्ण ने अत्यधिक पीड़ा सहन की, लेकिन गुरु की नींद में विघ्न न पड़े, इसलिए हिला तक नहीं। जब रक्त की धार ने परशुराम को जगा दिया। परशुराम ने देखा कि कर्ण की जांघ पर कीड़े ने डंक मारे है, कर्ण को असहनीय पीड़ा भी हो रही थी, लेकिन उसने ये पीड़ा सहन कर ली, ताकि गुरु की नींद में बाधा न पड़े। ये देखकर परशुराम समझ गए कि कर्ण ब्राह्मण नहीं है, क्योंकि कोई ब्राह्मण इतनी पीड़ा इस तरह सहन नहीं कर सकता था।

उन्होंने कर्ण से सच्चाई पूछी। कर्ण ने अपना झूठ स्वीकार कर लिया। परशुराम, जो सत्य के प्रतीक माने जाते हैं, क्रोधित हुए और कर्ण को शाप दिया कि जब सबसे अधिक आवश्यकता होगी, तब वह अपने दिव्यास्त्रों के प्रयोग की विधि भूल जाएगा। यही शाप महाभारत युद्ध के निर्णायक समय में कर्ण के पतन का कारण बना।

जीवन प्रबंधन के महत्वपूर्ण सूत्र

ईमानदारी सबसे बड़ी पूंजी है: विद्या प्राप्ति हो या कोई भी लक्ष्य, यदि नींव झूठ पर रखी जाए, तो सफलता स्थायी नहीं रहती।

लक्ष्य पाने की लगन अच्छी है, लेकिन साधन भी शुद्ध होने चाहिए: किसी भी उद्देश्य के लिए सही मार्ग चुनना उतना ही आवश्यक है जितना कि स्वयं उद्देश्य।

धैर्य और सेवा का महत्व: कर्ण ने दर्द सहते हुए भी अपने गुरु की सेवा को प्राथमिकता दी, जो उसकी चरित्र की उच्चता को दर्शाता है। सेवा और समर्पण जीवन में बड़ी शक्ति देते हैं।

कर्मफल अटल है: गलत साधनों से अर्जित ज्ञान भी समय आने पर साथ छोड़ सकता है। इसलिए अपने कर्मों में शुद्धता आवश्यक है।

अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसरों पर हमें यह आत्मचिंतन करना चाहिए कि हमारे कार्य, हमारे उद्देश्य और हमारा मार्ग कितना शुद्ध है। जब हम सत्य, सेवा और समर्पण के साथ आगे बढ़ते हैं, तभी सफलता भी अक्षय बनती है यानी कभी न समाप्त होने वाली।

27 साल बाद शनि और शुक्र ग्रह एक ही नक्षत्र में

कर्क समेत इन 4 राशियों के जीवन में आने वाला है भयंकर तूफान

शनि ग्रह 28 अप्रैल को उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में गोचर कर चुके हैं और इस नक्षत्र के देवता स्वयं शनिदेव हैं। उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में शनिदेव से पहले शुक्र ग्रह गोचर कर चुके हैं, इस तरह एक नक्षत्र में शनि और शुक्र ग्रह की युति बन रही है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, शनि 27 साल बाद उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में गोचर किए हैं क्योंकि शनि को सभी ग्रहों में सबसे धीमी गति से चलते हैं और इस नक्षत्र में आकर शनि का मिलन शुक्र ग्रह से हो रहा है, जो 4 राशियों की जिंदगी में उथल पुथल मचा सकते हैं। शनि की जब भी चाल बदलती है तब उसका प्रभाव देश दुनिया समेत सभी 12 राशियों पर पड़ता है। आज हम उन राशियों के बारे में बताएंगे, जिनका शनि और शुक्र की युति से खराब समय शुरू होने वाला है...

शनि-शुक्र ग्रह की युति का वृषभ राशि पर प्रभाव

शनि और शुक्र ग्रह की एक राशि में युति से वृषभ राशि वालों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस अवधि में आपको हर मामले में बहुत सावधानी से काम करने की जरूरत होगी। नौकरी पेशा जातकों को इस बात का ध्यान रखना जरूरी होगा कि कहीं कोई गलती या चूक न हो जाए और साथ काम करने वालों के साथ किसी भी तरह के विवाद से भी बचें। शनि और शुक्र ग्रह की युति से वृषभ राशि वालों को परिवार में व्यक्तिगत समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और इसके कारण आप खुशियां खो सकते हैं, और आपको फाइनेंस से संबंधित समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

शनि-शुक्र ग्रह की युति का कर्क राशि पर प्रभाव

शनि और शुक्र ग्रह की एक राशि में युति बनने से कर्क राशि वालों के लिए धन हानि होने की आशंका बन रही है। इस अवधि में आपको अपने खर्चों और सेहत पर ध्यान देने की आवश्यकता है। साथ ही व्यापारियों को व्यापारिक साझेदारों के साथ ट्रस्ट इश्यूज देखने को मिल सकते हैं, जिसकी वजह से आपको हानि का सामना करना पड़ सकता है। वहीं नौकरी पेशा जातकों को अपने टारगेट पूरा करने में परेशानी हो सकती है, जिसकी वजह से काम का बोझ भी बढ़ सकता है। वैवाहिक जीवन की बात करें तो जीवनसाथी के साथ तालमेल और समझ की कमी के कारण सामंजस्य बिगड़ सकता है, जिससे वाद विवाद बढ़ सकते हैं।

शनि-शुक्र ग्रह की युति का धनु राशि पर प्रभाव

शनि और शुक्र ग्रह की एक राशि में युति बनने से धनु राशि वालों की पर्सनल व प्रफेशनल लाइफ में चिंताएं बढ़ सकती हैं। भाग्य का साथ ना मिलने की वजह से आपकी सारी प्लानिंग फेल हो सकती है, जिसकी वजह से मानसिक तनाव हो सकता है। बेवजह के खर्चे बढ़ने की वजह से आपके कर्ज में वृद्धि हो सकती है। नौकरी और व्यापार करने वालों को शनि और शुक्र ग्रह की युति के अशुभ प्रभाव की वजह से कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में आंतरिक कलह देखने को मिल सकती है, जिसकी वजह से मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है।

शनि-शुक्र ग्रह की युति का कुंभ राशि पर प्रभाव

शनि और शुक्र ग्रह की एक राशि में युति से कुंभ राशि वालों के प्रयासों में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है और अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है, जिसकी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। नौकरी करने वालों को शनि की शुक्र की युति की वजह से ऑफिस में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है और जो रोजगार की तलाश कर रहे हैं, उनको कुछ और समय इंतजार करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत की वजह से चिंतित दिखाई देंगे, जिसकी वजह से भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इस अवधि में किसी भी तरह के वाद विवाद से बचें अन्यथा कोर्ट कचहरी के मामलों में फंस सकते हैं।

मूलांक 3 वालों का स्वभाव

ये लोग अपने जीवन में स्वतंत्र रहना पसंद करते हैं।
सलाह लेना इन्हें कम भाता है, अपनी राह खुद बनाना इनकी आदत होती है।
पढ़ाई में एकाग्र होते हैं और उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं।
गुरुतत्व के प्रभाव से ये लोग न्यायप्रिय, धर्मनिष्ठ और आदर्शवादी होते हैं।
मूलांक 3 वालों में स्वाभिमान और जिद दोनों प्रबल होती हैं, जो कभी-कभी इनके लिए हानि का कारण भी बनती है।
अपने विचारों पर अडिग रहना इनकी एक प्रमुख विशेषता है।
3 नंबर वाले थोड़े भोले और मासूम होते हैं, जिसकी वजह से कभी-कभी लोग उनका फायदा उठा लेते हैं।

पारिवारिक जीवन

परिवार में भी ये लोग अपनी बातें मनवाना चाहते हैं।
पिता के साथ इनके विचारों में अक्सर मतभेद हो सकते हैं।
जीवनसाथी के साथ भी कभी-कभी वैचारिक मतभेद होते हैं, फिर भी पारिवारिक जीवन सामान्यतः स्थिर रहता है।
संतानें योग्य और संस्कारी होती हैं।

करियर और व्यवसाय

मूलांक 3 वाले शिक्षा क्षेत्र, प्रशासन, राजनीति, न्यायपालिका और परामर्श सेवाओं में विशेष सफलता प्राप्त करते हैं।
ये अपने ज्ञान के बल पर दूसरों को सही दिशा और सलाह देने में सक्षम होते हैं और इनकी दी गई सलाह दूसरों के लिए लाभयदाक भी साबित होती है।
व्यापार में भी सफलता मिलती है, लेकिन कई बार उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है।
धन कमाने और उसे संचित करने की क्षमता इनमें बहुत अच्छी होती है।
आध्यात्मिक और धार्मिक झुकाव
देवगुरु बृहस्पति के प्रभाव से धर्म और आध्यात्मिकता की ओर इनका गहरा झुकाव होता है।
दान, सेवा, ब्राह्मणों एवं गुरुजनों का सम्मान करना इनकी प्रवृत्ति में होता है।

टोना टोटका या काले जादू का असर कैसे खत्म करें? प्रेमानंद महाराज

हमारे समाज में आज भी कई लोग टोना टोटका, ऊपरी हवा और बुरी नजर जैसी बातों को लेकर डरे रहते हैं। कई बार जब कोई काम सही नहीं होता या घर में बिना कारण परेशानी बढ़ जाती है तो लोग सोचने लगते हैं कि कहीं किसी ने कुछ गलत तो नहीं करवा दिया। इसी विषय पर वृंदावन-मथुरा के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज ने एक सरल और गहरा संदेश दिया है।

क्या कहा प्रेमानंद महाराज ने?

हाल ही में प्रेमानंद महाराज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है, जिसमें उनसे पूछा गया कि टोना टोटका या काले जादू का असर कैसे खत्म किया जा सकता है। इस सवाल का जवाब देते हुए महाराज ने बड़ी सहजता से कहा कि, "अक्सर लोग अपने मन का वहम बना लेते हैं। असल में किसी ने कुछ नहीं किया होता, सारी बातें केवल हमारे दिमाग का खेल होती हैं।"

भगवान का नाम जपें

प्रेमानंद महाराज ने बताया कि अगर किसी को लग रहा है कि उनके घर पर नकारात्मक असर है तो घबराने की जरूरत नहीं है। इसके लिए कोई बड़ा खर्च या भारी साधना करने की भी जरूरत नहीं है। बस रोजाना थोड़ा सा समय भगवान के नाम में लगाना चाहिए।

जब समय मिले तब करें

उन्होंने उपाय बताते हुए कहा, "हर दिन एक घंटा भागवत का पाठ करें, या फिर आधा घंटा 'राधे-राधे' नाम का जाप करें। अगर समय कम है तो कम से कम आधा घंटा भजन या कीर्तन करें।"

दीपक जलाने के फायदे

-साथ ही, महाराज ने यह भी बताया कि हर रात घर में आरती करने के बाद भगवान के नाम का एक दीपक जलाना बहुत फायदेमंद होता है। इससे घर का वातावरण शुद्ध हो जाता है और मन को भी शांति मिलती है।

काला जादू जैसा कुछ नहीं

-प्रेमानंद महाराज ने साफ कहा कि काला जादू जैसी कोई चीज असल में होती ही नहीं है। अगर कोई इन सरल उपायों को लगातार एक महीने तक करता है तो न केवल बाहर की परेशानियां, बल्कि अंदर का डर और चिंता भी दूर हो जाती है।ऐसे बढ़ेगा आत्म विश्वास उन्होंने यह भी जोड़ दिया कि यदि रोजाना नाम जप करना संभव न हो तो दिन में किसी भी समय भजन-कीर्तन अवश्य करना चाहिए। इससे मन सकारात्मक रहता है और जीवन में आत्मविश्वास बढ़ता है।

अश्लील कंटेंट पर रोक की मांग वाली याचिका पर सुनवाई एससी का ओटीटी प्लेटफॉर्म और सरकार को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील और यौन सामग्री के प्रसारण को रोकने की मांग वाली एक जनहित याचिका पर केंद्र सरकार और कई बड़े प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी किया है। इस याचिका में नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम, उल्लू, एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स से अश्लील सामग्री को हटाने और इसे नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई है। कोर्ट ने इस मामले को गंभीर बताते हुए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है कि इस दिशा में क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

चार हफ्तों में देना होगा

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि ओटीटी और सोशल मीडिया पर खुलेआम ऐसे कंटेंट उपलब्ध है, जो समाज के नैतिक मूल्यों को ठेस पहुंचाती है और खासकर युवाओं व बच्चों पर बुरा असर डालती है। याचिका में दावा किया गया कि बिना सेंसरशिप और उचित नियमन के ये प्लेटफॉर्म अश्लीलता को बढ़ावा दे रहे हैं। कोर्ट ने इस मुद्दे को महत्वपूर्ण करार देते हुए कहा,

'इस पर कुछ करना चाहिए।' जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पक्षों से चार हफ्तों में जवाब देने को कहा है।

केंद्र सरकार का रुख

केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में पहले से कुछ नियम लागू हैं, जैसे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए 2021 में जारी दिशानिर्देश। सरकार ने यह भी कहा कि इस दिशा में और सख्त नियम बनाने पर विचार चल रहा है। हालांकि, याचिकाकर्ता का कहना है कि मौजूदा नियम पर्याप्त नहीं हैं, और अश्लील सामग्री को पूरी तरह रोकने के लिए कड़े कानून और सेंसरशिप की जरूरत है।

किन प्लेटफॉर्म्स पर निशाना?

इस याचिका में बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म्स जैसे नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम, उल्लू को निशाना बनाया गया है, जिन पर अक्सर बोल्ड और यौन सामग्री वाली वेब सीरीज और फिल्में रिलीज़ होती हैं। इसके अलावा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम, और यूट्यूब भी जांच के दायरे में हैं, क्योंकि इन पर भी ऐसी सामग्री आसानी से उपलब्ध हो जाती है। याचिका में मांग की गई है कि इन प्लेटफॉर्म्स पर सख्त निगरानी और सेंसरशिप लागू की जाए।

तारा सुतारिया को फैशन से प्यार हो गया

मैं शरीर पर सूट करने वाले किसी भी परिधान से खुश हूं। यह लहंगा, साड़ी या गाऊन कुछ भी हो सकता है। यह सिर्फ टी-शर्ट और शॉर्ट्स या जींस भी हो सकती है।

एक किशोरी के रूप में अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली तारा सुतारिया के पास आज सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वाले युवाओं के लिए एक संदेश है : सावधान और खुद के प्रति सच्चे रहें ।

टी.वी. शो 'द सूइट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर' में कम उम्र में ही कैमरे का सामना करने से लेकर बड़े होने पर 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2', 'मरजावां', 'एक विलेन रिटर्न्स', 'हीरोपंती 2', 'अपूर्वा', 'तड़प' जैसी फिल्में कर चुकी 29 वर्षीय तारा ने कहा कि डिजिटल युग के आगे 'आत्मसमर्पण' करना एक 'व्यक्तिगत विकल्प' है ।

वह कहती है, "मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे परिवार में एक बहुत ही मजबूत सपोर्ट सिस्टम है, जिसने कभी इस तरह के व्यवहार की अनुमति नहीं दी, जिससे कि बच्चे सोशल मीडिया की दुनिया में खो जाते हैं। ऐसा करना आसान है... मैं खुद प्रति सच्ची रहने के प्रति सचेत रही हूं। उसने कहा कि हर किसी को अपने स्तर पर यह तय करने की स्वतंत्रता है कि उसे कब सोशल मीडिया से जुड़ना है। उसने कहा, "मैंने जान-बूझ कर ऐसा होने से खुद को दूर रखा और मैं इसके लिए बहुत खुश हूं। जो कोई भी युवा और आकर्षक हो... और उसे उस उम्र में हर समय अपने फोन से चिपके रहने और हर समय सोशल मीडिया पर रहने का मन करता है, तो बस सावधान रहें, जागरूक रहें, खुद के प्रति सच्चे रहें और सोशल मीडिया को किसी भी तरह से अपने आप को प्रभावित न करने दें। बेशक आज के डिजिटल युग में ऐसा होने देना बहुत आसान है लेकिन अपनी ओर से पूरी कोशिश करें कि ऐसा न हो ।

पसंद है ऑनलाइन शॉपिंग गत दिनों एक फैशन शो में सुंदर तथा ग्लैमरस गाऊन में रैम्प वॉक करने वाली तारा बताती है, "मैं ऑनलाइन बहुत खरीदारी करती रही हूं इसलिए फैशन शोज में ब्रांड्स के लिए काम करना वाकई खास लगता है। मुझे सफेद और काला रंग पसंद है। जो कोई भी मुझे फॉलो करता है, वह जानता है मुझे ये रंग पसंद हैं। हालांकि ऐसा कोई खास परिधान नहीं है, जिसे उसका पसंदीदा कहा जा सके, लेकिन अभिनेत्री ने कहा कि दिन की थीम और कार्यक्रम से मेल खाने वाला कोई भी परिधान वह चुन सकती है।

उसके अनुसार, मुझे फैशन और स्टाइल से प्यार है। मैं अपने शरीर पर सूट करने वाले किसी भी परिधान से खुश हूँ । यह लहंगा, साड़ी या गाऊन कुछ भी हो सकता है। यह सिर्फ टी-शर्ट और शॉर्ट्स या जींस भी हो सकती है।

अगली फिल्म

सूत्रों की मानें तो तारा की अगली फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन - अप्स' है । इसमें उसके साथ फिल्म 'के.जी.एफ.' से लोकप्रियता पाने वाला स्टार यश होगा।

जब उससे इन अटकलों के बारे में पूछा गया तो उसने कहा कि न केवल उसके फिल्मी करियर में, बल्कि संगीत और खाने- पीने से जुड़े फील्ड में भी कुछ 'रोमांचक चीजें ' होने वाली हैं।

उसने कहा, "जल्द ही बहुत सारी रोमांचक घोषणाएं होंगी ।

उसने उत्तर बनाम दक्षिण सिनेमा की बहस पर भी अपनी राय रखी। उसने कहा, "मुझे नहीं लगता कि यह ह का विषय हो ना चाहिए। ह र ज ग ह सफलता है और दक्षिण तथा उत्तर या देश के हर हिस्से की सफलता का जश्न मनाना जरूरी है। मुझे खुशी है कि आखिरकार सभी लोग इन बातों पर सहमत होते नजर आने लगे हैं। यह शानदार रहा है। पिछले कुछ सालों में हमने हर जगह की बेहतरीन फिल्मों का जश्न मनाया है और यह बहुत अच्छी बात है कि हम एक साथ आ रहे हैं ।

जीवन में लौटा प्यार !

तारा अपनी प्रोफैशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती है। वह एक बार फिर चर्चा में है। दरअसल, इस बार रैपर बादशाह के साथ उसके लिंकअप के रूमर्स फैल गए हैं। हो गया था ब्रेकअप तारा इससे पहले अभिनेता आदर जैन के साथ रिलेशनशिप में थी लेकिन दोनों का ब्रेकअप हो गया था। वहीं तारा के अरुणोदय सिंह के साथ डेटिंग की अफवाह भी फैली थी।

बॉलीवुड की हालत पर सीमा पाहवा ने किया कटाक्ष, बोलीं- बहुत जल्द छोड़ दूंगी इंडस्ट्री...

'ड्रीम गर्ल 2' और 'बरेली की बर्फी' जैसी फिल्मो में अपनी शानदार भूमिका के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री सीमा भार्गव पाहवा ने बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के बारे में अपने विचार रखे हैं। अभिनेत्री ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इंडस्ट्री पर अब व्यापारियों ने कब्जा कर लिया है।

मुख्य भूमिका को लेकर उठाए सवाल

हाल ही में सीमा भार्गव पाहवा बॉलीवुड ठिकाना के इंटरव्यू में शामिल हुईं। वहां अभिनेत्री ने बातचीत में कहा, 'मेरे मन में एक सवाल उठता है कि शायद मैं अच्छी हूं, लेकिन इतनी अच्छी नहीं कि कोई मुझे मुख्य भूमिका में लेकर फिल्म बनाए। ये एक शिकायत है, लेकिन फिर मुझे लगता है कि शायद मेरी कुछ सीमाएं हैं, जिसकी वजह से मुझे मुख्य भूमिका में नहीं लिया गया।' इसके आगे अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें लगता है कि वह इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर पहुंच गईं हैं, जिस कारण उन्हें जल्द

ही इंडस्ट्री को अलविदा कहना पड़ेगा। साथ ही उन्होंने बताया, 'इस समय इंडस्ट्री की हालत बहुत खराब है, जहां क्रिएटिव लोगों की कदर नहीं हो रही है और इंडस्ट्री को व्यापारियों ने कब्जा कर लिया है। वे अपनी व्यावसायिक मानसिकता के साथ इंडस्ट्री को चलाना चाहते हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि जिन्होंने इंडस्ट्री में इतने सालों तक काम किया है, वह अब इस तरह से काम कर सकता है।'

पुरानी सोच की वजह से रखा दूर

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उनके जैसे एक्टर को पुराना कहकर फिल्मों से बाहर रखा जाता है। इस मामले पर बातचीच में अभिनेत्री ने बताया कि वो समझती हैं कि इंडस्ट्री के लोग पैसा कमाना चाहते हैं, लेकिन उनके जैसे अभिनेत्रियों को पुराना कहकर बाहर कर दिया जाता है। साथ ही उन्होंने बताया कि आजकल सिर्फ व्यावसायिक तत्व ही फिल्म को सफल बनाती हैं, ना की कहानी और एक्टर।

सीमा पाहवा का वर्कफ्रंट

अगर सीमा पाहवा की बात करें तो वह राजकुमार राव अभिनीत फिल्म 'भूल चूक माफ' में नजर आने वाली हैं, जिसमें वह अभिनेता की मां का रोल निभाते दिखेंगी। यह फिल्म 09 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'केजीएफ' में फ्लावरपॉट कहे जाने पर श्रीनिधि ने दी प्रतिक्रिया, बोलीं- फिल्म ने दी मुझे पहचान

'केजीएफ' में अभिनेता यश के साथ नजर आईं अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'हिट 3' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच अभिनेत्री ने अपनी पहली फिल्म 'केजीएफ' को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने उनको 'केजीएफ' में फ्लावरपॉट कहे जाने पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी और बताया कि उन्हें आलोचनाओं व ट्रोलिंग से फर्क पड़ता है या नहीं।

मुझे फ्लावरपॉट बनने में नहीं थी कोई दिक्कत

'हिट 3' की रिलीज का इंतजार कर रहीं अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी ने पीटीआई के साथ हालिया बातचीत में अपनी पहली फिल्म 'केजीएफ' में उन्हें फ्लावरपॉट कहकर ट्रोल किए जाने पर बात करते हुए कहा, "मुझे 'केजीएफ' में फ्लावरपॉट बनने में कोई आपत्ति नहीं थी, क्योंकि जब यह आई तो यह मेरे लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट की तरह था। न कि यह कैसे होगा, ये मेरे लिए मायने रखता था। जब मैंने कहानी सुनी, तो मुझे पता था कि मेरी भूमिका केवल इतनी ही है, लेकिन मैं इसे करना चाहती थी। मैं चाहती थी कि मेरी पहली फिल्म यही हो। फिर यह एक व्यक्तिगत पसंद है। कुछ लोग फ्लावरपॉट बनना पसंद करेंगे, कुछ लोग नहीं।"

अब अगली फिल्म में फ्लावरपॉट बनने में सोचूंगी

अभिनेत्री ने आगे बात करते हुए कहा, "अब अगर आप मुझसे पूछें, तो क्या आप अगली कुछ फिल्मों में फ्लावरपॉट बनेंगी? तो अब मैं अपना समय लूंगी और सोचूंगी कि मैं चाहती हूं या नहीं। मैं देखूंगी कि कौन कर रहा है, फ्लावरपॉट की कीमत कितनी है। पहली वाली मेरी सचेत पसंद थी। लेकिन इसमें कुछ भी बुरा या सही गलत नहीं है। यह ठीक है, इसमें कोई हिसाब-किताब नहीं है।"

'केजीएफ' को दिया अपनी लोकप्रियता का श्रेय

श्रीनिधि ने अपनी लोकप्रियता का श्रेय भी 'केजीएफ' के ही दोनों पार्ट्स को दिया। उन्होंने कहा, "मुझे जितनी प्रसिद्धि या प्यार मिला है, वह 'केजीएफ' की वजह से है, इसमें कोई दो राय नहीं है। शायद यह उस काम में तब्दील नहीं हुआ, जिसके बारे में मैंने सोचा था।"

'केजीएफ' में निभाया रीना देसाई का किरदार

श्रीनिधि शेट्टी ने 2018 में 'केजीएफः चैप्टर 1' से अपने करियर की शुरूआत की। प्रशांत नील द्वारा निर्देशित 'केजीएफ' फ्रैंचाइजी में श्रीनिधि ने रीना देसाई की भूमिका निभाई थी। जबकि यश फिल्म में रॉकी के किरदार में नजर आए थे।

'केजीएफ' के दोनों ही पार्ट बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुए हैं। श्रीनिधि शेट्टी जल्द ही फिल्म 'हिट 3' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता नानी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। सैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित यह फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'रेड 2' पर चली सेंसर की कैंची

अजय देवगन का आठ सेकंड लंबा डायलॉग हटाया

अजय देवगन की मच अवेटेड फिल्म 'रेड 2' रिलीज को तैयार है। 1 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म में अब सिर्फ दो दिनों का ही समय बाकी रह गया है। फिल्म की कास्ट इसके प्रमोशन में जुटी हुई है। इस बीच फिल्म पर सेंसर की कैंची चली है। जिसके बाद अब फिल्म सेंसर बोर्ड से भी पास हो गई है। जानकारी के मुताबिक, फिल्म में अधिक कट तो नहीं लगे हैं। हालांकि, फिल्म से अजय देवगन का एक डायलॉग जरूर हटाए जाने की जानकारी सामने आ रही है।

अजय देवगन का ये डायलॉग हटाया

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन की 'रेड 2' में सीबीएफसी यानी सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने कोई विजुअल कट नहीं लगाया है। हालांकि, फिल्म से अभिनेता अजय देवगन का एक आठ सेकंड लंबा डायलॉग सीबीएफसी ने काट दिया है। फिल्म की शुरूआत में आने वाला अजय देवगन का 'पैसा, ताकत और हथियार' वाला डायलॉग सीबीएफसी ने फिल्म से हटाने को कहा है।

इसके अलावा सेंसर बोर्ड ने फिल्म से 'रेलवे मंत्री' शब्द भी हटाने को कहा है। उसकी जगह 'बड़ा मंत्री' शब्द इस्तेमाल करने को बोला है। हालांकि, इसके अलावा सेंसर बोर्ड ने फिल्म में कोई विजुअल कट नहीं लगाया है। यानी कि एक्शन सीन भरपूर देखने को मिलेंगे।

फिल्म को मिला यूए सर्टिफिकेट

फिल्म 'रेड 2' को सेंसर बोर्ड से यूए सर्टिफिकेट मिला है। वहीं फिल्म 2 घंटे, 30 मिनट और 53 सेकंड लंबी बताई जा रही है। रेड 2 को मार्च में सीबीएफसी से अपना सेंसर सर्टिफिकेट मिला था।

रितेश देशमुख और वाणी कपूर भी आएंगे नजर

राजकुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अजय देवगन के साथ रितेश देशमुख, वाणी कपूर, सौरभ शुक्ला, अमित सियाल और सुप्रिया पाठक प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

आठ साल पहले रिलीज हुई थी 'बाहुबली 2' प्रभास ने किया था गजब बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन

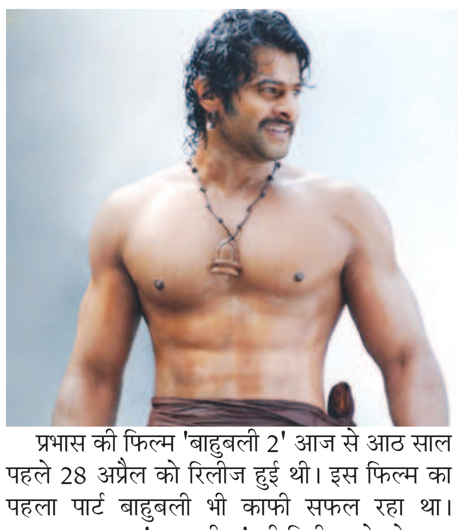

प्रभास की फिल्म 'बाहुबली 2' आज से आठ साल पहले 28 अप्रैल को रिलीज हुई थी। इस फिल्म का पहला पार्ट बाहुबली भी काफी सफल रहा था। बहरहाल, आज 'बाहुबली 2' की रिलीज को पूरे आठ साल हो गए हैं, लेकिन क्या आपको पता है इस फिल्म के लिए प्रभास को अपना बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन करना पड़ा था।

बाहूबली 2 के लिए प्रभास ने की थी तगड़ी मेहनत

एक खबर के मुताबिक, बाहूबली के दोनों पार्ट में प्रभास ने मुख्य भूमिका निभाई है। इस फिल्म के लिए प्रभास ने अपने लुक्स पर भी काफी काम किया था। अमरेन्द्र और महेंद्र बाहुबली के रूप में प्रभास को पहले रूप में भारी भरकम और दूसरे रूप में दुबला रूप अपनाना था। जिसके लिए फिल्म निर्माताओं ने प्रभास को 1.5 करोड़ रुपये के जिम उपकरण भी दिए। इसके साथ ही प्रभास को पिता अमरेन्द्र बाहुबली की भूमिका के लिए 20 किलो मांसपेशियां बढ़ानी पड़ी थीं, लेकिन बेटे की भूमिका के लिए उन्हें दुबला और अधिक फिट दिखना था।

प्रभास ने फिल्म के लिए बढ़ाया था वजन

अभिनेता के वजन में 4 साल से अधिक समय तक बड़ा उतार-चढ़ाव हुआ, जिसकी वजह से उनका वजन 100 किलोग्राम से अधिक हो गया था। उन्होंने फिल्म में अपनी भूमिकाओं के लिए आहार में काफी परिवर्तन किया। इसके लिए प्रभास को पुरस्कार विजेता पेशेवर बॉडी बिल्डर लक्ष्मण रेड्डी से प्रशिक्षण भी लेना पड़ा था। 'बाहूबली 2' ने दुनिया भर में लगभग 1810 करोड़ रुपये की कमाई की और रिलीज होने पर भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई।

प्रभास का वर्कफ्रंट

प्रभास जल्द ही फिल्म 'द राजा साब', 'स्पिरिट' और 'सलार 2' में नज़र आएंगे। इन तीनों ही फिल्म को लेकर प्रभास के फैंस उत्सुक रहते हैं। 'द राजा साब' एक हॉरर कॉमेडी फिल्म होगी। इसके अलावा 'सलार 2' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। इन दोनों फिल्मों के अलावा प्रभास संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में नजर आएंगे।

पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किए जाएंगे साउथ सुपरस्टार अजित कुमार

साउथ सुपरस्टार अजित कुमार को उनके शानदार अभिनय करियर के लिए सोमवार को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। आज सोमवार के दिन अभिनेता को अपने परिवार के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें अजित कुमार को पत्नी शालिनी, बेटी अनुष्का और बेटा आद्विक के साथ देखा गया है। अभिनेता चेन्नई एयरपोर्ट पर परिवार के साथ दिखे हैं, जहां से वह दिल्ली के लिए प्रस्थान करने वाले हैं। अभिनेता को एयरपोर्ट पर काले और सफेद रंग के ब्लेजर पहने देखा गया है।

पद्म पुरस्कार से सम्मानित किए जाएंगे अजित कुमार

अभिनेता अजित कुमार को दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्म पुरस्कार से नवाजा गया। इसी कारण अभिनेता आज चेन्नई से दिल्ली में हैं।

अजित कुमार का वर्कफ्रंट

अगर अजित कुमार की बात करें तो इस समय वह अपनी फिल्म 'गुड बैड अग्ली' से चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में दिखाई जा रही है और बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करती दिख रही है। अभी तक फिल्म ने 150 करोड़ रुपये से अधिक कमा लिए हैं। आदिक रविचंद्रन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अजित कुमार के अलावा तृषा, प्रसन्ना और सुनील प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

जिम में क्यों बढ़ रहे हैं हार्ट अटैक के मामले, डॉक्टर ने सुलझाई गुत्थी

हृदय रोगों के मामले दुनियाभर में तेजी से बढ़े हैं, विशेषरूप से कोरोना महामारी के बाद से इसमें तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। कम उम्र के लोग भी न सिर्फ इस जानलेवा रोग का शिकार हो रहे हैं, बल्कि इससे मौत के आंकड़े भी बढ़े हैं। आप भी अक्सर हार्ट अटैक और इससे मौत की खबरें सुनते-पढ़ते रहते होंगे, आपके मन भी ये सवाल जरूर आता होगा कि हार्ट अटैक महामारी का रूप क्यों लेता जा रहा है?

माना जाता रहा है कि फिटनेस को लेकर अलर्ट रहने, नियमित व्यायाम-जिम करने वाले लोगों में हृदय रोगों का जोखिम कम होता है, पर कई मामले ऐसे भी सामने आए हैं जिनमें जिम के दौरान लोगों को हार्ट अटैक हुआ और इससे उनकी मौत हो गई।

अब सवाल ये है कि फिटनेस को लेकर अलर्ट रहने वाले लोगों को हार्ट अटैक क्यों हो रहा है? इसके पीछे क्या वजह हो सकती है? आइए डॉक्टर से इसके कारणों को समझते हैं।

वर्कआउट के दौरान हार्ट अटैक

वर्कआउट के दौरान हार्ट अटैक आना एक खतरनाक ट्रेंड बनता जा रहा है। ऐसी ही एक दुखद घटना में, अप्रैल के दूसरे हफ्ते में मध्य प्रदेश के जबलपुर में जिम में एक्सरसाइज करते समय 52 वर्षीय व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ने से मौत गई। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज ऑनलाइन सामने आया, जिसमें व्यायाम करते-करते अचानक गिरने से पहले वह फर्श पर डंबल रखते हुए दिखाई दे रहे हैं।

इसी तरह से मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध योग गुरु और वरिष्ठ पशु चिकित्सक डा. पवन सिंहल की हाल ही में साइलेंट हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। डॉ. पवन सिंहल अपनी सादगी और स्वस्थ जीवन शैली के लिए मशहूर थे। डॉ. सिंहल ने वर्ष 2022 में 11 घंटे में 100 किमी की दौड़ का रिकॉर्ड बनाया था। वह नियमित रनिंग और योग करते थे।

क्या कहते हैं हृदय रोग विशेषज्ञ?

जिम जाने वाले लोगों में बढ़ते हार्ट अटैक के मामलों के क्या कारण हैं, इसे कैसे रोका जा सकता है? इस बारे में समझने के लिए हमने दिल्ली स्थित पीएसआरआई हॉस्पिटल में सीनियर कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट डॉ रवि प्रकाश से बातचीत की।

फिजिकल फिटनेस और हृदय स्वास्थ्य के बीच गहरा संबंध है। हालांकि इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि जो लोग शारीरिक रूप से एक्टिव रहते हैं, रनिंग-जिम करते हैं उन्हें हार्ट ब्लॉकेज या हार्ट अटैक नहीं होगा। अच्छी बात ये है कि ऐसे लोग इन समस्याओं को आसानी से झेल सकते हैं।

उदाहरण के लिए जो लोग अक्सर बैठे रहते हैं उन्हें 500 मीटर दौड़ने के लिए कहा जाए तो उसकी हालत खराब हो जाती है, वहीं नियमित रनिंग करने वाले के लिए ये आम बात है।

जिम में हार्ट अटैक के मामले

अब सवाल उठता है कि फिर नियमित व्यायाम करने वालों में हार्ट अटैक के मामले क्यों बढ़ रहे हैं?

जिम जाने वालों में दिल के दौरे की घटनाओं के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी तो इसका एक प्रमुख कारण है ही साथ ही बहुत से लोग ऐसे भी हैं जिन्हें पहले से अपने हार्ट हेल्थ की सही जानकारी नहीं होती है। ऐसे में कुछ स्थितियां आपके समस्याओं को ट्रिगर कर देती हैं, जिसके कारण हार्ट अटैक का खतरा हो सकता है।

जिम हो या स्विमिंग या कोई भी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स यहां पर एडमिशन लेने से पहले मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट जमा कराया जाता है, यह नियम हर जगह है। हालांकि अक्सर छोटे सेंटर्स या जिम वाले और वहां एडमिशन लेने वाले दोनों ही इसको अनदेखा कर देते हैं। इस छोटी सी गलती के चलते पता ही नहीं चल पाता है कि आपका हार्ट, एक्सरसाइज के दबाव को झेलने के लिए तैयार है या नहीं?

आदर्श रूप से जिम जाने से पहले ईसीजी-इको टेस्ट, सामान्य खून की जांच, ब्लड प्रेशर-कोलेस्ट्रॉल टेस्ट जरूर करा लेना चाहिए। इससे हृदय की सेहत का अंदाजा लगाना आसान हो जाता है। अगर इनमें से कोई भी टेस्ट ठीक नहीं है तो जिम में तीव्र स्तर के व्यायाम करने से बचाना चाहिए।

हीट स्ट्रोक से आप सुरक्षित हैं या नहीं कैसे लगाएं पता? अपनाएं ये टिप्स

देशभर में गर्मी का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। अप्रैल के आखिरी हफ्ते में ही राजधानी दिल्ली-एनसीआर में पारा 41 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमानों के मुताबिक आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ सकती है, जिसके कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का भी खतरा हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों-बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को बढ़ते तापमान के समय में अतिरिक्त सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

विशेषज्ञ कहते हैं, तापमान 40°C से ऊपर होने से हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। हीट स्ट्रोक के लक्षणों में शरीर का तापमान 104°F (40°C) से अधिक होना, मानसिक स्थिति में बदलाव (भ्रम, बेचैनी, बोलने में समस्या होना), मतली-उल्टी, त्वचा का लाल होना, तेजी से सांस लेने और हृदय गति बढ़ने के साथ सिरदर्द जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। कुछ मामलों में हीट स्ट्रोक के लक्षण जानलेवा भी हो सकते हैं जिसको लेकर सावधानी बरतना जरूरी है।

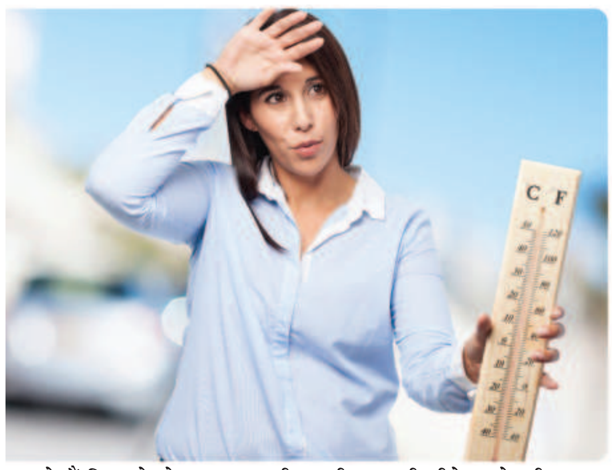

हीट स्ट्रोक का क्या कारण है?

डॉक्टर बताते हैं, अधिक गर्मी शरीर की कूलिंग प्रक्रिया को बाधित कर देती है। इस वजह से लू की स्थिति में शरीर का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है।

डिहाइड्रेशन हीट स्ट्रोक का सबसे बड़ा कारण है, यही कारण है स्वास्थ्य विशेषज्ञ गर्मी और लू के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बचे रहने के लिए दिन में कम से कम ढाई से तीन लीटर पानी पीते रहने की सलाह देते हैं। पानी के साथ शरीर में इलेक्ट्रोलाइट (नमक, पोटैशियम व मैग्नीशियम) का बैलेंस बनाए रखने के लिए ओआरएस या नारियल पानी पीते रहना चाहिए।

क्या आप हीट स्ट्रोक से सुरक्षित हैं?

अब सवाल उठता है कि ये कैसे पता किया जाए कि आप हीट स्ट्रोक से सुरक्षित हैं या नहीं?

इसके लिए आप खुद से कुछ सवाल पूछें और आप खुद से ही इसका आकलन कर सकते हैं।

क्या आप दिनभर में भरपूर मात्रा में पानी पीते हैं?

ढीले हल्के कपड़े पहनते हैं?

दिन में 11-4 बजे के बीच तो घर से बाहर नहीं निकलते?

अगर आप इन सावधानियों का ध्यान रख रहे हैं तो ये लू लगने की आशंकाओं को 70 प्रतिशत तक कम कर सकती है।

ये सावधानियां जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ बीमारी के शिकार लोगों में हीटस्ट्रोक और इसकी जटिलताओं का जोखिम अधिक देखा जाता रहा है। हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा या दिल के रोग वाले लोगों में हीटस्ट्रोक का खतरा अधिक होता है।

मायोक्लिनिक की एक रिपोर्ट के मुताबिक बीमार या कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को अगर हीट स्ट्रोक का खतरा अधिक हो सकता है। इसके अलावा यदि आप तेज धूप में या गर्मी में ज्यादा मेहनत वाला काम करते हैं तो इससे भी शरीर का तापमान बहुत तेजी से बढ़ सकता है।

यदि आपके चेहरे पर भी झुर्रियां आने लगी हैं तो नारियल के तेल में मिला कर लगाएं ये चीजें

आज-कल की बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल और खान-पान का असर लोगों की सेहत और त्वचा पर देखने को मिलता है। इसकी वजह से कम उम्र में ही त्वचा में ढीलापन आ जाता है, जिस कारण झुर्रियां पड़ने लगती हैं। यदि आप भी चेहरे की झुर्रियों से परेशान हैं तो समझो कि ये लेख आपके लिए ही लिखा गया है। इस लेख में हम आपको नारियल के तेल को विभिन्न तरह से चेहरे पर इस्तेमाल करना बताएंगे।

नियमित रूप से इस तेल के इस्तेमाल से आपको झुर्रियों से राहत मिलेगी। दरअसल, नारियल के तेल में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा का कसाव बनाए रखने में मदद करते हैं। ऐसे में आप बेझिझक इन नुस्खों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इनके इस्तेमाल से पहले बस एक बार पैच टेस्ट कर लें, ताकि कहीं आपकी परेशानी बढ़ न जाए। तो बस चलिए आपको नारियल के तेल के कुछ नुस्खों के बारे में बताते हैं।

नारियल का तेल और एलोवेरा

ये दोनों ही चीजें स्किन का ग्लो बरकरार रखने में मदद करती हैं। इसका इस्तेमाल आप हर रोज कर सकते हैं। इस्तेमाल के लिए आपको सिर्फ दो चम्मच नारियल तेल और दो चम्मच एलोवेरा जेल की जरूरत पड़ेगी।

नारियल का तेल और शहद

इन दोनों चीजों के मिश्रण से आपकी त्वचा का ग्लो भी बरकरार रहेगा और साथ ही में इससे चेहरे की फाइन लाइंस भी कम होने लगती हैं। इस्तेमाल के लिए आप एक कटोरी में नारियल का तेल लेकर उसमें बराबर मात्रा में शहद मिक्स करें।

अब एक ब्रश की मदद से इसे अपने चेहरे पर लगाएं। अब इसे आधे घंटे के लिए ऐसे ही रहने दें। आधे घंटे के बाद हल्के हाथ से चेहरे की मसाज करें और फिर अपने चेहरे को धो लें। इससे भी आपके चेहरे की फाइन लाइंस कम हो जाएंगी।

नारियल का तेल और हल्दी

हल्दी में पाए जाने वाले तत्व स्किन से संबंधी कई परेशानियों को दूर करते हैं। यदि आप नारियल के तेल में मिलाकर इसका इस्तेमाल करेंगे तो चेहरे की झुर्रियां भी कम हो जाएंगी।

इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले एक कटोरी में नारियल का तेल लें। अब इसमें चुटकीभर हल्दी डालें और मिश्रण तैयार करें। आखिर में इस मिश्रण को आपको चेहरे पर आधे घंटे के लिए लगाकर रखना है और फिर चेहरे को धो लेना है। इसके इस्तेमाल से भी आपको राहत मिलेगी।

गर्मियों में होने वाली त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए अपना लें ये रूटीन

गर्मियों का मौसम आते ही त्वचा से जुड़ी कई समस्याएं शुरू हो जाती हैं, जैसे पसीना, रैशेज, टैनिंग, पिंपल्स, ड्राइनेस, सनबर्न आदि। लेकिन अगर आप थोड़ी सी सावधानी और सही स्किन केयर रूटीन अपनाएं, तो इन समस्याओं से आसानी से बच सकते हैं। गर्मियों में सही स्किन केयर से आपकी त्वचा फ्रेश, ग्लोइंग और हेल्दी बनती है। नियम बनाकर स्किन केयर रूटीन को फॉलो करें, ताकि धूप और पसीने से आपकी स्किन को कोई नुकसान न पहुंचे। इस लेख में जानिए गर्मियों में होने वाली त्वचा संबंधी समस्याओं से दूर रहने के लिए बेस्ट स्किन केयर रूटीन क्या है।

दिन में दो बार फेसवॉश करें

गर्मियों में पसीने और धूल मिट्टी से त्वचा के पोर्स बंद हो सकते हैं जिससे पिंपल्स हो सकते हैं। इसलिए चेहरे को दो बार जरूर साफ रखें। पहला सुबह उठते ही और दूसरा बाहर से घर लौटकर चेहरे को अच्छे से धो लें। चेहरा केवल पानी से न धोएं, बल्कि त्वचा के अनुरूप जो भी फेशवॉश उपयुक्त हो, उसका उपयोग करें। जेंटल, ऑयल-फ्री फेसवॉश का इस्तेमाल करें।

हल्का मॉइस्चराइजर लगाएं

गर्मी में भी मॉइस्चराइजर लगाना जरूरी है, लेकिन हल्का जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर चुनें। यह त्वचा को हाइड्रेटेड रखता है और चिपचिपाहट नहीं करता।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं

बिना सनस्क्रीन के घर से न निकलें। आपका सनस्क्रीन SPF 30 से कम नहीं होना चाहिए। इसे हर 2-3 घंटे में री-अप्लाई करें। सनस्क्रीन लगाने से टैनिंग और सनबर्न से बचाव होता है।

त्वचा को हाइड्रेट रखें

गर्मियों में धूप और गर्मी के कारण त्वचा रूखी हो सकती है। त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए खूब पानी पिएं। दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए। इसके अलावा नारियल पानी, नींबू पानी जैसे हेल्दी ड्रिंक्स का सेवन करें। इससे त्वचा अंदर से चमकदार और फ्रेश रहेगी।

सप्ताह में एक-दो बार स्क्रबिंग करें

डेड स्किन हटाने के लिए सप्ताह में 1-2 बार स्क्रबिंग करें। जेंटल स्क्रब का इस्तेमाल करें ताकि स्किन पर कोई रैश न आए। ज्यादा रगड़ने से त्वचा को नुकसान हो सकता है, इसलिए हल्के हाथ से करें।

टोनर का इस्तेमाल करें

स्किन के पोर्स को छोटा करने के लिए एल्कोहल-फ्री टोनर का इस्तेमाल करें। गुलाबजल एक प्राकृतिक टोनर है, जिसे दिन में कई बार स्प्रे किया जा सकता है।

हल्का मेकअप करें

अगर आपको मेकअप करना है तो ध्यान रखें कि गर्मियों में भारी मेकअप से बचें। अगर जरूरत हो तो सिर्फ BB क्रीम, लिप बाम और वाटरप्रूफ मस्कारा का हल्का इस्तेमाल करें।

रात में त्वचा को साफ करके सोएं

सोने से पहले चेहरे से सारा मेकअप और धूल-मिट्टी साफ कर लें। त्वचा को सांस लेने दें ताकि वह रातभर रिपेयर हो सके। रोज रात में सोने से पहले CTM जरूर करें यानी त्वचा को डीप क्लिंजिंग करके टोनर लगाएं और अच्छा मॉश्चराइजर लगाकर सोएं।

अपने बच्चे को कहीं आप ही नहीं बना रहे हैं डायबिटीज-हार्ट का मरीज? सावधान

स्वस्थ भविष्य चाहते हैं तो बच्चों की सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि अगर बचपन से ही खान-पान और व्यायाम करने की आदत बना दी जाए तो ये भविष्य में होने वाली कई प्रकार की गंभीर बीमारियों से बचाए रखने में मददगार हो सकती है।

डॉक्टर कहते हैं, आमतौर पर हम सभी बाल मनुहार में छोटे बच्चों को चिप्स-नमकीन, चॉकलेट और कुकीज देते रहते हैं, ये चीजें भविष्य में कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती हैं। अगर आपके घर में भी कोई छोटा बच्चा है तो उसके खान-पान को लेकर विशेष सतर्कता बरतते रहना चाहिए।

आज आपकी छोटी-छोटी गलतियां भविष्य में उनकी सेहत के लिए कहीं गंभीर दिक्कतें न बढ़ा दें?

बच्चों को दें पौष्टिक आहार

डॉक्टर कहते हैं, दो साल तक के बच्चों को पोषण से भरपूर और उम्र के अनुसार पचने योग्य आहार देना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि यही उनकी शारीरिक और मानसिक वृद्धि की नींव होती है। इस उम्र में बच्चों की पाचन प्रणाली और इम्यून सिस्टम पूरी तरह विकसित नहीं होते, इसलिए कुछ खाद्य पदार्थ नुकसानदायक भी हो सकते हैं।

6 माह से 2 साल तक के बच्चों का खान-पान उनके भविष्य को निर्मित करने में मदद करता है, जिसका गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

क्या कहते हैं बाल रोग विशेषज्ञ?

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ रवि मलिक कहते हैं, एक साल से छोटे बच्चे को नमक जबकि दो साल से छोटे बच्चों को चीनी नहीं दिया जाना चाहिए।

अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (एएपी) के विशेषज्ञों के मुताबिक एक साल से छोटे बच्चों की किडनी कमजोर होती है, वो ठीक तरीके से सोडियम को मैनेज नहीं कर पाती है। ऐसे बच्चों को भविष्य में हाइपरटेंशन या हार्ट की बीमारी होने का खतरा हो सकता है।

इसी तरह से दो साल से छोटे बच्चों को अगर आप चीनी वाली चीजें, मिठाई-चॉकलेट आदि खाने को देते हैं तो इससे बच्चों में मोटापा-डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे बच्चों में कार्डियोवस्कुलर बीमारियों का जोखिम भी अधिक हो सकता है।

एक साल से छोटे बच्चों को जूस भी नहीं देना चाहिए क्योंकि इसमें भी शुगर हो सकता है।

अगर बच्चों को इसी उम्र में चीनी की आदत डाल देंगे तो इससे भविष्य 5-6 साल की आयु में क्रेविंग बढ़ जाती है जिससे मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज हो सकता है।

6 माह तक के बच्चों को सिर्फ स्तनपान

विश्व स्वास्थ्य संगठन और एएपी दोनों ही पहले 6 महीने तक केवल स्तनपान की सलाह देते हैं क्योंकि यह बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है और संक्रमण से बचाता है। इस दौरान बच्चों को पानी भी न दें। मां के दूध से बच्चों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की आसानी से पूर्ति हो जाती है।

6 माह से 12 माह स्तनपान के साथ पूरक आहार दें। पहले खाना सादा, मुलायम और थोड़ा-थोड़ा दें जैसे दलिया, दाल का पानी आदि। इसके बाद बच्चों को मसले हुए फल (केला, सेब), उबली और मसली हुई सब्जियां (गाजर, आलू, लौकी), चावल, खिचड़ी और सुपाच्य खाना दिया जा सकता है।

रक्त शर्करा कंट्रोल में नहीं आती, क्या करूं?

प्रश्न : मेरा लड़का कॉल सेंटर में कार्य करता है। अक्सर नाइट शिफ्ट में काम करना होता है। पिछले कुछ दिनों से लगता है कि वह चिड़चिड़ा हो गया है, छोटी - छोटी सी बात पर झुंझला उठता है और थका थका सा रहता है। क्या यह नाइट शिफ्ट में काम करने के दुष्प्रभाव तो नहीं? कृपा कर इसके उपाय बताएं !

- श्रीमती मंगल राव, हैदराबाद

उत्तर : रात में काम करने वालों के शरीर और मन दोनों पर असर पड़ता है। सामान्यतः दिन काम करने के लिए व रात आराम करने के लिए है। यदि कोई इसके उल्टा करता है, तो वह अपनी जैविक घड़ी (बायोलॉजिकल क्लॉक) को बुरी तरह प्रभावित करता है इसके कारण उसके मन मस्तिष्क की कामकाजी शक्ति घट जाती है।कार्य प्रदर्शन एवं कार्य संपादन शक्ति बिगड़ जाती है। उससे अपने कार्य में गलतियां होने की दर बढ़ जाती है। नींद पूरी नहीं होने के कारण रक्त संचार संस्थान, पेट, आंखें व प्रजनन संबंधी रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। रक्तचाप बढ़ने लगता है। अजीर्ण या अपच धीरे-धीरे इरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम में बदल सकता है।

इन सब से बचने के लिए सबसे अच्छा तरीका है - ऐसी नौकरी पकड़े जिसमें दिन में काम करना पड़े और रात में आराम। यदि ऐसा संभव नहीं है तो योग व व्यायाम की शरण में जाना जरूरी है। विश्राम करने की तकनीक आसानी से योग विशेषज्ञ से सीखी जा सकती है। औरा टेंसट्रिम टैबलेट, अश्वगंधादि चूर्ण के साथ दूध से सुबह-शाम लेवे। भोजन के बाद ऊंझा अश्वगंधारिष्ट, ऊंझा द्राक्षासव एवं सारस्वतारिष्ट की 10 - 10 मिलीलीटर दवा को सम भाग पानी में मिलाकर भोजन के बाद पीने से तन और मन की थकान मिटती है और शरीर में ताजगी आती है। ध्यान, प्राणायाम, व विश्राम के लिए शवासन का प्रयोग अच्छे नतीजे देता है। खानपान का भी ध्यान रखना आवश्यक है। मौसमी सब्जियों का एवं फलों का सेवन जरूर करें हमेशा ताजा फल ही का प्रयोग करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 56 वर्ष है। रजोनिवृत्ति हो चुकी है। मेरी पीठ, कंधों, गर्दन और बाएं हाथ में बहुत दर्द रहता है। कई बार हाथों की अंगुलियां सुन्न पड़ जाती है। स्पॉन्डिलाइटिस के लिए सारे परीक्षण कराएं। किसी में कुछ नहीं निकाला। कृपा कर मेरी समस्या दूर करें।

- श्रीमती मनोहर रेड्डी, खम्मम

उत्तर : रजोनिवृत्ति के बाद की स्थिति में वात शरीर में बढ़ता है। वृद्धावस्था सच में वात की ही अवस्था है। शरीर में जितने मांसपेशियों व जोड़ों में दर्द पनपते हैं उन सब का कारण वात ही है। वेगावरोध (मलमूत्र आदि प्राकृतिक वेगों को रोकना) पूर्व भोजन के पचने से पहले ही फिर भोजन करना, रात्रि जागरण, जोर-जोर से बोलना, शारीरिक श्रम से बेहाल होना, बासी भोजन करना वातकारक भोज्य पदार्थों का सेवन करना ₹वातदुष्टि₹ का कारण बनता है।

आप ऊंझा वात विध्वंस रस ,ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, औरा रूमाटाइज टिकिया को दशमूलारिष्ट 20 मिलीलीटर दवा में 40 मिली लीटर गुनगुना पानी मिलाकर भोजन के बाद लेवें। ऊंझा महानारायण तेल से मालिश कीजिए। हमेशा स्नान गुनगुने पानी से कीजिए। भोजन ताजा, स्वच्छ, संतुलित, समयोचित व सादा - सात्विक ही लीजिए। थोड़े ही दिनों में आपको काफी राहत मिल जाएगी।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। डायबिटीज का रोगी हूं। अंग्रेजी दवाएं चल रही है, फिर भी रक्त शर्करा कंट्रोल में नहीं आती। क्या करूं ? उपाय बताएं।

- गुणशेखर, सिकंदराबाद

उत्तर : जीवन शैली में परिवर्तन और अनुवांशिकता के कारण दिनोंदिन डायबिटीज के रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। तेलंगाना में हर पांचवा आदमी मधुमेह से पीड़ित है। आरामपसंद जीवन या फिर हमेशा तनावग्रस्त रहना दोनों स्थितियों में प्रमेह रोग उत्पन्न हो जाता है। आप अभी जो अंग्रेजी दवा ले रहे हैं उन्हें तुरंत ना रोके। उनके साथ ही आयुर्वेदिक दवाएं शुरू कर दें। धीरे-धीरे अंग्रेजी दवाओं को हटाया जा सकता है।

आप ऊंझा जांब्रोस टिकिया दो-दो गोली सुबह -दोपहर- शाम भोजन के पहले लेवें। भोजन के बाद ऊंझा चंद्रप्रभा वटी एवं आरोग्यवर्धिनी रस की एक - एक गोली ले लें। भोजन में मीठा एवं मिठाई पूरी बंद कर दें। प्रशांत नीम करेला कल्प 3-5 ग्राम भोजन के पहले सुबह शाम लेने से रक्त शर्करा आसानी से कंट्रोल में आती है।

हर रोज पैदल चलें। कसरत करें। दिन में सोने से बचें। आरामपसंद जीवन का त्याग करें। अपना पसीना बहाएं। थोड़े ही दिनों में आपकी ब्लड शुगर सामान्य होकर मधुमेह है नियंत्रण में आ जाएगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

ट्रंप की वापसी: एलन मस्क की ताकत बढ़ी

पर लोकप्रियता व संपत्ति के मोर्चे पर नुकसान, सर्वे में हुआ यह खुलासा

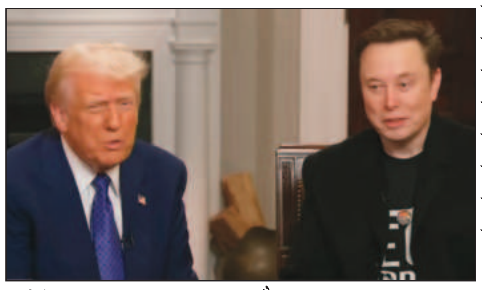

वाशिंगटन, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में वापसी का फायदा दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क को निःसंदेह मिला है। वॉशिंटन के राजनीतिक गलियारों में उनकी ताकत काफी हद तक बढ़ी है। लेकिन, उनकी लोकप्रियता में गिरावट आई है। एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। संपत्ति के मार्चे पर भी उन्हें नुकसान उठाना पड़ा है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार बीते एक साल में मस्क की संपत्ति $97.7 अरब डॉलर तक घटी है। हालांकि, एलन मस्क 335 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ अब भी दुनिया के सबसे अमीर शख्स बने हुए हैं। द एसोसिएटेड प्रेस-नॉर्क सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के एक सर्वेक्षण के अनुसार वर्षों तक तकनीकी दिग्गज और विश्व के सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में ख्याति अर्जित करने वाले एलन मस्क की हाल के महीनों में वॉशिंगटन में ताकत तो बढ़ी, लेकिन उनकी लोकप्रियता में कमी आई है। पोल के अनुसार, केवल 33 प्रतिशत अमेरिकी वयस्क मस्क के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, जबकि दिसंबर में यह आंकड़ा 41 प्रतिशत था। मस्क राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सरकारी खर्च में कटौती और पुनर्गठन के प्रयासों का चेहरा हैं, वे अब अलोकप्रिय हो रहे हैं। नॉर्थ कैरोलिना के 27 वर्षीय डेमोक्रेट अर्नेस्ट परेरा ने कहा, यह शर्मनाक है कि उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा को नष्ट कर लिया। वे अपनी ही हवा में बह गए। पोल में पाया गया कि दो-तिहाई वयस्क मानते हैं कि मस्क का संघीय सरकार पर अत्यधिक प्रभाव है, हालांकि यह प्रभाव जल्द खत्म हो सकता है, क्योंकि मस्क जल्द ही प्रशासनिक भूमिका छोड़ सकते हैं। पेंसिल्वेनिया की 75 वर्षीय रिटायरी सुसान वोल्फ ने कहा कि सरकार बहुत बड़ी है, लेकिन मस्क ने सब कुछ बर्बाद कर दिया। मस्क की सरकारी दक्षता विभाग (डोजी) ने हजारों कर्मचारियों की छंटनी की, लेकिन एक ट्रिलियन डॉलर की कटौती का लक्ष्य 150 बिलियन तक सिमट गया। पोल में 50 प्रतिशत लोग ट्रंप की कर्मचारी कटौती को बहुत ज्यादा मानते हैं, जबकि 30 प्रतिशत इसे सही मानते हैं। वहीं, 14 प्रतिशत लोग नौकरियों में और कटौती चाहते हैं।

शेयर बाजार में बढ़त के साथ क्लोजिंग

सेंसेक्स 1006 अंक चढ़ा, निफ्टी 24300 के पार पहुंचा

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज और निजी बैंकों के शेयरों में तेज उछाल और विदेशी पूंजी प्रवाह के कारण भारतीय बाजार में गिरावट का दौर सोमवार को थम गया। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 1,006 अंक की बढ़त के साथ 80,000 अंक से ऊपर बंद हुआ।तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,005.84 अंक या 1.27 प्रतिशत उछलकर 80,218.37 अंक पर बंद हुआ। इसमें से 23 शेयर लाभ में रहे और सात शेयर नुकसान में रहे। कारोबार के दौरान यह 1,109.35 अंक या 1.40 प्रतिशत बढ़कर 80,321.88 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 289.15 अंक या 1.20 प्रतिशत बढ़कर 24,328.50 पर बंद हुआ। आईटी को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्रों ने इस तेजी में भाग लिया, जिसमें फार्मा, ऊर्जा और ऑटो सबसे अधिक लाभ में रहे। रिलायंस इंडस्ट्रीज 5.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ सेंसेक्स के शेयरों में सबसे अधिक लाभ में रही। तेल से लेकर खुदरा क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी ने मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ में 2.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो बाजार अनुमानों से अधिक है। महिंद्रा और महिंद्रा के शेयरों में 2.29 प्रतिशत का उछाल दिखा। ऑटो क्षेत्र की कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एसएमएल इसुजु के 555 करोड़ रुपये के अधिग्रहण की घोषणा की और कहा कि यह अधिग्रहण कंपनी के लिए एक बेहतर रणनीतिक फैसला है, जो इसे और मजबूत स्थिति में लाएगा। दूसरी ओर, एसएमएल इसुजु लिमिटेड के शेयरों में 10 प्रतिशत की गिरावट आई।सन फार्मा, टाटा स्टील, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टूब्रो और आईसीआईसीआई बैंक भी सेंसेक्स में लाभ में रहे। एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले और हिंदुस्तान यूनिलीवर पिछड़ने वालों में शामिल थे। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 2,952.33 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। विदेशी निवेशकों ने पिछले सप्ताह देश के शेयर बाजारों में 17,425 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले 18 अप्रैल को समाप्त अवकाश-रहित सप्ताह में 8,500 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था। उन्होंने कहा, घरेलू बाजार ने पिछले सप्ताह के अंतिम दो दिनों में हुई हानि से उबर लिया है, जो सीमा पर तनाव के कारण हुई थी। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, एफआईआई की ओर से निरंतर खरीदारी और आरआईएल के बेहतर नतीजों ने भी निवेशकों की धारणा को बढ़ावा दिया। डॉलर के कमजोर होने और अमेरिका में मुद्रास्फीति के दबाव के कारण एफआईआई घरेलू बाजार की ओर आकर्षित हो सकते हैं। बीएसई मिडकैप सूचकांक 1.34 प्रतिशत और स्मॉलकैप सूचकांक 0.39 प्रतिशत चढ़ा। बीएसई के क्षेत्रीय सूचकांकों में ऊर्जा (3.02 प्रतिशत), तेल एवं गैस (2.90 प्रतिशत), पूंजीगत वस्तुएं (1.93 प्रतिशत), स्वास्थ्य सेवा (1.60 प्रतिशत), धातु (1.59 प्रतिशत), बैंकेक्स (1.53 प्रतिशत) और रियल्टी (1.41 प्रतिशत) में तेजी रही। आईटी और बीएसई फोकस्ड आईटी में गिरावट रही। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, सप्ताहांत में भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी प्रमुख भू-राजनीतिक घटनाक्रम की अनुपस्थिति, साथ ही वैश्विक बाजारों में स्थिरता ने दबाव को कम किया और एक सकारात्मक शुरुआत की। इसके अतिरिक्त, सूचकांक में भारी वजन वाली रिलायंस के नतीजों के बाद उसके शेयरों में मजबूती ने भी सत्र के आगे बढ़ने के साथ इस कदम को और समर्थन दिया।

चांदी 1,671 गिरकर 96,013 किलो पर आई

सोना 211 कम होकर 95,420 पर आया, कैरेट के हिसाब से देखें सोने की कीमत

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। यानी 28 अप्रैल को सोने और चांदी में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 211 कम होकर 95,420 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 95,631 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 1,671 गिरकर 96,013 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 97,684 प्रति किलो था। वहीं सोने ने 21 अप्रैल को 1 लाख का और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,170 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,310 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,530 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,400 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 97,530 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,530 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,580 रुपए है।

हैदराबाद : सोने की दर 24 कैरट के लिए रुपए 97530 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रुपए 89400/10 ग्राम।

30 अप्रैल को मनाई जाएगी अक्षय तृतीया

इस साल 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया मनाई जाएगी। इस दिन हमारे देश में सोना खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसे में लोग इस दिन सोने की खरीदारी करते हैं। कई लोग इस सोच के साथ सोना खरीदते हैं कि बुरे वक्त में वे इसका इस्तेमाल कर सकेंगे।

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 5.9 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर फरवरी के 2.7 प्रतिशत से मामूली बढ़कर मार्च 2025 में तीन प्रतिशत हो गयी। सोमवार को इससे जुड़े आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए। हालांकि, सालाना आधार पर मार्च में वृद्धि दर पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने के 5.5 प्रतिशत से कम रही। इसका मुख्य कारण विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों का खराब प्रदर्शन रहा। सरकार ने इस महीने की शुरुआत में जारी 2.9 प्रतिशत के अनंतिम अनुमान से फरवरी 2025 के लिए औद्योगिक विकास के आंकड़े को भी संशोधित कर 2.7 प्रतिशत कर दिया। आंकड़ों से पता चलता है कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा गया कारखाना उत्पादन मार्च 2024 में 5.5 प्रतिशत बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों से यह भी पता चला है कि विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि मार्च 2025 में मामूली रूप से घटकर 3 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.9 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों से यह भी पता चला है कि विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि मार्च 2025 में मामूली रूप से घटकर 3 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.9 प्रतिशत थी।

आरबीआई गवर्नर ने स्टार्टअप पर दिया जोर

कहा– युवा अब एमएनसी में नौकरी करने की जगह उद्यमी बनना कर रहे पसंद

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्टार्टअप पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में भारत की युवा पीढ़ी की मानसिकता बदली है। अब युवा बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) में नौकरी की तलाश करने के बजाय उद्यमी बनना पसंद कर रहे हैं।

वॉशिंगटन डीसी में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और अमेरिका-भारत सामरिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा आयोजित अमेरिका-भारत आर्थिक मंच में अपने भाषण में गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि जब मैंने कॉलेज छोड़ा तो एमएनसी में नौकरी करना मेरा पसंदीदा विकल्प था। किसी ने भी अपना खुद का उद्यम शुरू करने के बारे में नहीं सोचा था। हाल के वर्षों में बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग और प्रबंधन स्नातक उद्यमिता और स्टार्ट-अप की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमिता की इस बढ़ती संस्कृति ने भारत को एक मजबूत स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बनाने में मदद की है। देश में लगभग 150,000 मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप हैं, जिन्हें स्टार्ट-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसी सरकारी पहलों का समर्थन प्राप्त है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारत में अब दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी संख्या में यूनिकॉर्न हैं, जिनमें से कई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे उच्च तकनीक क्षेत्रों से उभर रहे हैं। भारत ने वैश्विक नवाचार सूचकांक में भी अपनी स्थिति में सुधार किया है। यह 2015 के 81वें स्थान से चढ़कर 2024 में 39वें स्थान पर आ गया है। निम्न-मध्यम आय वाले देशों में भारत अब पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि यह जानकर खुशी होती है कि भारत तेजी से नौकरी चाहने वालों की बजाय नौकरी देने वालों का देश बनता जा रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधार से जोड़ने जैसी विभिन्न योजनाओं के डिजिटलीकरण से भारी बचत हुई है। राज्य सरकारों को समय पर धन मिलने से केंद्र सरकार को अपने नकदी प्रवाह को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में भी मदद मिली है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) जैसी पहलों ने सरकारी खर्च की दक्षता में काफी सुधार किया है। जिससे मार्च 2023 तक लगभग 40 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बचत हुई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

चंद्र २ गुरु | शु रा शुक्र बुध १२ | सूर्य १ | ११ | ३ | मंगल ४ | १० | ५ | ७ | ९ | ६ केतु | ८

ग्रह स्थिति / **लग्नारंभ समय**

ग्रह	राशि		लग्न	समय
सूर्य-	मेष	मे	मेष---	05-04 बजे
चंद्र-	वृष	मे	वृष---	06-48 बजे
मंगल	कर्क	मे	मिथुन..	08-49 बजे
बुध-	मीन	मे	कर्क---	11-01 बजे
गुरु-	वृष	मे	सिंह---	13-13 बजे
शुक्र-	मीन	मे	कन्या---	15-20 बजे
शनि-	मीन	मे	तुला----	17-25 बजे
राहु-	मीन	मे	वृश्चिक--	19-36 बजे
केतु-	कन्या	मे	धनु......	21-50 बजे
			मकर...	23-55 बजे
			कुंभ....	01-45 बजे
			मीन....	03-24 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- ग्रीष्म

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-54 सूर्यास्त - 18-32

भोग्य कलि वर्ष-426874

कलियुग संवत् -5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् -1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले

तिथि- द्वितीया 17-31 तक उपरान्त तृतीया

मास - वैशाख शुक्ल , मंगलवार 29 April

नक्षत्र - कृत्तिका 18-46 तक उपरान्त रोहिणी

योग - सौभाग्य 15-53 तक उप शोभन

करण- बालव 07-09 तक उप कौलव

विशेष:- श्री परशुराम ज.

व्रत -त्योहार - श्री शिवाजी ज.

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:24 से 16:59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05:54 - 07:28	अशुभ	काल	18:32 - 19:59	अशुभ
उत्पात	07:28 - 09:03	अशुभ	लाभ	19:59 - 21:24	शुभ
चंचल..	09:03 - 10:38	शुभ	उत्पात	21:24 - 22:49	अशुभ
लाभ	10:38 - 12:14	शुभ	शुभ	22:49 - 00:13	शुभ
अमृत	12:14 - 13:49	शुभ	अमृत	00:13 - 01:38	शुभ
काल	13:49 - 15:24	अशुभ	चंचल	01:38 - 03:03	शुभ
शुभ.	15:24 - 16:59	शुभ	रोग	03:03 - 04:27	अशुभ
रोग.	16:59 - 18:32	अशुभ	काल	04:27 - 05:54	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है । परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है । आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा । पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें । पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें । इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप इस वक़्त अलौकिक घटनाओं से प्रभावित रहेंगे । आप आज अपना दिन किसी रहस्यमयी मुद्दे की खोजबीन में बिताना चाहते हैं और कोई रहस्यमयी फिल्म या उपन्यास देख/पढ़ सकते हैं । आप किसी रहस्य पर से पर्दा उठाने का फैसला भी ले सकते हैं या किसी स्थिति/व्यक्ति के बारे में और अधिक जानने की कोशिश करेंगे।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे ।आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है । आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं । आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे । अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें। उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं । आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी । आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे। समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है । इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो । समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा । आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है । आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें और बदतमीज हुए बिना ही अपनी बात को समझाने से कोशिश करें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं । हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें । इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे । भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है । आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है । आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पहलगाम घटना के बाद मुकेश अंबानी की हुई सबसे बड़ी जीत, 222 मिनट में कमाए 88,569 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम घटना के बाद देश ही नहीं बल्कि एशिया के सबसे बड़े कारोबारी ने मुकेश अंबानी ने घायलों का इलाज फ्री में करने का ऐलान किया था। किसी को क्या पता था, कुछ दिनों में मुकेश अंबानी को इतनी बड़ी जीत हासिल होगी। शुक्रवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज, रिटेल और टेलीकॉम के आंकड़े सामने आए थे। रिटेल और टेलीकॉम की कमाई में अनुमान से ज्यादा इजाफा देखने को मिला था। फिर क्या था, सोमवार को इसकी वजह से शेयर बाजार में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। खास बात तो ये है कि देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में 88,569 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला। खास बात तो ये है कि रिलायंस को ये कमाई करीब 222 मिनट में हुई है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मुकेश अंबानी की कंपनी को शेयर बाजार में कितना फायदा हुआ है।बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। आंकड़ों को देखें तो कंपनी का शेयर करीब 5 फीसदी की तेजी के साथ 1,364.90 रुपए पर कारोबार कर रहा है। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी का शेयर 1,365.50 रुपए के साथ दिन के हाई पर भी पहुंच गया था।वैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर तेजी के साथ 1,332.35 रुपए पर ओपन हुआ था। शुक्रवार को कंपनी का शेयर 1,300.05 रुपए पर बंद हुआ था। 8 जुलाई 2024 को कंपनी का शेयर 1,608.95 रुपए के साथ रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया था। कंपनी का शेयर रिकॉर्ड हाई से अभी भी करीब 15 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है।

222 मिनट में कमाए 88,569 करोड़

खास बात तो ये है कि शेयर बाजार खुलने के 222 मिनट के बाद कंपनी के मार्केट कैप में 88,569 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला। आंकड़ों को देखें तो कंपनी का शेयर 1,365.50 रुपए पर आया तो कंपनी का मार्केट कैप 18,47,845.52 करोड़ रुपए पर आ गया था। शुक्रवार को शेयर बाजार बंद होने के बाद कंपनी का मार्केट कैप 17,59,276.14 करोड़ रुपए पर था। इसका मतलब है कि कंपनी के मार्केट कैप में 88,569.38 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है।वहीं दूसरी ओर शेयर बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। आंकड़ों के अनुसार बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज 1004.91 अंकों की तेजी के साथ 80,217.44 अंकों पर कारोबार कर रहा है। वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक निफ्टी करीब 300 अंकों की तेजी के साथ 24,331.65 अंकों पर कारोबार करता हुआ दिखाई दे रहा है। कारोबारी सत्र के दौरान निफ्टी 24,355.10 अंकों पर भी पहुंच गया था।

नए रिजीम में 19.20 लाख रुपये की इनकम भी होगी टैक्स-फ्री, ये है कैलकुलेशन

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बजट 2025 में 12 लाख तक की इनकम को टैक्स फ्री कर दिया है. न्यू टैक्स रिजीम के तहत जो लोग 12 लाख रुपये तक सालाना कमाएंगे, उन्हें एक भी रुपया टैक्स नहीं देना होगा. इसके अलावा 75 हजार रुपये का टैक्स डिडक्शन भी मिलेगा. कुल मिलाकर 12.75 लाख पर जीरो टैक्स लगेगा. लेकिन क्या आपको पता है कि कुछ तरीके ऐसे हैं, जिन्हें अपनाने पर 19.20 लाख रुपये तक की सालाना इनकम टैक्स फ्री हो जाएगी. आइए जानते हैं कि 19 लाख से ज्यादा की कमाई पर कैसे आपका जीरो टैक्स बनेगा.न्यू टैक्स रिजीम में आपको 19.20 लाख की इनकम तक टैक्स की छूट के लिए बस एनपीएस स्कीम में निवेश करना होगा, जिससे आपकी टैक्सेबल इनकम कम होगी और आप टैक्स फ्री हो जाएंगे. एनपीएस पर आपका टैक्स काउंट कैसे होगा. कितना निवेश करना है. यह सब जानने से पहले ये समझते हैं कि आपकी 19.20 लाख की सालाना इनकम का सैलरी स्ट्रक्चर क्या होगा.

सैलरी स्ट्रक्चर

अगर आप सालाना 19.20 लाख रुपये कमाते हैं, तो उसमें इन हैंड पूरे पैसे नहीं मिलेंगे. यह आपका सीटीसी रहेगा. उसमें से बेसिक पे 6 लाख होगा. पर्सनल अलाउंस 5 लाख 50 हजार होगा. मिनिमम पीएफ कंट्रीब्यूशन 21,600 होगा. ग्रेच्युटी 28,800 रुपये. वेरिएबल 96,000 और Flexi pay tax-free components के 6,23,600 होंगे.

ऐसे नहीं देनी होगी फूटी कौड़ी

न्यू टैक्स रिजीम में सरकार की ओर 75 हजार रुपये का टैक्स डिडक्शन मिलता है. इस हिसाब से 19.20 लाख 18,45,000 हो जाएंगे. अगर कोई इंसान इस पर नेशनल पेंशन सिस्टम को ऑप्ट करता है, तो उसे बेसिक सैलरी पर 14 प्रतिशत की छूट मिलेगी. बेसिक सैलरी 6 लाख का 14 प्रतिशत 84 हजार रुपये होंगे. मतलब एनपीएस के बाद 18,45,000-84,000 = 17,61,000 की इनकम बचेगी.

फ्लेक्सी पे टैक्स फ्री

इसके अलावा सैलरी ज्यादा होने पर फ्लेक्सी पे टैक्स फ्री कंपोनेंट्स का फायदा मिलता है, जिसमें इस सैलरी के हिसाब से कंवेसके 2,85,600 होंगे. बुक्स और पत्रिकाएं के 1,08,000 रुपये होंगे. एंटरटेनमेंट के लिए 2,40,000 रुपये और यूनिफॉर्म के लिए सालाना 90,000 रुपये कटेंगे. कुल मिलाकर यह रकम 6,23,600 होगी, जिसे अगर हम 17,61,000 से घटाएं तो टैक्सेबल इनकम 11,37,400 रुपये बनेगी. चूंकि सरकार ने न्यू टैक्स रिजीम में 12 लाख तक की इनकम को टैक्स फ्री किया है, तो इस हिसाब से 19.20 लाख के सीटीसी वाले को जीरो टैक्स देना होगा.

शेयर मार्केट में उछाल के बीच 16% गिरा टाटा ग्रुप का यह शेयर, धड़ाधड़ क्यों बेचने लगे लोग?

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। शेयर बाजार में तेजी के बीच टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयरों में आज भारी गिरावट रही। बीएसई पर कंपनी का शेयर 15.6% तक गिरकर 726.10 रुपये पर आ गया। इसकी वजह यह है कि कंपनी को पिछली तिमाही में 71.80 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। तेजस नेटवर्क्स को मार्च 2025 में समाप्त तिमाही में 71.80 करोड़ रुपये का घाटा हुआ जबकि पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 146.78 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। चार तिमाहियों में लगातार मुनाफा होने के बाद यह कंपनी का पहला तिमाही नुकसान है। तेजस नेटवर्क्स ने शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद अपने नतीजे घोषित किए थे। चौथी तिमाही में तेजस नेटवर्क्स की कुल कमाई बढ़कर 1,906.94 करोड़ रुपये हो गई है। पिछले साल यह 1,326.88 करोड़ रुपये थी। लेकिन कंपनी का मुनाफा बहुत कम हो गया। मार्च तिमाही में कंपनी ने अपने पुराने सामान के लिए 117 करोड़ रुपये का प्रॉविजन किया जो पूरे साल के लिए 181 करोड़ रुपये है। कंपनी ने साथ ही 22 करोड़ रुपये के खर्च को भी बट्टे खाते में डाल दिया। शुक्रवार को कंपनी का शेयर लगभग 3% गिरकर 859.85 रुपये पर बंद हुआ था। पिछले एक साल में इसमें लगभग 25.6% गिरावट आई है। पिछले एक सप्ताह में लगभग 11% गिर गया है। यह अपने 52-सप्ताह के उच्च स्तर 1,495 रुपये से लगभग 50% नीचे है।कंपनी ने कहा है कि वित्तीय वर्ष 2026 के लिए उसके पास घरेलू बाजार में एक बड़ा अवसर है। इसमें सरकार की एक बड़ी परियोजना शामिल है। कंपनी को उम्मीद है कि निजी और सार्वजनिक दोनों बाजारों में उसके ग्राहक और एप्लिकेशन बढ़ेंगे। कंपनी अपनी वैश्विक बिक्री को भी बढ़ाने की कोशिश कर रही है। तकनीकी रूप से देखें तो यह स्टॉक अपने सभी आठ प्रमुख सरल मूविंग एवरेज (एसएमए) से नीचे कारोबार कर रहा है। इसमें 50-दिन, 100-दिन, 150-दिन और 200-दिन के एसएमए शामिल हैं।

रायगढ़ में पकड़ाए पाकिस्तानी भाई-बहन

कराची में जन्मे, मां की शादी भारत में हुई, गलत जानकारी देकर बनवाया फर्जी वोटर आईडी

रायगढ़, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में 2 पाकिस्तानी भाई-बहन पर कार्रवाई की गई है। इनके पास वैध पासपोर्ट और लॉन्ग टर्म वीजा था, लेकिन फर्जी तरीके से मतदाता पत्र बनवाया गया था। जिसे देखते हुए पुलिस ने अपराध दर्ज किया है।

मामला जूटमिल थाना इलाके का है। मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस की ओर से बाहरी राज्यों से आए लोगों को लेकर जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी बीच जूटमिल थाना प्रभारी को सूचना मिली कि ग्राम कोडातराई में याकूब शेख के मकान में दो पाकिस्तानी नागरिक रह रहे हैं।

पूछताछ में पता चला कि, अर्निश शेख और इफ्तिखार शेख दोनों भाई-बहन हैं और पाकिस्तानी नागरिक हैं। दोनों ने भारतीय नागरिकता प्राप्त किए बिना अवैध रूप से मतदाता परिचय पत्र बनवा लिया है। इसके बाद जूटमिल थाना प्रभारी ने मामले की जानकारी अपने उच्च अधिकारियों को दी। साथ ही टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। मौके पर वीजा, पासपोर्ट, मतदाता परिचय पत्र और बैंक पासबुक जैसे दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में पाया गया कि पासपोर्ट पाकिस्तान का है और एलटीवी (लॉन्ग टर्म वीजा) वैध (सही) है। सिर्फ मतदाता कार्ड गलत है। दोनों ने भारत निर्वाचन आयोग के फॉर्म नंबर 6 में गलत जानकारी देकर ये कार्ड बनवाया था। ऐसे में पुलिस ने इफ्तिखार शेख (29 साल) और अर्निश शेख (25 साल) के खिलाफ धारा 199, 200, 419, 467, 468, 34 के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें रिमांड में जेल भेज दिया है।

जूटमिल थाना प्रभारी प्रशांत राव आहेर ने बताया कि, माताजी पाकिस्तान की है उनका अभी देहांत हो चुका है। उनकी शादी भारत में हुई थी। वह डिलीवरी के लिए पाकिस्तान गई थी। इफ्तिखार शेख और अर्निश शेख का जन्म पाकिस्तान के लांडी, कराची में हुआ है।

इसी के चलते उनके पास भारत की नागरिकता नहीं है। दोनों अभी कोडातराई में रह रहे थे। पासपोर्ट वीजा सभी वैध पाए गए, सिर्फ फर्जी तरीके से मतदाता परिचय पत्र बनवाया था। फिलहाल आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड अब ऑनलाइन लेगा संपत्ति किराया

देश का पहला वक्फ बोर्ड जो हुआ ऑनलाइन, मस्जिदों-मदरसों का अकाउंट खुला

रायपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड देश का ऐसा पहला वक्फ बोर्ड है, जो अब वक्फ संपत्ति का किराया ऑनलाइन लेगा। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने इस संबंध में निर्देश जारी किया है। इस निर्णय के तहत प्रदेश के सभी जिलों की मस्जिदों का अकाउंट ऑनलाइन खुलवाया गया है। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के पदाधिकारियों ने बताया कि, वक्फ की कितनी संपत्ति कहां है? किस संपत्ति से कितना पैसा आ रहा है? किस संपत्ति के विकास में कितना खर्च हो रहा है? इन सबकी जानकारी रखने के लिए इस फैसले को लिया गया है। वक्फ के पदाधिकारियों ने बताया कि, वक्फ बोर्ड की 500 करोड़ की संपत्ति पूर्व पदाधिकारियों की मदद से कब्जे में चली गई। इस नई प्रक्रिया से संपत्ति की आवक के साथ संपत्ति की निगरानी में भी आसानी होगी। उस मामले की शिकायत छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन को की है।

धनबाद से गिरफ्तार 4 संदिग्ध निकले आतंकी

आईएसआई समेत दूसरे टैरर ग्रुप के लिए स्लीपर सेल कर रहे थे तैयार, एनआईए की टीम करेगी पूछताछ

रांची, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। धनबाद के वासेपुर से गिरफ्तार 4 संदिग्ध आतंकवादी संगठन के सदस्य निकले हैं। झारखंड एटीएस ने चारों संदिग्धों को शनिवार को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार संदिग्धों में गुलफाम हसन, आयान जावेद, शहजाद और शबनम परवीन थे।

एटीएस की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि ये सभी आतंकी संगठन हिज्ब-उत-ताहिर (एचयूटी), अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस), आईएसआई और अन्य प्रतिबंधित संगठनों के लिए स्लीपर सेल तैयार कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि ये सभी सोशल मीडिया की मदद से युवाओं को गुमराह कर रहे थे। पूछताछ के बाद चारों को जेल भेज दिया गया है।

एनआईए की जांच में यह खुलासा हो चुका है कि हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, और आंध्र प्रदेश में तेजी से स्लीपर सेल तैयार कर रहा है। अब झारखंड के धनबाद में भी इस संगठन से जुड़े संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। संभावना है कि इस मामले में एनआईए की एंट्री हो सकती है। धनबाद से गिरफ्तार चारो संदिग्ध युवा हैं। सभी की उम्र 30 साल से कम है।

वासेपुर से शबनम परवीन को गिरफ्तार कर ले जाती टीम।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार आयान और शबनम कंप्यूटर के एक्सपर्ट हैं। ये दोनों स्लीपर सेल को हैंडल करने की जिम्मेदारी थी। एटीएस ने उनसे पेन ड्राइव, कंप्यूटर का हार्ड डिस्क, मोबाइल समेत कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किया है।

धनबाद में भी स्लीपर सेल बनाने की तैयारी कर रहे थे। उनकी योजना थी कि स्लीपर सेल के माध्यम से विभिन्न इलाकों में हमलों को अंजाम दिया जाए और अशांति फैलाई जाए। माना जा रहा है कि रांची, लोहरदगा के बाद धनबाद के युवाओं को जोड़ने की तैयारी थी।

जांच एजेंसियां रांची के चान्हो और लोहरदगा से आतंकी संगठनों से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी कर चुकी है। लोहरदगा के मिल्लत कॉलोनी से फैजान अंसारी नाम के युवक को एनआईए ने गिरफ्तार किया था। फैजान आईएसआईएस के संपर्क में आकर प्रभावित हो गया था। इसके बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) से जुड़े डॉ. इश्तियाक को बरियातू और चान्हो से मदरसा संचालक को गिरफ्तार किया था। ये भी युवाओं को संगठन से जोड़ कर उन्हें राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए हथियार प्रशिक्षण देने की योजना बना रहे थे।

हिज्ब-उत-तहरीर का गठन साल 1953 में येरूशलम में हुआ था। केंद्र सरकार ने आतंकी गतिविधियों से जुड़े होने के आरोप में अक्टूबर 2024 में ग्रुप को बैन कर दिया था। इस पर नागरिकों को जिहाद के नाम पर आईएसआई में शामिल कराने का आरोप है।

आयान का अमन सोसाइटी में बड़ा मकान है। इसके बावजूद वह तीन महीने से पत्नी शबनम के साथ शमशेर नगर में किराए पर रहता था। शबनम बच्चों को अंग्रेजी, उर्दू और हिंदी पढ़ाती थी। आयान ने बाइपास रोड में द ब्रांड हाउस के नाम से कपड़ों का शोरूम खोल रखा था।

जंगल में एक ही फंदे से लटकते मिले प्रेमी-जोड़े

2 दिन पहले घर से निकला था युवक, लड़की की नहीं हो पाई पहचान

सूरजपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। सूरजपुर जिले में प्रेमी-प्रेमिका की लाश एक ही फंदे से लटकती मिली है। युवक की पहचान बृज नगर निवासी छोटू सिंह (20) के रूप में हुई है। वहीं लड़की की पहचान नहीं हो पाई है। छोटू सिंह 26 अप्रैल को अपने घर से निकला था लेकिन लौटा नहीं, जिसके शव को गांव के वालों ने ही पहचान की है।

घाघी कोन्हा के जंगल में दोनों ने एक ही चुन्नी से बने फंदे से फांसी लगाई है। मामला जयनगर थाना क्षेत्र के लटोरी चौकी इलाके का है।

सोमवार सुबह दोनों के शव को बरामद कर लिया गया है। दोनों ने किस कारण साथ मरने का फैसला किया इसकी जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक शवों की स्थिति से आत्महत्या का मामला लग रहा है। मौके पर सुसाइड नोट नहीं मिला। फिलहाल पुलिस प्रेम-प्रसंग में आत्महत्या और अन्य एंगल से जांच कर रही है। दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

युवती कौन थी, इसका अब तक पता नहीं चल पाया है। न तो गांव में कोई उसे पहचानता है, न ही आस-पास के इलाकों में उसकी कोई जानकारी मिली है।

लटोरी पुलिस चौकी प्रभारी अजय गुप्ता ने बताया कि आसपास के थाना और चौकी क्षेत्रों में शव मिलने की जानकारी दी गई है। सोशल मीडिया में भी फोटो वायरल कर पहचान की कोशिश की जा रही है। युवक के परिजन भी युवती की पहचान नहीं कर सके हैं।

निशिकांत बोले-शादी की आड़ में भारत में बसते हैं पाकिस्तानी

शादियों के पीछे की मंशा की जांच जरूरी, केंद्र सरकार को और सख्ती बरतनी चाहिए

रांची, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को लेकर विवादास्पद बयान दिया है। दुबे ने कहा कि जो पाकिस्तानी नागरिक वीजा पर भारत में रह रहे हैं, खासकर वे जो विवाह के जरिए यहां बसने की कोशिश कर रहे हैं, उनके मामलों की गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि वीजा प्रणाली में पारदर्शिता बेहद जरूरी है और इस दिशा में केंद्र सरकार को और सख्ती बरतनी चाहिए।

सांसद निशिकांत दुबे मीडिया को दिए बयान में कहा- जब सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की, तब दो प्रकार के वीजा सामने आए। वह अलार्मिंग है। उनकी गहन जांच की आवश्यकता है।

एक सामान्य और दूसरा विशेष श्रेणी का वीजा। खास बात यह रही कि इस विशेष श्रेणी वाले वीजा के तहत कई पाकिस्तानी लड़कियां यहां ब्याही गई हैं। वो भारत की नागरिक बन नहीं सकती हैं। वर्षों-वर्षों से यहां रह रही हैं। पाकिस्तान के लड़के भी यहां ब्याहे गए हैं।

उन्होंने सवाल उठाया कि इन शादियों के पीछे कोई छिपा हुआ एजेंडा है। इसकी गहन जांच जरूरी है। निशिकांत दुबे ने कहा कि क्या अब भारत और पाकिस्तान में अपने ही समाज में रिश्ते नहीं मिलते, जो इस तरह की शादियां हो रही हैं।

उन्होंने 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की चर्चा की और शत्रु संपत्ति अधिनियम का जिक्र करते हुए कहा कि उस वक्त जो लोग पाकिस्तान चले गए थे, उनकी संपत्तियां भारत सरकार द्वारा जब्त कर ली गई थीं।

ऐसे में अगर आज भारत की बेटियों की शादी पाकिस्तान में कर दी जाए या पाकिस्तानी बेटियों को भारत में लाकर बसाया जाए, तो यह देशभक्ति पर सवाल खड़े करता है। ऐसा नहीं लगता कि ऐसा जानबूझ कर किया गया है। ऐसे में पहले इनसे भी निपटने की आवश्यकता है। बता दें कि हाल ही में भारत सरकार ने कुछ पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की है।

तेज बारिश के साथ गिरे ओले

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में पारा 10 डिग्री लुढ़का ओलावृष्टि से धान की फसल खराब, 12 जिलों में अलर्ट

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में सोमवार सुबह जमकर बारिश हुई और ओले भी गिरे। अमरकंटक इलाके में तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और ओलावृष्टि हुई है। अमरपुर में बर्फ की मोटी परत खेतों में जम गई जिससे धान की फसल खराब हो गई है।

कल तक जहां तापमान 43 डिग्री सेल्सियस था, वहीं आज यह 33 डिग्री तक पहुंच गया। इस तरह तापमान में 10 डिग्री की कमी दर्ज की गई।अचानक मौसम बदलने से सड़कों पर आवागमन प्रभावित हुआ है। बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं, 12 जिलों में मौसम विभाग ने बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है।

तेज हवाओं और बारिश के कारण शहरी क्षेत्र समेत आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। कई घंटों से बिजली गुल है। ओलावृष्टि से आम, चार, तेंदू और

जामुन की फसलों को नुकसान की आशंका है।

मौसम विभाग ने पहले ही तेज हवाओं, ओलावृष्टि और बारिश को लेकर अलर्ट जारी कर दिया था। आने वाले दिनों में भी मौसम में बदलाव की संभावना जताई गई है। छत्तीसगढ़ में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण मौसम बदला हुआ है। तेज गर्मी के बीच हुई बरसात से लोगों को राहत मिली है। मौसम विभाग ने आज भी 5 जिलों बलौदाबाजार, कोरबा, रायगढ़, जशपुर और सरगुजा के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं रायपुर, धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद सहित कुछ हिस्सों के लिए यलो अलर्ट है। यहां गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। इससे पहले रविवार देर शाम को रायपुर, बिलासपुर और पेंड्रा सहित कई हिस्सों में अंधड़ के साथ तेज बारिश हुई। कुछ देर की बरसात ने लोगों को गर्मी से राहत दी है। जगदलपुर में दिन का पारा 9 डिग्री लुढ़का है।

मधुपुर रेलवे स्टेशन पर अवैध शराब पकड़ी गई

कोलकाता-झांसी एक्सप्रेस में तलाशी, एस-3 कोच से मिली 43 बोतल विदेशी शराब

देवघर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। मधुपुर रेल पुलिस ने कोलकाता-झांसी एक्सप्रेस से अवैध शराब की खेप बरामद की है। गाड़ी संख्या 22197 के एस-3 कोच के बाथरूम के पास से 43 बोतल हार्वर्डस 5000 व्हिस्की बरामद हुई है।

थाना प्रभारी कार्तिक महतो के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर खड़ी ट्रेन की जांच के दौरान दो थैलों में छिपाकर रखी गई शराब मिली। प्रत्येक बोतल की कीमत 110 रुपए है और कुल बरामद शराब की कीमत 4,730 रुपए है।

इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार, तस्कर बंगाल और झारखंड से बिहार में बड़ी मात्रा में शराब की तस्करी कर रहे हैं। इससे पहले भी मधुपुर आरपीएफ ने शराब की बड़ी खेप जब्त की थी। कार्रवाई के दौरान सब इंस्पेक्टर प्रेम टोप्पो, कांस्टेबल दीपक कुमार सिंह, रहबरे इस्लाम, परमानंद यादव समेत अन्य जवान मौजूद थे।

सड़क हादसे में तीन भाइयों की मौत

बहन के घर से लौट रहे थे वापस गांव, परिजनों ने कहा था रात में नहीं जाने के लिए

गुमला, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। गुमला में रविवार देर रात रोड एक्सीडेंट में तीन भाइयों की मौत हो गई। हादसा अज्ञात वाहन और बाइक के बीच हुई जोरदार टक्कर की वजह से हुआ। तीनों युवक एक ही बाइक से गांव लौट रहे थे और इनमें से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। घटना सदर थाना क्षेत्र के खरका चौक के पास हुई। मृतकों की पहचान चेगरी निवासी शिवचरण उरांव, अरंगी झरिया टोली निवासी रोहित उरांव और सतीश उरांव के रूप में की गई। रोहित और सतीश सगे भाई थे। जबकि शिवचरण इनका चचेरा भाई था। तीनों की उम्र 18 साल थी। तीनों बहन के घर से रात में वापस घर लौट रहे थे। बहन के ससुराल वालों ने इन्हें रात में जाने से मना भी किया था पर इन्होंने किसी की बात नहीं सुनी।

इधर, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही टोटो थाना के एसआई इमानुएल कोंगाड़ी मौके पर पहुंचे। रात 11:30 बजे तीनों को जख्मी हालत में सदर अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

परिजनों के अनुसार, रोहित और सतीश की सगी बहन की हाल ही में चंदाली गांव में शादी हुई थी। तीनों युवक रविवार को बहन के ससुराल आए थे।

युवकों के माता-पिता भी कुछ सामान लेकर बेटी के घर आए थे। रात का खाना खाने के बाद तीनों युवकों ने अपने गांव लौटने का फैसला किया। लोगों ने उन्हें रात में न जाने की सलाह दी, लेकिन वे नहीं माने। तीनों बाइक पर सवार होकर अपने गांव की ओर निकल गए। जैसे ही वो खरका चौक के पास पहुंचे, सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

खड़ी बस से पिकअप की टक्कर

आसनसोल से मछली ले कर आ रहा था पिकअप चालक की मौत, बस मालिक हुआ घायल

गिरिडीह, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के बगोदर जीटी रोड स्थित औरा के समीप एक खड़े बस में उसी दिशा से आ रही तेज रफ्तार मछली लदा पिकअप वैन ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना के दौरान मछ्ली लदा वैन के चालक की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं बस मालिक शमशेर अंसारी भी घायल हो गए।

सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची बगोदर पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन एवं शव को कब्जे में ले लिया। साथ ही आगे की कार्रवाई में जुट गई।

घटना को लेकर बताया जाता है कि जीटी रोड स्थित औरा के समीप कादरी नामक बस खराब हो गया था। बस मालिक शमशेर अंसारी बस की जांच कर रहा था कि तभी अचानक आसनसोल से मछली लोड कर सरिया जा रहे तेज रफ्तार पिकअप वेन ने पीछे से बस में जोरदार टक्कर मार दिया। घटना में पिकअप वैन के बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक की दर्दनाक मौत हो गई तो वही बस मालिक शमशेर अंसारी भी इसके चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

मोबाइल टॉर्च की रोशनी में डिलीवरी

गरियाबंद के अस्पताल में 8 घंटे बिजली गुल एंबुलेंस तक नहीं, 80 हजार की आबादी निर्भर

गरियाबंद, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में मोबाइल टॉर्च की रोशनी से एक महिला की डिलीवरी कराई गई है। अमलीपदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 26 अप्रैल को 8 घंटे से बिजली सप्लाई बंद थी। उसी दौरान दाबरीगुड़ा से एक गर्भवती महिला प्रसव के लिए पहुंची थी। दर्द से तड़प रही महिला का इलाज तुरंत जरुरी था। इमरजेंसी में डॉक्टरों की टीम ने मोबाइल की रोशनी से ही डिलीवरी करवा दी। गर्भवती की डिलीवरी के दौरान डॉक्टर इंद्रजीत, नर्स वंदना लखरा और एक मितानिन मौजूद थी, जिन्होंने महिला का नॉर्मल प्रसव कराया। मां और नवजात दोनों स्वस्थ्य हैं।

जानकारी के मुताबिक, 2022 में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को अपग्रेड कर इसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया। लेकिन अभी तक यहां आवश्यक सुविधाएं नहीं दी गई हैं। इस अस्पताल पर 40 से अधिक वन और दूरस्थ गांवों की करीब 80 हजार की आबादी निर्भर है। लेकिन यहां इमरजेंसी के लिए एम्बुलेंस की सुविधा तक नहीं है। नर्स वंदना लखरा ने बताया कि, अस्पताल में इन्वर्टर की व्यवस्था नहीं थी। सोलर सिस्टम कम क्षमता के कारण काम नहीं कर रहा था। इसके अलावा यहां कोई सुरक्षा व्यवस्था भी नहीं है। नर्स ने सुरक्षा के लिहाज से सीसीटीवी कैमरा लगाने की भी मांग की।

प्रभारी चिकित्सक डॉ. इंद्रजीत ने बताया कि अस्पताल में सीसीटीवी और लाइट के लिए कई बार मांग रखी गई लेकिन कुछ नहीं हुआ। इसके साथ ही अस्पताल परिसर में बाउंड्री वॉल नहीं होने के कारण असामाजिक तत्वों का डेरा भी लगा रहता है। हालांकि महिला की स्थिति को देखते हुए सुरक्षित डिलीवरी कराई गई है। मितानिन ने बताया कि इतना बड़ा हॉस्पिटल होते हुए भी कोई सुविधा हमें नहीं मिल रही है। मरीज को रेफर करते हैं तो डॉक्टर डांटते है कि इतनी रात मरीज को कैसे ले आए। वहीं, जानकारी ये भी सामने आई है कि अस्पताल में 102 एंबुलेंस सेवा भी नहीं है।

प्रसव कक्ष और इमरजेंसी कक्ष में बिजली का बैकअप नहीं है। वैक्सीन सिस्टम सिर्फ सोलर पर निर्भर है। भवन की बाउंड्री वॉल नहीं है और सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगे हैं। स्टाफ और चिकित्सकों की भी कमी है। इन कमियों के कारण क्षेत्र के अधिकांश ग्रामीण निजी या अप्रशिक्षित चिकित्सकों की सेवाएं लेने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों का आंदोलन हुआ उग्र, सीओ ऑफिस में पथराव

तिसरी सीओ समेत 12 लोग घायल आक्रोशितों ने वाहनों के शीशे तोड़े

गिरिडीह, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। गिरिडीह में ग्रामीणों का आंदोलन सोमवार को अचानक उग्र हो गए। लोगों ने तिसरी अंचल कार्यालय में जमकर हंगामा किया। सीओ अखिलेश प्रसाद के कार्यालय पहुंचते ही प्रदर्शनकारियों ने पथराव शुरू कर दिया। गाड़ी के शीशे भी तोड़ दिए। किसान जनता पार्टी के कार्यकर्ताओंका अनिश्चितकालीन धरना चल रहा था।

इस घटना में सीओ समेत 12 लोग जख्मी हुए हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दरअसल, कुछ दिनों से सीओ ऑफिस के बाहर किसान जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का अनिश्चितकालीन धरना चल रहा था। वे रजिस्टर-2 की कॉपी और जमीन संबंधी अन्य मामलों के निष्पादन की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारी कार्यालय के मुख्य गेट के पास धरने पर बैठे थे। सीओ के कार्यालय पहुंचने पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। प्रदर्शनकारी किसी की बात मानने को तैयार नहीं थे। प्रदर्शनकारियों ने पथराव शुरू कर दिया।

उन्होंने ऑफिस और पुलिस वाहनों पर भी पथराव किया और उनके शीशे तोड़ दिए। इधर, सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लाठी चटकाकर भीड़ को तितर-बितर किया।

वहीं, कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद मामला शांत हो सका।

एएसआई ने बेटी को ढूंढने मां से 20,000 रिश्वत ली

बिलासपुर में कहा- मेरे साथ 3 पुलिसकर्मी राजस्थान जाएंगे, रहने-खाने के पैसे लगेंगे

बिलासपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक एएसआई ने 20 हजार रुपए की रिश्वत ली है। एक महिला की नाबालिग बेटी पिछले 4 महीनों से लापता है। वह थाने के चक्कर काट रही थी, लेकिन जांच में पता चला कि उसकी बेटी राजस्थान में है जिसे खोजकर लाने के एवज में एएसआई हेमंत पाटले ने पैसे की डिमांड की। थाने में इस पूरी घटना का वीडियो पीड़ित महिला के बेटे ने बनाया है जो अब वायरल हो रहा है।

जिसमें एएसआई अपने साथ 3 पुलिसकर्मियों के राजस्थान जाने और उसमें पैसे खर्च होने की बात कह रहा है। इसी दौरान रिश्वत के पैसे लेने के लिए एएसआई महिला को थाने के कमरे में बुलाता है। लेकिन महिला के साथ आ रहे उसके बेटे को वहां से भगा देता है। इसलिए पैसे लेने की घटना कैमरे में कैद नहीं हो सकी। वीडियो में पैसे की डिमांड करने के आधार पर एसएसपी रजनेश सिंह ने एएसआई को सस्पेंड कर दिया है।

दरअसल, कोटा क्षेत्र में रहने वाली महिला की 16 वर्षीय नाबालिग बेटी पिछले चार महीने से लापता है। महिला ने बेटी की तलाश की, पर वह नहीं मिली। जिसके बाद उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस अपहरण का केस दर्ज कर उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस की जांच में पता चला कि नाबालिग लड़की राजस्थान में है।

इस दौरान महिला ने अपनी बेटी को खोजकर लाने के लिए कहा, तब एएसआई हेमंत पाटले ने राजस्थान जाने के लिए खर्च लगने की बात कहते हुए कहा कि, उतना दूर जाकर उसे ढूंढना पड़ेगा। मैं अकेले नहीं जाऊंगा, मेरे साथ तीन और पुलिसकर्मी जाएंगे। वहां रहने खाने के लिए वह पैसे लगेंगे, और फिर पैसे की डिमांड की। वायरल वीडियो को एसएसपी रजनेश सिंह ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने महिला से पैसे लेने वाले एएसआई हेमंत पाटले को सस्पेंड कर दिया है। एसएसपी सिंह ने कहा कि एएसआई ने पुलिस रेग्युलेशन की सेवा शर्तों का उल्लंघन किया है। जिसके चलते यह कार्रवाई करते हुए उसे पुलिस लाइन भेज दिया है।

इजरायली मोसाद ने ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह में मचाई तबाही?

ईरान के सनसनीखेज दावे, मरने वालों का आंकड़ा 36 पार

तेहरान, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान के दक्षिणी शहर बंदर अब्बास में शाहिद राजाई बंदरगाह पर शनिवार को भीषण धमाका हुआ था। जिसको लेकर अब ईरान ने इजरायल पर आरोप लगाए हैं। भीषण विस्फोट के बाद रविवार को भी आग बुझाने का काम जारी रहा। अग्निशमन दल को ऊपर से पानी गिराने के लिए विमानों और हेलीकॉप्टरों को तैनात करते देखा गया है। ईरानी गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने कहा है कि आग पर 80% काबू पा लिया गया है।

हालांकि अभी भी अनुमान लगाया जा रहा है, कि इसे पूरी तरह से बुझाने में कई घंटे और लगेंगे। रविवार दोपहर के आसपास नए कंटेनरों में हुए धमाकों की वजह से आग फिर से भड़क गई थी।

ईरान के अधिकारियों ने मरने वालों की संख्या बढ़ाकर 36 कर दी और घायलों की संख्या 800 से ज्यादा बताई जा रही है। वहीं 190 लोग गंभीर तौर पर घायल हैं, जिनका अलग अलग अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। इस बीच ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया है कि बंदरगाह के बिना क्षतिग्रस्त हिस्सों में ऑपरेशन फिर से शुरू हो गये हैं। ईरानी टेलीविजन ने डॉक किए गए जहाज से कंटेनर उतारते हुए तस्वीरें जारी की हैं। वहीं हादसे के कई घंटे बीतने के बाद ईरान ने पहली बार सार्वजनिक रूप से इजरायल पर इसमें शामिल होने का आरोप लगाया है।

ईरान के संसद सदस्य मोहम्मद सेराज ने आरोप लगाया है कि राजई बंदरगाह विस्फोट में इजरायल शामिल था। यह कोई दुर्घटना नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि विस्फोटक कंटेनरों में रखे गए थे, या तो मूल देश में या शिपिंग रास्ते के किनारे। हम विस्फोटकों को लगाने में मदद करने वाले अंदरूनी लोगों के होने की संभावना से इनकार नहीं करते। उन्होंने दावा किया कि कि स्पष्ट सबूत इजरायल की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं। विस्फोट चार अलग-अलग स्थानों पर हुआ है। आपको बता दें कि ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह पर ये भयानक विस्फोट शनिवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:00 बजे हुआ था।

कनाडा के वैंकूवर में एसयूवी ने भीड़ को रौंदा

11 की मौत, सड़क पर लापू-लापू फेस्टिवल मना रहे थे, एशियाई युवक हिरासत में

ओटावा, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा के वैंकूवर में एक कार ने भीड़ को कुचल दिया। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, 20 लोग घायल हैं। वैंकूवर पुलिस ने X में पोस्ट कर बताया कि यह घटना स्थानीय समयानुसार रात 8:00 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे) फिलीपींस कम्युनिटी के त्योहार लापू-लापू के दौरान हुई। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात ई-43 एवेन्यू और फ्रेजर पर एक स्ट्रीट फेस्टिवल में भीड़ में एक कार घुसने से कई लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है। वह एशियाई मूल का बताया जा रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि वे इस घटना से काफी दुखी हैं। उन्होंने X पर लिखा, 'मैं मारे गए और घायल हुए लोगों के प्रियजनों, फिलिपिनो-कनाडाई समुदाय और वैंकूवर के सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। इस दुख में हम सभी आपके साथ हैं। हम स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए हैं और हमारे फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स के आभारी हैं।' वैंकूवर के मेयर केन सिम ने कहा, 'आज के लापू लापू दिवस कार्यक्रम में हुई भयावह घटना से मैं स्तब्ध और अत्यंत दुखी हूं।

स्पेन-पुर्तगाल-फ्रांस में बिजली गुलः एयरपोर्ट-मेट्रो बंद

मोबाइल नेटवर्क ठप, यूरोप के इलेक्ट्रिकल ग्रिड में खराबी, लाखों लोगों पर असर

मैड्रिड/लिस्बन/पेरिस, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। यूरोपीय देश स्पेन, पुर्तगाल और फ्रांस में सोमवार को बिजली गुल हो गई है। इसकी वजह से लाखों लोग बिना बिजली के रहने पर मजबूर है। बिजली सप्लाई रुक जाने से मेट्रो, एयरपोर्ट, रेल और मोबाइल नेटवर्क ठप हो गए हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक यूरोपीय इलेक्ट्रिक ग्रिड में खराबी के चलते यह संकट खड़ा हो गया है। फ्रांस के दक्षिण-पश्चिम में अलारिक माउंटेन पर आग लग गई जिसने पेरपिगन और पूर्वी नारबोन के बीच एक हाई वोल्टेज इलेक्ट्रिसिटी लाइन को नुकसान पहुंचा है।

पुर्तगाल और स्पेन की राजधानियों में कई मेट्रो ट्रेन स्टेशन के बीच सुरंगों में फंस गई है। लोग इन मेट्रो में फंसे हुए हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, पुर्तगाली पुलिस ने पुष्टि की है कि ट्रेनों का संचालन बंद है, पोर्टो और लिस्बन दोनों शहरों में मेट्रो सेवाएं बंद कर दी गई हैं और पूरे देश में ट्रैफिक सिग्नल भी प्रभावित हुए हैं।

टेलीकम्युनिकेशन सेवाओं के साथ-साथ, स्पेन और पुर्तगाल के नागरिकों ने मोबाइल नेटवर्क तक पहुंच न होने की भी शिकायत की है।

इसके अलावा, मैड्रिड का बाराखास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी बिजली संकट से प्रभावित हुआ है। इसी दौरान क्षेत्र के कई अन्य हवाई अड्डों ने भी अपने संचालन को रोक दिया है।

स्पेन की राजधानी मैड्रिड और आसपास के इलाकों में पावर क्राइसिस के चलते मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट को रोक दिया गया है। बिजली जाने से स्कोरबोर्ड और कोर्ट के ऊपर लगे कैमरे भी काम नहीं कर रहे थे।

अफ्रीकी प्रवासियों की जेल पर अमेरिकी हवाई हमला

30 लोग मारे गए, यमन के हूती विद्रोहियों का दावा

सना, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। यमन के हूती विद्रोहियों ने सोमवार को दावा किया कि अमेरिका के हवाई हमले की वजह से अफ्रीकी प्रवासियों को रखने वाली जेल में 68 लोगों की मौत हो गई। हमले में 47 अन्य घायल बताए जा रहे हैं। अमेरिकी सेना ने सादा प्रांत पर हमला बोला। बताया गया कि घटनास्थल पर करीब 115 कैदी बंद थे। हूतियों के अल-मसीरा सैटेलाइट न्यूज चैनल की ओर से प्रसारित ग्राफिक फुटेज में घटनास्थल पर शव और अन्य घायल दिखाई दे रहे थे।

इससे पहले अमेरिका ने बीती रात ऑपरेशन रफ राइडर के तहत यमन की राजधानी सना में हवाई हमले किए। हूती विद्रोहियों का कहना है कि इस हमले में आठ लोग मारे गए। वहीं अमेरिकी सेना ने बताया है कि बीते एक माह में उन्होंने यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर 800 से ज्यादा हमले किए हैं।

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने बयान जारी कर बताया कि ऑपरेशन रफ राइडर के तहत हूती विद्रोहियों के ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिनमें कई हूती लड़ाके और हूती नेता मारे गए हैं। मारे गए हूतियों में उनके मिसाइल और ड्रोन प्रोग्राम से जुड़े लोग भी शामिल हैं। हालांकि, अमेरिका ने हमलों में मारे गए हूतियों की ज्यादा जानकारी नहीं दी है। बता दें कि अमेरिका द्वारा लगातार हूतियों को निशाना बनाया जा रहा है। ट्रंप प्रशासन में बीती 15 मार्च से अमेरिका ने हूतियों पर हमले शुरू किए थे। हूतियों को ईरान का समर्थन है। ऐसे में माना जा रहा है कि ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति के तहत अमेरिका यमन में हवाई हमले कर रहा है। अमेरिका परमाणु समझौते पर लेकर ईरान से बात कर रहा है।

कनाडा में आम चुनाव के लिए वोटिंग होगी

पीएम कार्नी की लिबरल पार्टी और कंजर्वेटिव पार्टी में मुकाबला

टोरंटो, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा में आज यानी 28 अप्रैल को आम चुनाव के लिए वोटिंग होंगे, जिसमें यह तय होगा कि अगली सरकार कौन बनाएगा। यह चुनाव ऐसे वक्त पर हो रहे हैं जब कनाडा अपने पड़ोसी अमेरिका के साथ टैरिफ वॉर में उलझा हुआ है।

वैसे तो कनाडा में आधिकारिक तौर अक्तूबर 2025 को चुनाव होने थे, लेकिन प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पिछले महीने यह कह कर नए चुनाव का ऐलान किया था कि उन्हें ट्रम्प से निपटने के लिए मजबूत जनादेश चाहिए। 2015 से कनाडा के प्रधानमंत्री रहे जस्टिन ट्रूडो ने इस साल की शुरुआत में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद मार्क कार्नी को नया प्रधानमंत्री चुना गया था। कनाडा में प्रधानमंत्री का कार्यकाल 5 साल का होता है, लेकिन बहुतम खो देने पर या फिर पीएम चाहे तो समय से पहले संसद भंग कर नए चुनाव का ऐलान कर सकते हैं।

दुनिया में हथियारों पर सबसे ज्यादा पैसा बहाने वाले टॉप 10 देशों की आ गई लिस्ट

कौन सबसे आगे, भारत और पाकिस्तान कहां खड़े?

स्टॉकहोम, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की तरफ से आज, यानि सोमवार को जारी किए गये लेटेस्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2024 में दुनिया भर का सैन्य खर्च 2.72 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। ये साल 2023 के मुकाबले 9.4 प्रतिशत ज्यादा है। एसआईपीआरआई के आंकड़ों से पता चलता है कि जियो-पॉलिटिकल तनाव बढ़ने के बीच दुनिया के सभी क्षेत्रों में सैन्य खर्च में वृद्धि हुई है। खासकर यूरोप और मध्य पूर्व के देशों ने सैन्य खर्च में बेहिसाब पैसे बढ़ाए हैं। एसआईपीआरआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर के 100 से ज्यादा देशों ने 2024 में अपने सैन्य खर्च में भारी बढ़ोतरी की है। इसकी रिपोर्ट में कहा गया है कि चूंकि सरकारें अक्सर अन्य बजट क्षेत्रों की कीमत पर सैन्य सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं, इसलिए इसका असर आर्थिक और सामाजिक व्यापार पर होगा।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक एसआईपीआरआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप के सैन्य खर्च में भारी इजाफा हुआ है और शीत युद्ध के बाद ये पहली बार है, जब यूरोप ने अपने सैन्य खर्च को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है। साल 2024 में रूस का सैन्य खर्च अनुमानित 149 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। जो 2023 के मुकाबले 38% ज्यादा है और 2015 के स्तर से दोगुना है। यह रूस के सकल घरेलू उत्पाद का 7.1% और सभी सरकारी खर्च का 19% है। यूक्रेन का कुल सैन्य खर्च 2.9% बढ़कर 64.7 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो रूस के खर्च का 43% है। यूक्रेन ने साल 2024 में सबसे ज्यादा हथियार खरीदने में पैसों का भुगतान किया है। एसआईपीआरआई ने कहा है कि यूक्रेन वर्तमान में अपने राजस्व का 34 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा हथियार खरीदने में खर्च करता है। इसके अलावा अमेरिका ने अपने सैन्य खर्च को 5.7% बढ़ा दिया है। साल 2024 में अमेरिका का सैन्य खर्च बढ़कर 997 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2024 में कुल नाटो खर्च का 66% और विश्व सैन्य खर्च का 37% था। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की तरफ से प्रकाशित नए डेटा के मुताबिक शीर्ष पांच मिलिट्री स्पेंडिंग वाले देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत शामिल हैं, जो वैश्विक कुल हथियार खर्च का 60 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। ये पांचों देश मिलाकर हथियारों पर 1635 बिलियन डॉलर खर्च किए हैं।

दुनिया में दूसरे सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश चीन है, जिसने 2023 के मुकाबले सैन्य खर्च में 7 प्रतिशत का इजाफा किया है। चीन का सैन्य खर्च 2024 में अनुमानतः 314 बिलियन डॉलर हो गया है, जो लगातार तीन दशकों की वृद्धि को दर्शाता है।

फ्रांस की मस्जिद में युवक की हत्या

संदिग्ध आरोपी ने इटली में किया आत्मसमर्पण

पेरिस, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। फ्रांस की एक मस्जिद में युवक की हत्या करने के संदिग्ध आरोपी ने इटली की पुलिस के सामने आत्मसर्पण कर दिया है। आरोपी ने शुक्रवार को फ्रांस के दक्षिण में स्थित शहर ला ग्रांडे कोम्बे की मस्जिद में एक युवक की हत्या कर दी गई थी। आरोपी ने हमले की घटना को अपने फोन पर रिकॉर्ड भी किया था। साथ ही सुरक्षा कैमरों की फुटेज में भी आरोपी की तस्वीर कैद ह्वुई थी। आरोपी पर ईशनिंदा के भी आरोप लग रहे हैं।

फ्रांस के आंतरिक मामलों के मंत्री के कार्यलय से जारी बयान में बताया गया कि संदिग्ध आरोपी ने इटली की पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। हालांकि इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। अभियोजक पक्ष का कहना है कि यह इस्लामोफोबिक हमला हो सकता है। संदिग्ध आरोपी का जन्म फ्रांस में ही साल 2004 में हुआ था। आरोपी का कोई पिछला आपराधिक इतिहास भी नहीं है। इस बात की जांच की जा रही है कि किन परिस्थितियों से प्रेरित होकर युवक ने हत्या जैसा कदम उठाया।

फ्रांस के राष्ट्रपति ने जारी किया बयान

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का भी इस घटना पर बयान आया है। उन्होंने कहा कि नस्ल और धर्म के आधार पर भेदभाव के लिए फ्रांस में कोई जगह नहीं है। यहां धार्मिक आजादी है। वहीं जिस मस्जिद में युवक की हत्या की गई, उसने बयान जारी कर पीड़ित की पहचान अबु बकर के रूप में की है, जिसे मस्जिद में साफ-सफाई के काम के दौरान मार दिया गया। इस हत्याकांड के खिलाफ रविवार को ला ग्रांडे शहर में विरोध प्रदर्शन भी हुआ।

भारत से युद्ध ना करने में ही भलाई

शहबाज को बड़े भाई नवाज की 'ठंड रखने' की सलाह, बताया क्या हो पाकिस्तान की रणनीति

इस्लामाबाद, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने अपनी सरकार को भारत के साथ तनाव को कम करने की सलाह दी है। पाकिस्तान के तीन बार पीएम रहे नवाज शरीफ मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बड़े भाई हैं। पाकिस्तान के सबसे सीनियर नेताओं में शुमार नवाज ने अपने भाई और पीएम शहबाज को साफतौर पर कहा है कि भारत के साथ युद्ध की ओर ना बढ़ें बल्कि कूटनीतिक तरीके अपनाकर तनाव को कम करें। पाकिस्तानी नेताओं की भारत के खिलाफ आक्रामक बयानबाजी के बीच नवाज शरीफ की ओर से यह सलाह दी गई है।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ उपजे तनाव के बीच शहबाज शरीफ ने अपने भाई नवाज शरीफ से मुलाकात की है। इस दौरान शहबाज शरीफ ने भारत से तनाव के संबंध में नवाज शरीफ को अपनी सरकार के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि देश किसी भी आक्रमण का जवाब देने के लिए तैयार है। इस पर नवाज शरीफ ने कहा कि वह आक्रामक रुख अपनाने के पक्ष में नहीं हैं।

उन्होंने शहबाज से कहा कि वह दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच शांति बहाल करने के लिए सभी उपलब्ध राजनयिक संसाधनों का इस्तेमाल करें। बातचीत के जरिए भारत के साथ तनाव करने पर काम करें।

शहबाज शरीफ ने मुलाकात में नवाज शरीफ को बताया कि पहलगाम हमले में भारत झूठ बोल रहा है। इसमें पाकिस्तान का कोई किरदार नहीं है। इस हमले का मकसद क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करना है। भारत ने एकतरफा तरीके से सिंधु समझौते से हटने का ऐलान कर दिया है। ये पाकिस्तान के लिए बड़ा संकट पैदा करता है। भारत के सिंधु समझौते को निलंबित करने के फैसले से युद्ध का खतरा बढ़ा है।

नवाज की सलाह पर शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान शांति के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन भारत की ओर से कोई कार्रवाई हुई तो जवाबी कदम उठाए जाएंगे। शहबाज ने ये भी बताया कि उनकी सरकार ने पहलगाम हमले की जांच के लिए भारत को अंतरराष्ट्रीय आयोग बनाने का प्रस्ताव दिया। इस पर नवाज ने कहा कि दोनों देशों और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए शांति जरूरी है। ऐसे में प्राथमिकता बातचीत से चीजों को हल करना होना चाहिए।

उत्तर कोरिया ने स्वीकारी रूस की मदद के लिए सैनिक भेजने की बात

प्योंगयांग, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने सोमवार को पहली बार ये स्वीकारा कि उसने यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में रूस की मदद के लिए अपने सैनिक भेजे थे। गौरतलब है कि यूक्रेन, दक्षिण कोरिया और अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने ये दावा किया था कि उत्तर कोरिया ने रूस की मदद के लिए अपने करीब 10 हजार सैनिक भेजे हैं, जिन्होंने मोर्चे पर रूस की तरफ से लड़ाई लड़ी थी। इसे लेकर खूब हंगामा हुआ, लेकिन उत्तर कोरिया की तरफ से अभी तक ये बात स्वीकार नहीं की गई थी। अब पहली बार उत्तर कोरिया ने यह स्वीकार किया है।

उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के हवाले से एक बयान जारी कर बताया कि 'सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने रूस के साथ साझा रक्षा संधि के तहत अपने सैनिक भेजने का फैसला किया।

इस फैसले का उद्देश्य यूक्रेन के नव-नाजी कब्जेदारों को तबाह करना और रूसी सशस्त्र बलों की मदद से कुर्स्क क्षेत्र को आजाद कराना था। उत्तर कोरिया के सैनिक न्याय के लिए लड़े और वे हमारे नायक हैं, जिन्होंने अपनी मातृभूमि के सम्मान का प्रतिनिधित्व किया।'

उत्तर कोरिया की स्वीकारोक्ति के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी उत्तर कोरियाई सैनिकों को धन्यवाद दिया है। क्रेमलिन ने सोमवार को एक बयान जारी कर कहा कि 'राष्ट्रपति पुतिन ने उत्तर कोरिया के उन सैनिकों के नायकत्व, उनके समर्पण और उच्च स्तर की स्पेशल ट्रेनिंग की तारीफ की, जो रूस के सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़े और मातृभूमि की सुरक्षा की।'

उल्लेखनीय है कि फरवरी में दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने दावा किया था कि उत्तर कोरिया रूस की मदद के लिए अपने और सैनिक भेजने की योजना पर विचार कर रहा है। हालांकि उसके द्वारा भेजे गए सैनिकों को मोर्चे पर खासा नुकसान उठाना पड़ा है। जनवरी में एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि मोर्चे पर 300 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए हैं और 2700 अन्य घायल हैं। इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया कि उत्तर कोरिया के युद्ध में मारे गए या घायल जवानों की संख्या 4000 हो सकती है। हालांकि अमेरिका ने अनुमान जताया कि यह संख्या 1200 या इससे कम हो सकती है।

मैं कोई आर्मी जनरल नहीं, पूर्वोत्तर को लेकर दिए 'भारत विरोधी' बयान पर बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस की सफाई

ढाका, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश में लगातार राजनीतिक उथल-पुथल देखने को मिल रही है। बीते साल शेख हसीना सरकार के खिलाफ बड़े विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके चलते उनको देश छोड़ना पड़ा। इसके बाद 84 साल के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। यूनुस को बांग्लादेश में बैंकिंग में बड़े बदलाव के लिए जाना जाता है लेकिन सरकार के हेड के तौर पर उनको कई आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। घरेलू चुनौतियों के साथ-साथ विदेश नीति पर भी यूनुस घिरते दिखे हैं। यूनुस ने शेख हसीना के उलट भारत से बेरुखी और चीन-पाकिस्तान से नजदीकी की नीति को अपनाया है। पूर्वोत्तर की सुरक्षा मुद्दे समेत उनके कई बयानों पर भारत में भारी नाराजगी देखी गई है। मोहम्मद यूनुस ने द वीक को दिए एक इंटरव्यू में घरेलू चुनौतियों और पड़ोसी देशों के साथ बांग्लादेश के रिश्ते पर बात की है। द वीक से बात करते हुए यूनुस ने कहा कि उनके नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनने के बाद देश की संस्थाओं को बेहतर करने काम किया गया है। उनकी सरकार लगातार बुनियादी चीजों को ठीक करने पर काम कर रही है। इसमें चुनाव आयोग में सुधार जैसे अहम कदम शामिल हैं। वहीं भारत को उन्होंने बांग्लादेश का सबसे खास पड़ोसी कहा है। भारत से रिश्ते और नरेंद्र मोदी के साथ हालिया मुलाकात पर यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच संबंध दुनिया में सबसे अच्छे होने चाहिए क्योंकि हम करीबी पड़ोसी हैं। मैंने बार-बार कहा है कि हम बांग्लादेश का नक्शा खींचे बिना भारत का नक्शा नहीं खींच सकते हैं। यह दिखाता है कि हम कितने करीब हैं और ऐसी कोई वजह नहीं है कि हमें इकट्ठा नहीं होना चाहिए। यूनुस ने आगे कहा, 'बहुत से ऐसे घर हैं, जिनका एक हिस्सा से भारत और दूसरे से बांग्लादेश दिखता है। हम कुदरती तौर पर एक जैसे हैं, एक भाषा बोलते हैं और एक इतिहास साझा करते हैं। इतने करीबी होकर भी अगर सबकुछ ठीक नहीं है तो हमें यह देखने की जरूरत है कि यह रिश्ता उस तरह क्यों नहीं चल रहा है। मैंने इस चिंता को उठाया है क्योंकि हमारा भाग्य एक साथ जुड़ा हुआ है।' भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बारे में अपनी हालिया टिप्पणी (बांग्लादेश इस क्षेत्र में समुद्र का एकमात्र संरक्षक) पर यूनुस ने कहा, 'मैं एकीकृत करने की बात कर रहा हूं लेकिन उन्होंने कहा कि वह कब्जा करने की बात कर रहा है।

सीमा को भारत ही रख ले, पहलगाम अटैक के बाद गुलाम हैदर ने किया बड़ा ऐलान

इस्लामाबाद, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों से अपने देश लौटने को कहा है। भारत सरकार के इस फैसले के बाद सीमा हैदर के पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर ने पीएम नरेंद्र मोदी से अपने बच्चों को पाक भेजने की अपील की है। गुलाम ने कहा है कि भारत सरकार दूसरे पाकिस्तानियों के साथ मेरे बच्चों को भी भेज दे। गुलाम ने पहलगाम हमले की भी निंदा की है। उसने कहा कि भारत सरकार ने अगर पाकिस्तानियों पर फैसला लिया है तो फिर मेरे बच्चे इससे बाहर क्यों रखे जा रहे हैं।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत की रहने वाली सीमा हैदर दो साल पहले नेपाल के रास्ते अपने चार बच्चों के साथ अवैध रूप से भारत आ गई थी। वह अवैध रूप से भारत आने के मामले में फिलहाल जमानत पर है और नोएडा में सचिन मीणा नाम के शख्स के साथ रहती है। सीमा ने सचिन से शादी कर ली है और भारत में ही रहने की इच्छा जताई है। वहीं उसका पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर लगातार कह रहा है कि उसके बच्चे लौटाए जाएं।

गुलाम हैदर ने सोमवार को यूट्यूब पर एक वीडियो जारी करते हुए कहा, 'नरेंद्र मोदी ने वीजा कैंसिल करते हुए पाकिस्तानियों को वापस भेजने का फैसला लिया है। मैं नरेंद्र मोदी, योगी आदित्यनाथ और एस जयशंकर से अपील करता हूं कि सीमा हैदर को जेल और मेरे बच्चों को पाकिस्तान भेजिए। वकील एपी सिंह कहता है कि मोदी सरकार का फैसला सीमा पर लागू नहीं होता। मैं भारत सरकार से पूछना चाहता हूं कि आखिर गैरकानूनी तरीके से गई सीमा आपके कानून से ऊपर कैसे हो गई है।'

खड़गे बोले- पहलगाम पर सर्वदलीय बैठक में पीएम नहीं आए

राजस्थान कांग्रेस प्रेसिडेंट डोटासरा ने कहा- एक के बदले 100 सिर का क्या हुआ मोदीजी

जयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। खड़गे ने कहा- देश की बदकिस्मती है कि जब देश के स्वाभिमान को धक्का पहुंचा हो, उस वक्त आप बिहार में चुनावी भाषण कर रहे थे।

सर्वदलीय बैठक में सब दलों के नेता आए, लेकिन दुख है कि पीएम मोदी उस बैठक में नहीं आए। बिहार दूर था क्या? सर्वदलीय बैठक में पीएम आते और योजना बताते। हमसे क्या मदद चाहिए। खड़गे सोमवार को जयपुर के रामलीला मैदान में कांग्रेस की 'संविधान बचाओ रैली' को संबोधित कर रहे थे।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- पहले पुलवामा में हुआ, अब पहलगाम में हुआ, यह चूक कहां हुई, यह पूछने का हिंदुस्तानी को अधिकार है। मोदीजी आपने वादे किए थे उनका क्या हुआ? एक के बदले 100 सिर कब आएंगे, उस वादे का क्या हुआ?

पहलगाम आतंकी हमलाः आप (मोदी) 56 इंच की छाती की बात करते हो। अरे बाबा, कम से कम पहलगाम आतंकी हमले पर सर्वदलीय बैठक में बैठते तो हमें पता लगता कि क्या करने वाले हैं? हम सब पार्टियों के लोग थे, लेकिन उस पर कभी नजर करने की कोशिश नहीं की। ऐसा तो प्रधानमंत्री का एटीट्यूड है। संविधान : अंबेडकर ने संविधान बनाया। उसी कारण एक मामूली चाय बेचने वाला आदमी पीएम बन सकता है। मेरे जैसा मिल मजदूर का बेटा देश के विपक्ष का नेता बन सकता है। संविधान रहा तो ही आप पीएम बनेंगे, गृह मंत्री बनेंगे। महंगाई और बेरोजगारी : आज जितनी भी बड़ी स्कीम हैं, वो सब कांग्रेस की देन हैं। मोदी ने क्या दिया? मोदी ने महंगाई और बेरोजगारी दी है। मोदी 56 इंच की बात करते थे। अब मोदी की 56 इंच की छाती सिकुड़ गई है।

दलित-पिछड़ा वर्ग : हमारा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली मंदिर गया। उस मंदिर को इनके मूंछों वाले एक नेता ने गंगाजल से धुलवाया। अब हिंदू एकता की बात कहां गई? अमित शाह और इनके चेले चुनाव से पहले दलितों के घर जाकर खाना खाते थे। ऐसी खबरें चलती थी। ये दलित-पिछड़ों के ही बनाए तालाब से उन्हें पानी नहीं पीने देते।

दलित-पिछड़े मूर्ति बनाते हैं, लेकिन उन्हें मूर्ति के हाथ नहीं लगाने देते। शाह और मोदी दलित-पिछड़ों को झुकाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन झुकने वाले नहीं हैं। अंबेडकर : अमित शाह ने संसद में कहा कि अंबेडकर, अंबेडकर इतना करते हैं, इतना नाम भगवान का लेते तो मोक्ष मिल जाता।

बाबा साहेब के नाम से इतनी नफरत है। अंबेडकर जितना नाम भगवान का लेते तो स्वर्ग मिल जाता। अब हम तुम्हें स्वर्ग ही भेजेंगे। अब यह तो यमराज तय करेंगे कि स्वर्ग मिलेगा या नहीं। मोदी के 12 झूठ हैं?

काला धन वापस लाने, हर खाते में 15 लाख डालने, हर साल 2 करोड़ नौकरी, पेट्रोल-डीजल सस्ता, गंगा को साफ, हर भारतीय को घर, किसानों को एमएसपी, महंगाई खत्म करने जैसे उनके सभी वादे झूठे हैं।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा- सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले में चालान पेश कर दिया। कोई कैश ट्रांजेक्शन नहीं हुआ। गांधी परिवार का कोई सदस्य 35 साल से किसी पद पर नहीं है। सोनिया गांधी ने पीएम का पद स्वीकार नहीं किया। राहुल गांधी ने पीएम पद लेने से मना कर दिया था।

गांधी परिवार ने देश के लिए बलिदान दिए हैं। पंडित नेहरू आजादी के लिए जेल में रहे। आनंद भवन देश हित में दान कर दिया। इंदिरा और राजीव गांधी देश की एकता-अखंडता के लिए शहीद हो गए। उस परिवार पर आज हमले किए जा रहे हैं।

पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा- आज संविधान पर हर तरफ से हमले किए जा रहे हैं।

बीजेपी संविधान के प्रावधानों को कमजोर कर रही है। इसका डटकर मुकाबला करना है। चुनाव आयोग कमजोर हो गया है। महाराष्ट्र में वोटर्स से ज्यादा वोट पड़ गए, इसे क्या कहा जाएगा? चुनाव आयोग क्या कर रहा था?

सड़क हादसे में बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष की मौत

चूरू, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। सड़क हादसे में स्कॉर्पियो सवार चिड़ावा बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और उनकी मां की मौत हो गई। सोमवार तड़के करीब 3 बजे दिल्ली-बीकानेर हाईवे पर दूध के टैंकर से स्कॉर्पियो की टक्कर हो गई थी। एसयूवी के परखच्चे उड़ गए थे। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष की बॉडी गाड़ी में बुरी तरह फंस गई थी। उनकी मां घायल थीं। उन्हें फौरन हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। हादसा चूरू के राजलदेसर इलाके में हुआ है।

राजलदेसर थाने के एएसआई सुरेश कुमार ने बताया- पिलानी के कुलड़िया का बास गांव निवासी उर्मिला देवी (65) को कैंसर था। अमित हर पंद्रह दिन में मां के इलाज के लिए बीकानेर ले जाते थे। सोमवार को भी अपनी मां को डॉक्टर को दिखाने के लिए अमित कुमार (43) स्कॉर्पियों से बीकानेर जा रहे थे। तड़के करीब 3 बजे राजलदेसर इलाके के राजाणा जोहड़ के पास सामने से आ रहे दूध के टैंकर और स्कॉर्पियों की टक्कर हो गई।

एएसआई सुरेश कुमार ने बताया कि हादसे में स्कॉर्पियो का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। अमित की मौके पर ही मौत हो गई। उर्मिला देवी ने हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कड़ी मशक्कत के बाद अमित कुमार का शव स्कॉर्पियो से बाहर निकाला गया।

एएसआई ने बताया कि हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क किनारे करवाया। दोनों शवों को राजलदेसर के अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

अमित के पिता हवा सिंह का पहले ही निधन हो चुका है। अमित के दो बेटे हैं। अमित और उनकी मां के निधन के कारण चिड़ावा कोर्ट में आज वकील काम (न्यायिक कार्य) नहीं करेंगे।

भारत-पाकिस्तान की तनातनी के बाद मां-बेटी बिछड़ी

मां को छोड़कर पिता के पास पाकिस्तान में रहेगी डेढ़ साल की मासूम

श्रीगंगानगर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में 22 अप्रैल हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ी तनातनी के चलते एक मां अपनी बेटी से बिछड़ गई। भारत सरकार के 48 घंटे के अंदर पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के आदेश के बाद डेढ़ साल की बेटी को अपनी मां को छोड़ना पड़ा। अब यह डेढ़ साल की बेटी अपने पिता के पास पाकिस्तान में रहेगी।

श्रीगंगानगर के जैतसर कस्बे के 3 एलसी निवासी भौर रश्मि को अब अपनी पाकिस्तानी बेटी को वापस पाकिस्तान भेजना पड़ेगा। भौर रश्मि की शादी करीब 3 साल पहले पाकिस्तान के उमरकोट निवासी धनपत सोडा के साथ हुई। जिसके बाद पाकिस्तान में उसकी बच्ची आदर्शिनी का जन्म हुआ।

भौर रश्मि अपनी 1.5 वर्षीय बच्ची के साथ 3 अप्रैल को भारत आ गई थी। तब तक भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्तों में इतनी दरार नहीं थी। लेकिन 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के रिश्तों के बीच आई दरार के बाद अब मां-बेटी को अलग अलग देश में रहना पड़ेगा। क्योंकि बच्ची के पाकिस्तान में जन्म होने के कारण वह पाकिस्तानी नागरिक है। वहीं बच्ची की मां भौर रश्मि के पास भारतीय नागरिकता है। ऐसे में भारत सरकार के आदेशों के चलते 48 घंटे के भीतर पुनः अपने वतन लौटने के आदेश जारी होने के बाद अब बच्ची को वापस पाकिस्तान जाना पड़ेगा।

अलका गुर्जर बोलीं- वक्फ बिल मुस्लिम-समाज के उत्थान के लिए

सीकर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा की राष्ट्रीय सचिव और दिल्ली शहर प्रभारी अलका गुर्जर ने वक्फ सुधार बिल को लेकर विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही भ्रांतियों का जवाब दिया। परशुराम भवन में आयोजित वक्फ सुधार जन जागरण अभियान की कार्यशाला में उन्होंने कहा कि यह बिल गरीब मुस्लिम समुदाय के बच्चों की शिक्षा और उत्थान के लिए बनाया गया है। अलका गुर्जर ने स्पष्ट किया कि वक्फ बोर्ड की कोई भी धारा मस्जिदों या मुस्लिम संपत्तियों पर कब्जे की इजाजत नहीं देती। मुसलमानों की संपत्ति उनकी ही रहेगी। वक्फ बोर्ड के सदस्य भी मुस्लिम ही होंगे।

डूंगरपुर में आखातीज पर प्रशासन अलर्ट

बाल विवाह रोकने के लिए बनाई टीमें धर्मगुरु और पंडित भी मुहिम से जुड़े

डूंगरपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। डूंगरपुर जिले में बाल विवाह की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बाल अधिकारिता विभाग और जिला प्रशासन ने 30 अप्रैल को आखातीज के दिन बाल विवाह रोकने के लिए कमर कस ली है।

जिला बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक डॉ. कल्पित शर्मा ने बताया कि इस बार अभियान में एक नई पहल की गई है। धर्मगुरुओं और पंडितों को भी इस मुहिम से जोड़ा गया है। सभी ने बाल विवाह रोकने में सहयोग का संकल्प लिया है।

प्रशासन ने पंचायत स्तर पर विशेष टीमें बनाई हैं। इनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिला साथिन, पुलिस बाल मित्र और जनप्रतिनिधि शामिल हैं। ये टीमें अपने-अपने क्षेत्र में बाल विवाह पर नजर रखेंगी। डॉ. शर्मा ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में सृष्टि सेवा समिति और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से लगभग 300 बाल विवाह रोके गए। विभाग का दावा है कि इस बार एक भी बाल विवाह नहीं होने दिया जाएगा।

सीमेंट के कट्टों के नीचे दबे 2 मासूम, मौत

निर्माणाधीन मकान में खेल रहे थे, डॉक्टर बोले-सिर में चोट लगी, दिमाग की नसें हुई डैमेज

बांसवाड़ा, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। बांसवाड़ा में निर्माणाधीन मकान में खेल रहे 2 बच्चों की सीमेंट के कट्टों के नीचे दबने से मौत हो गई। बच्चों के चीखने और धमाके की आवाज सुनकर परिजन दौड़कर आए और दोनों को कट्टों के नीचे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। जांच के बाद डॉक्टर ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने बताया- बच्चों के सिर में चोट लगने से दिमाग की नसें डैमेज हो गई, जिसके कारण दोनों की मौत हुई है। मामला दानपुर थाना क्षेत्र की छायन बड़ी ग्राम पंचायत के कदवाली गांव का है।

एसएचओ राजवीर सिंह ने बताया- हादसे में विक्रम (9) पुत्र गोपाल राणा और शीतल (9) पुत्री कनेश निनामा की मौत हो गई है। दोनों बच्चे पड़ोसी हैं। विक्रम के पिता ने घर का निर्माण काम चला रखा था।

दोपहर करीब 12 बजे पड़ोस की शीतल और विक्रम निर्माणाधीन मकान के एक कमरे में खेल रहे थे। खेलने के दौरान वह सीमेंट के कट्टों के पास पहुंच गए। इस दौरान सीमेंट के 3-4 कट्टे बच्चों पर गिर गए और दोनों बच्चे नीचे दब गए।

मारवाड़ के पांच गांव लिखेंगे रिश्ते की नई कहानी

मेवाड़ आए राजुपरोहितों ने निभाई सिटी पैलेस में रस्मे, लक्ष्यराज सिंह बोले अब ये फासले नहीं होंगे

उदयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। मारवाड़ के पांच गांवों के राजपुरोहित आज मेवाड़ में उदयपुर आए। राजपुरोहितों के सदस्यों ने मारवाड़ से आकर अपनी रस्मों को पूरा करने के लिए साथ में प्यार और रिश्तों को प्रगाढ़ करने के लिए मंगल माहौल तैयार किया। मारवाड़ से आए मेहमानों की अगवानी मेवाड़ की तरफ से भी सिटी पैलेस में उसी अंदाज में की गई। यहां आज कहा गया कि अब ये पांचों गांव रिश्ते की नई कहानी लिखेंगे और आने वाली पीढ़ियों में आगे गैप नहीं आए।

मौका था आज उदयपुर के सिटी पैलेस में उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ का निधन होने के पाली जिले के घेनड़ी, पिलोवणी, वणदार, रूंगड़ी और शिवतलाव गांवों का यहां आने और जाने की बंद परम्परा पिछले दिनों शुरू हुई थी आज खुशी के माहौल के बीच रिश्तों की परम्परा को निभाते हुए पूर्व राजपरिवार और राजपुरोहित का स्वागत सम्मान किया गया। असल में एक महीने पहले पैलेस में पुरोहितों ने कदम रखा था। उस समस शोक था तो शोक बैठक में आए और अरविंद सिंह मेवाड़ को पुष्पांजलि दी और लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को ढांढस बंधाया था।

पिलोवणी गांव से आए रिटायर्ड आईएएस श्याम सिंह राजपुरोहित ने बताया हम सारे गांव के लोग एक महीने पहले यहां आए थे। उस समय भोजन का आग्रह किया था। हम ब्राह्मण और राजपुरोहित है तो सवा महीने तक भोजन ग्रहण करने का कोई प्रश्न ही नहीं था। डा. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के आग्रह पर आज हम यहां आए है।

पांचों गांवों से आज राजपुरोहित मेवाड़ और उनके बेटे हरितराज सिंह मेवाड़ के लिए उपहार लेकर आए। तलवार भेंट करने के बाद मेवाड़ को उपहार भेंट करते हुए रस्मों को पूरा किया। बाद में पाली से आए राजुपरोहित परिवार के सदस्यों का भी एक-एक कर लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की तरफ से स्वागत और अभिनंदन किया गया। श्याम सिंह राजपुरोहित ने बताया कि इन गांवों का सदियों से मेवाड़ के राजघराने से निकट का संबंध रहा था। कुछ समय में किन्ही ज्ञात-अज्ञात कारणों से लंबा गैप पड़ गया था। करीब तीन शताब्दी के गैप के बाद मेवाड़ में लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने सदियों पुरानी परम्परा को पुर्नजीवित किया। पांचों गांवों की तरफ से उनका आज बहुमान किया है। उनकी तरफ से भी हमार अभिनंदन किया गया। पीढ़ियों से चले आ रहे रिश्ते को सतत नदी के प्रवाह की तरह बहाते रहेंगे। परिवार के साथ संबंध प्रगाढ़ रहेगा। राखी बहुत सालों से हमारे बहने भेजती आई है। कारण कुछ भी रहा हो लेकिन बीत गया उस पर शोक करने का मतलब नहीं है, भविष्य की भी चिंता करने की जरूरत नहीं है हम वर्तमान में जीते है। आगे बढ़कर लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बहुत बड़ी पहल की है। अब ये रिश्ते बरकरार रहेंगे और पहले की तरह राखियां बहने भेजती रहेगी।

प्रमोटी आईएएस-आईपीएस को नहीं मिल रहा कलेक्टर-एसपी बनने का मौका

गहलोत-वसुंधरा राजे की पहली पसंद थे ऐसे अधिकारी, रिश्वतखोरी में आए नाम तो बिगड़ी छवि

राजेन्द्र विजय | हनुमान मल ढाका

जयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा से प्रमोट होकर IAS-IPS बने अफसरों को जिलों की कमान संभालने का मौका नहीं मिल पा रहा है। ज्यादातर जिलों और संभाग स्तर पर डायरेक्ट आईएएस-आईपीएस अफसरों को ही तैनात किया गया है। अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे सरकार के दौर में प्रमोटी अफसर ही पहली पसंद हुआ करते थे। गहलोत सरकार के पिछले कार्यकाल में तो एक समय 18 जिलों की कमान प्रमोटी IAS संभाल रहे थे। यह स्थिति तो तब थी, जब प्रदेश में जिलों की संख्या 33 ही थी। अब जिलों की संख्या 41 हो चुकी है।

ब्यूरोक्रेसी के एक्सपर्ट की मानें तो 33 प्रतिशत प्रमोशन कोटा होने के बावजूद प्रमोटी आईएएस-आईपीएस को जिलों की कमान नहीं मिलने के पीछे असली वजह विवादों में नाम सामने आना है। पूर्व की सरकारों में प्रमोटी आईएएस के बीते कुछ सालों में कई घूसकांड में नाम सामने आए थे, जिससे सरकार की छवि खराब हुई।

राजेन्द्र विजय : 2020 में प्रमोट होकर आईएएस बने राजेंद्र विजय को कोटा में संभागीय आयुक्त के पद पर जिम्मेदारी दी गई थी। वर्ष 2024 में एसीबी ने आईएएस राजेंद्र विजय के आवास पर रेड डाली थी। उन्हें आय से अधिक संपत्ति के मामले में एपीओ कर दिया था। गंभीर आरोपों के बावजूद राजेंद्र विजय फिलहाल सचिवालय में विभागीय जांच आयुक्त के पद पर हैं।

हनुमान मल ढाका : 2023 में प्रमोट होकर आईएएस बने हनुमान मल ढाका को गहलोत सरकार में बनाए गए नए जिले दूदू (अब जिला निरस्त) में कलेक्टर बनाया गया था। भू-रूपांतरण (जमीनों के कन्वर्जन) मामले में 25 लाख रुपए रिश्वत मांगने के आरोप में ढाका को एपीओ कर दिया था। तब से वह एपीओ ही चल रहे हैं।

सांसद को जान का खतरा, सिर्फ नागौर में सुरक्षा दी

नाराज बेनीवाल ने लौटाए पीएसओ, बोले- मुझे सरकार की सुरक्षा की जरूरत नहीं

नागौर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) से मिले इनपुट पर पुलिस मुख्यालय ने नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल को सुरक्षा उपलब्ध कराई। लेकिन, यह सुरक्षा सिर्फ नागौर जिले तक सीमित रखी। इससे नाराज सांसद ने सुरक्षा में लगे दोनों पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (पीएसओ) लौटा दिए हैं। हनुमान बेनीवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा- क्या नागौर एसपी राज्य सरकार और केंद्र सरकार की इंटेलिजेंस के उच्च अधिकारियों से भी बड़े हो गए हैं। जो यह कह रहे हैं कि केवल नागौर जिले में ही एस्कॉर्ट और सुरक्षा दी जाएगी। जबकि मैं पूरे राजस्थान और देश के कई अन्य राज्यों के सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी जाता रहता हूं। बेनीवाल ने कहा- मुख्यमंत्री जी, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मेरी सुरक्षा आपके भरोसे नहीं है।

सिक्किम के राज्यपाल बोले-पाकिस्तान को एक बूंद पानी नहीं जाएगा

वो प्यासे मरेंगे, केंद्रीय मंत्री ने कहा- पहलगाम में हमला हमारी आत्मा पर हुआ

अलवर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर का कहना है कि पहलगाम हमले के बाद कुछ लोग कह रहे हैं कि कुछ नहीं किया। बता दें कि आतंकी हमले के तीसरे दिन सिंधु जल समझौता तोड़ा था। आने वाले दिनों में एक बूंद पानी पाकिस्तान नहीं जाने देंगे। वो(पाकिस्तान के लोग) प्यासे मरेंगे और ये पानी आपके काम आएगा। माथुर का रविवार को अलवर के प्रताप ऑडिटोरियम में अभिनंदन किया गया। इस मौके पर राज्यपाल माथुर ने कहा कि कुछ बेईमान लोगों ने पहलगाम में आतंक किया है। हमें विश्वास है कि बदला लिया जाएगा। इससे पहले भी हुए हमलों का बदला लिया है। चिंता मत करिए।

घटना के बाद आतंकियों का सपोर्ट करने वालों को जवाब दिया है। अब भारत की ताकत को सब जानते हैं। आतंकी हमले के बाद अमेरिका, ईरान, रूस ही नहीं, यूएई भी कह रहा है कि जो कार्यवाही करनी है करिए, हम साथ में खड़े हैं। ये गाड़ी रुकने वाली नहीं है। पहले भी घटनाएं घटी है। लेकिन पहले कोई देश साथ नहीं था। अब बड़े बड़े देश साथ हैं। उन्होंने संबोधन में चीन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चीन के बॉर्डर पर हम वहीं के वहीं है। 1962 में चीन से हारे थे। लेकिन उस समय दिल्ली में कमजोर नेता था। अब नहीं। वो दिन और थे।

माथुर ने कहा कि हमारे यहां के नेता हर जगह चर्चा करते हैं कि चीन ने भारत की जमीन दबा ली। मैं कई जगह घूमकर भी आया हूं। आपके यहां का एक एमएलए गवाह भी है। एक इंच जमीन नहीं दबाई। 1972 से हमारे सैनिक बॉर्डर पर खड़े हैं और चीन की हिम्मत नहीं है कि वो आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि अब बीजेपी बहुत बड़ी पार्टी है। रुकने वाली नहीं है। पार्टी में नए लोगों को बड़े मुकाम मिलते हैं। काम करने वालों को महत्व दिया जाता है। सीएम भजनलाल शर्मा राजस्थान के मुख्यमंत्री बनाए गए। अब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे है।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि पहलगाम में कुछ क्रूर आतंकियों ने निर्दोष भारतीयों की हत्या की है। पहले भी हमले में निर्दोष लोग मारे गए थे। हमारे प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हमला हमारी आत्मा पर हुआ है, इसलिए ये देश आतंकी हमले का जवाब देगा।

इस दौरान उन्होंने पंक्तियां भी कहीं। उन्होंने कहा- 'जब- जब आतंक चलेगा चाल, क्रूर निरंकुश बनेगा विकराल, कालिया नाग का मर्दन तब उचित है, आतंकवाद का अंत अब सुनिश्चित है।'

पत्नी के निधन के बाद महेश जोशी को अंतरिम जमानत

900 करोड़ के घोटाले में ईडी ने गिरफ्तार किया था, 4 दिन जेल से बाहर रहेंगे

जयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पत्नी कौशल जोशी के निधन के बाद पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता महेश जोशी को 4 दिन के लिए अंतरिम जमानत मिली है। जयपुर के मणिपाल हॉस्पिटल में कौशल जोशी भर्ती थीं। सोमवार सुबह उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 900 करोड़ के जल जीवन मिशन घोटाले के मामले में महेश जोशी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 24 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। आज (सोमवार) उनकी रिमांड अवधि खत्म हो रही थी। जोशी को पीएमएलए मामलों की विशेष अदालत में पेश किया गया था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने जेल भेज दिया था। इस दौरान सूचना मिली कि महेश जोशी की पत्नी का निधन हो गया। इस पर महेश जोशी के वकील ने कोर्ट के सामने अंतरिम जमानत की अर्जी लगाई। कोर्ट ने सुनवाई की और 4 दिन की अंतरिम जमानत मंजूर कर ली। बताया जाता है कि पहले उन्हें कुछ घंटे के लिए जेल भेजा गया। इसके बाद उन्हें जमानत दी गई। दोपहर करीब 3 बजे महेश जोशी स्टेशन रोड स्थित अपने घर पहुंच गए। उनकी पत्नी का चांदपोल मोक्षधाम में शाम करीब 4:30 बजे अंतिम संस्कार होगा। महेश जोशी की पत्नी कौशल जोशी लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रही थीं। पिछले दिनों किडनी फेलियर होने के साथ ही ब्रेन हेमरेज हो गया था। इसके कारण उन्हें मणिपाल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इससे पहले किडनी और दूसरे ऑर्गन्स में प्रॉब्लम के चलते लंबे समय तक एसएमएस हॉस्पिटल में भी भर्ती रही थीं। जेजेएम घोटाला केंद्र सरकार की हर घर नल पहुंचाने वाली 'जल जीवन मिशन योजना' से जुड़ा है।

साल 2021 में श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी और मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र दिखाकर जलदाय विभाग से करोड़ों रुपए के 4 टेंडर हासिल किए थे।

नंदमुरी बालकृष्ण को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया

डी. नागेश्वर रेड्डी पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सुजुकी मोटर के पूर्व प्रमुख स्वर्गीय ओसामु सुजुकी, प्रसिद्ध गायक स्वर्गीय पंकज उधास और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय सुशील कुमार मोदी उन 71 प्रमुख हस्तियों में शामिल थे जिन्हें सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया। 25 जनवरी को 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कुल 139 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को देश के नागरिक पुरस्कारों- पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री के लिए नामित किया गया।

इनमें से 71 को सोमवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य की उपस्थिति में राष्ट्रपति भवन के भव्य दरबार हॉल में ये पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि शेष को शीघ्र ही एक अलग समारोह में ये अलंकरण प्रदान किए जाएंगे। वरिष्ठ अभिनेता शेखर कपूर, तेलंगाना के एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एआईजी हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष डी नागेश्वर रेड्डी को एंडोस्कोपी में उनकी अभूतपूर्व नैदानिक प्रगति और अग्रणी चिकित्सा अनुसंधान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। वायलिन वादक लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम और तेलुगु सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण, जिन्हें बलैय्या के नाम से भी जाना जाता है। पांच दशकों के करियर में उन्होंने भारतीय सिनेमा और सार्वजनिक जीवन पर अमिट छाप छोड़ी है। अन्य प्रमुख व्यक्ति थे जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए।

टीपीसीसी प्रमुख ने बीआरएस रजत जयंती बैठक को पूरी तरह से असफल बताया

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने एलकाथुर्थी में आयोजित बीआरएस रजत जयंती बैठक की आलोचना करते हुए इसे पूरी तरह से असफल करार दिया। सोमवार को गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, टीपीसीसी प्रमुख ने बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा तेलंगाना राज्य की कहानी में कांग्रेस पार्टी को विरोधी के रूप में दोषी ठहराने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, केसीआर वास्तव में तेलंगाना के मुख्य और एकमात्र विरोधी हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के आशीर्वाद के कारण मुख्यमंत्री की भूमिका निभाई, और अब, कांग्रेस प्रशासन की सफलताओं को देखकर, वह असहज महसूस कर रहे हैं। उन्होंने केसीआर को बीआरएस के 10 साल के शासन की तुलना में 15 महीने की अवधि में कांग्रेस के शासन के बारे में बहस करने की चुनौती दी। महेश कुमार गौड़ ने टिप्पणी की, आप बहस के लिए समय और स्थान चुन सकते हैं- जहां भी आपको सुविधा हो। मुझे आश्चर्य है कि क्या केसीआर में अपने फार्महाउस से बाहर निकलने का साहस है। उन्होंने सवाल किया कि जनवाड़ा में फार्महाउस का मालिक कौन है, उन्होंने कहा कि केसीआर परिवार ने बीआरएस प्रशासन के दौरान अभूतपूर्व संपत्ति अर्जित की है।

रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में सुरक्षा को मजबूत करें : अरुण कुमार जैन

जीएम ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा और संरक्षा पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने जोन पर ट्रेन संचालन की सुरक्षा और संरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में शामिल हुए। अरुण कुमार जैन ने पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा और संरक्षा की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ाएं, जहां भी रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हो, सुरक्षा कर्मियों यानी रेलवे सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस की तैनाती करें। उन्होंने सभी संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी लगाने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को पूरे जोन में सुरक्षा को मजबूत करने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। अरुण कुमार जैन ने रेल पटरियों और सिग्नलिंग सिस्टम की सुरक्षा से संबंधित जोन पर चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने मैकेनिकल, इंजीनियरिंग और सिग्नल और दूरसंचार विभागों की सुरक्षा कार्य योजनाओं की भी जांच की और स्मोक डिटेक्टर, अग्निशामक यंत्र आदि जैसी सुरक्षा वस्तुओं की उपलब्धता की समीक्षा की। श्री अरुण कुमार जैन ने जोन में सभी लेवल क्रॉसिंग और पटरियों पर बिंदुओं पर अपनाई जाने वाली सुरक्षा सावधानियों पर चर्चा की और अधिकारियों को सभी सुरक्षा से संबंधित कर्मचारियों को शामिल करके सुरक्षा अभियान चलाने का निर्देश दिया। अधिकारियों को एसी कोचों में स्मोक डिटेक्टर, अग्निशामक यंत्र आदि जैसी सुरक्षा वस्तुओं की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्होंने अधिकारियों को असुरक्षित घटनाओं से बचने के लिए किसी भी असामान्य स्थिति पर तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

टीजीएसआरटीसी कंडक्टर ने यात्री को लौटाया नगदी और आभूषण से भरा बैग

वेंकटेश्वरलू ने ईमानदारी की मिसाल पेश की

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी कंडक्टर वेंकटेश्वरलू ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए एक यात्री का नगदी और आभूषण से भरा बैग लौटा दिया। कंडक्टर ने सोने-चांदी के जेवरात और नकदी से भरा बैग यात्री को सौंपकर अपनी ईमानदारी साबित की। टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने अचम्पेटा डिपो के कंडक्टर वेंकटेश्वरलू को उनकी उदारता के लिए बधाई दी। सोमवार को हैदराबाद बस भवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कंपनी के एमडी वीसी सज्जनार ने उन्हें सम्मानित किया और प्रशंसा पत्र प्रदान किया। कंडक्टर वेंकटेश्वरलू 26 अप्रैल को अचम्पेट-हैदराबाद रूट टीजीएसआरटीसी बस में ड्यूटी पर हैं। एमजीबीएस पहुंचने पर कंडक्टर ने देखा कि एक यात्री बस में अपना बैग भूल गया है। जब बैग खोला गया तो उसमें सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और कई प्रमाण पत्र थे। कंडक्टर ने तुरंत अचंपेट के डीएम मुरली दुर्गा प्रसाद को फोन पर मामले की जानकारी दी। डीएम ने सुझाव दिया कि बैग को एमजीबीएस स्थित स्टेशन प्रबंधक कार्यालय को सौंप दिया जाए। इसी बीच अनिल कुमार नामक यात्री ने डीएम को फोन कर बताया कि वह अपना बैग बस में भूल गया है। उन्होंने बताया कि वह कंदुकुर से बस में सवार हुए, सीबीएस पर उतरे और काचीगुडा चले गए। डीएम ने एमजीबीएस स्थित स्टेशन प्रबंधक के कार्यालय जाने का सुझाव दिया । टीजीएसआरटीसी अधिकारियों ने विवरण की जांच की और बैग यात्री अनिल कुमार को सौंप दिया। इसमें 14 तोला सोना और 10 तोला चांदी के करीब 10 लाख रुपए के जेवरात और 14,800 रुपये नकद, उनके बेटे का जन्म प्रमाण पत्र और उनकी शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र था।कंपनी के एमडी वीसी सज्जनार ने ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने वाले कंडक्टर वेंकटेश्वरलू को बधाई दी। उन्होंने आरटीसी कर्मचारियों की अपने कर्तव्यों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने तथा समाज में विशेष पहचान अर्जित करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में कार्यकारी निदेशक मुनि शेखर, वित्त सलाहकार विजया पुष्पा और अचंपेट डीएम मुरली दुर्गा प्रसाद ने भाग लिया।

शपथ विधि समारोह आयोजित

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग ने द्वितीय स्थापना रात्रि (शपथ विधि समारोह) का आयोजन किया, जिसमें सभी दस शाखा अध्यक्षों और उनकी टीम ने आने वाले दिनों में जिम्मेदारी संभालने की शपथ ली। भाग्यनगर में हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए बैठक आयोजित की गई थी। बैठक का आयोजन वाईएमआईएस सुल्तानबाजार हैदराबाद में किया गया था। बैठक के विशेष अतिथि दीपक लंकाला भाजपा नगर अध्यक्ष एन. चंद्रशेखर चायन थोरुमाला और गोपाल बलदावा उद्योगपति और समाजसेवी थे।

कार्यक्रम के लिए एमओसी रागिनी रविकिरन, दत्तात्रेय और अजय सिंह थे और महेश कुमार, किरण वेमुला, नीला मोइत्रा और सुजाता नांबियार ने भी समान रूप से सहयोग किया। बैठक संस्थापक एच2एच गीतेश काटे और केंद्रीय समिति सदस्य रीमा देब के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हुई।

विश्व मंगल गौशाला में अमावस के उपलक्ष में सतीश कोंम गौभक्तों के द्वारा तन मन धन से सेवा दी। भोजन प्रसादी के लाभार्थी श्रीमान बगदाराम देवासी मेडचल, हरे घास की व्यवस्था नारायण राम, वीरामराम सुथार, पप्पू सिंह वास्तव, माजीसा ग्रुप अलवाल, श्री गणेश मित्र मंडल समीरपेट उपस्थित रहे। सजा राम, बाबूलाल, महेंद्र सिंह देवाराम, अमराराम, यादव साहब, हरियाणा ग्रुप, उदय भास्कर, बालाजी टीवी सुरेश, शांतिलाल सुथार वह अन्य उपस्थित थे।

डॉ. रेखा देवी को पीएचडी

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. रेखा देवी को उनके शोध विषय 'अंतिम दो दशक के उपन्यासों में ग्रामीण जीवन' के लिए पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।

आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उस्मानिया विश्वविद्यालय से डॉ. अनिता एवं डॉ. संगीता व्यास के निर्देशन में श्रीमती रेखा देवी ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के आर्ट्स कॉलेज से 'अंतिम दो दशक के उपन्यासों में ग्रामीण जीवन' विषय पर गहन शोध कर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वर्तमान में वे सरकारी पाठशाला में हिन्दी की सह अध्यापिका (एस.ए हिन्दी) के रूप में सरकारी गर्ल्स हाई स्कूल पायोनिर बाजार में कार्यरत हैं।

मूंगफली खाने से 4 साल की बच्ची की मौत

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को अब्दुल्लापुरमेट में एक दुखद घटना में मूंगफली खाने से चार साल की बच्ची की मौत हो गई। पीड़ित बच्ची बी तानविका शहर के उपनगर अब्दुल्लापुरमेट के लस्करगुडा में अपने माता-पिता के साथ रहती थी। रविवार शाम को बच्ची ने एक विक्रेता से मूंगफली खरीदी और उन्हें खाते समय उसे घुटन महसूस हुई। अब्दुल्लापुरमेट के उपनिरीक्षक पी. माधव ने बताया कि बेटी की हालत देखकर उसकी मां उसे स्थानीय अस्पताल ले गई और बाद में नामपल्ली के निलोफर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उपनिरीक्षक ने बताया कि डॉक्टरों ने परिवार के सदस्यों को बताया कि मूंगफली के कारण लड़की की श्वसन प्रणाली अवरूद्ध हो गई, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स - सोमाजिगुड़ा में आकर्षक ऑफर

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स, सोमाजिगुड़ा, हैदराबाद अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर अपने सम्मानित ग्राहकों के लिए एक भव्य और आकर्षक ऑफर लेकर आया है। भारतीय संस्कृति में अक्षय तृतीया को अत्यंत शुभ दिन माना जाता है। इस दिन जो भी शुभ कार्य, दान या खरीदारी की जाती है, वह अनंत काल तक फलदायी मानी जाती है। विशेष रूप से सोने, चांदी और रत्नों की खरीदारी इस दिन जीवन में स्थायी समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक मानी जाती है।

इसी भावना के साथ, शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स ने अपने प्रतिष्ठान पर गोल्ड, डायमंड और सिल्वर ज्वेलरी का एक अद्वितीय संग्रह प्रस्तुत किया है। परंपरा और आधुनिकता का समावेश करते हुए, हमारे डिज़ाइनों में न केवल बारीकी से किया गया शिल्पकला का सौंदर्य झलकता है, बल्कि हर आभूषण में हमारी विश्वसनीयता और गुणवत्ता की गारंटी भी समाहित है। अक्षय तृतीया पर विशेष छूट के तहत, डायमंड ज्वेलरी पर आकर्षक ऑफर्स उपलब्ध हैं। साथ ही, सिल्वर गिफ्ट आइटम्स जैसे पूजा थाली, सिक्के और अन्य भव्य उपहार वस्तुएँ भी विशेष मूल्य पर प्रस्तुत की जा रही हैं।

इस शुभ अवसर पर हम प्रत्येक खरीद पर विशेष उपहार भी दे रहे हैं, ताकि आपकी खुशी और अधिक बढ़ सके। इसके अतिरिक्त, पुराने गहनों पर आकर्षक बायबैक और एक्सचेंज ऑफर भी उपलब्ध हैं, ताकि आप अपने पुराने संग्रह को नए शुभ आभूषणों से सजा सकें। हमारी सभी ज्वेलरी BIS हॉलमार्क प्रमाणित है और डायमंड ज्वेलरी अंतरराष्ट्रीय स्तर के सर्टिफिकेट के साथ उपलब्ध कराई जाती है, ताकि आपके विश्वास को और मजबूत किया जा सके।

अक्षय तृतीया केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि अपने जीवन में नई ऊर्जा, नई शुरुआत और अक्षय समृद्धि को आमंत्रित करने का एक अवसर है। इस विशेष दिन पर सोने या चांदी की खरीद से आपके जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और सफलता की वृद्धि मानी जाती है। इसी सौभाग्य के अवसर पर, हम आप सभी ग्राहकों से अनुरोध करते हैं कि अंतिम दो दिनों में हमारे शोरूम पर पधारें और इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स - सोमाजिगुड़ा, हैदराबाद में आपका हार्दिक स्वागत करता है। आइए और अपने जीवन में अक्षय सौभाग्य की शुरुआत करें, हमारे साथ!

अधिक जानकारी और ऑफर का लाभ उठाने के लिए आज ही संपर्क करें और अपने परिवार के लिए खुशियों की नई चमक लेकर जाएं।

डॉ.एस.वी.एस. नारायण मूर्ति बने मिधानि के सीएमडी

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.एस.वी.एस. नारायण मूर्ति ने आज मिश्र धातु निगम लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया।

डॉ. मूर्ति ने मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग में आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टणम से बी.ई., आईआईएससी-बेंगलूरू से एम.ई. और आईआईटी-बॉम्बे से पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त की है। वे 1993 में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, त्रिवेंद्रम में शामिल हुए थे। वहां रहते हुए उन्होंने अल्ट्राहाई स्ट्रेंथ स्टील्स, टाइटेनियम मिश्र धातु, सुपरलॉय और एल्युमीनियम मिश्र धातु के विकास पर बड़े पैमाने पर काम किया। वे स्टील रिसर्च सेंटर, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मैटेरियल्स साइंस, जापान (2003-2006) में पोस्ट डॉक्टरल फेलो थे। उन्होंने अल्ट्राफाइन ग्रेनड स्टील्स के विकास पर काम किया। मिधानि में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पद ग्रहण करने से पूर्व वे त्रिवेंद्रम स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (इसरो) में कार्यरत थे। एलपीएससी में वे पृथ्वी पर भंडारण योग्य, क्रायोजेनिक, अर्ध-क्रायोजेनिक चरणों के साथ-साथ भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए उपग्रह प्रणोदन प्रणालियों के लिए सामग्रियों के स्वदेशीकरण और आपूर्ति के क्षेत्र में कार्यों का उत्तरदायित्व निभाया। उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में एयरोस्पेस सामग्री विकास और प्रसंस्करण, सामग्री परीक्षण, लक्षण वर्णन, एयरोस्पेस घटकों का विफलता विश्लेषण और एडिटिव विनिर्माण शामिल हैं।

भूमि संबंधी मुद्दों को एक निश्चित समय सीमा के भीतर हल करने का निर्णय : विधायक

भू-भारती अधिनियम पर जागरूकता सत्र आयोजित

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विधायक माला रेड्डी रंगारेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों के भूमि संबंधी मुद्दों को एक निश्चित समय सीमा के भीतर हल करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने भू-भारती के लिए नया आरओआर जारी किया है। सोमवार को अब्दुल्लापुर, इब्राहिमपटनम निर्वाचन क्षेत्र, रंगारेड्डी में एक कन्वेंशन में भू-भारती अधिनियम पर जागरूकता आयोजित सत्र में विधायक बोल रहे थे। सम्मेलन में स्थानीय विधायक माल रेड्डी और रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी उपस्थित थे। कानून के दिशा-निर्देशों को पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। जिला कलेक्टर नारायण रेड्डी ने किसानों और आम जनता के सामने विवरण पढ़कर सुनाया। सम्मेलन में भाग लेने वाले विधायक ने कहा कि प्रत्येक किसान के पास जमीन होनी चाहिए। भूमि संबंधी समस्याओं से जूझ रहे प्रत्येक किसान को सुरक्षा एवं स्थायी समाधान प्रदान करना है। एक ऐसा भू-भारती पोर्टल बनाना जो आम किसान की समझ में आ सके। उन्होंने कहा कि भू-भारती अधिनियम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक किसान को भूमि सुरक्षा प्रदान करना है। सरकार ने इसे उपलब्ध करा दिया है। अपनी ज़मीन की रक्षा करना किसानों की ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि चूंकि यह मामला सरकार का है, इसलिए किसी को इसकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी गांवों में आएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि भूमि संबंधी कोई समस्या न हो। उन्होंने कहा कि भू-भारती किसानों और अन्य विशेषज्ञों के परामर्श से सरकार ने कानून को मजबूत तरीके से तैयार किया है। हर जगह जहां ज़मीन है। सरकार किसानों के भूमि अधिकारों की रक्षा और उनकी कठिनाइयों को कम करने के लिए काम कर रही है। इस कानून के तहत भू-भारती (आरओआर अधिनियम) लाया गया है, जिसके बाद भूमि समस्या समाप्त हो गई है। सम्मेलन में शामिल जिला कलेक्टर ने कहा कि धरणी एक्ट के कारण राज्य सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपना रही है। उन्होंने कहा कि भू-भारती अधिनियम लाया गया। यह नई आरओआर अधिनियम की धारा 4, उपधारा 4 और 5 के अंतर्गत किसानों को भूमि अभिलेखों में संशोधन की संभावना भी प्रदान की गई है। धरतीक्षेत्र में परिवर्तन, अभिलेखों में क्षेत्र का पंजीकरण दर्ज न होना, ऐसा करने जैसी चीजों की जांच तहसीलदार, आरडीओ और कलेक्टर स्तर पर की जानी चाहिए। भू-भारती अधिनियम के माध्यम से सरकार को ऐसा करने का अधिकार दिया गया है। परिणामस्वरूप, किसानों को अपने भूमि अभिलेखों में त्रुटियों का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर का कहना है कि इसे स्थानीय स्तर पर ठीक करना आसान होगा। किसानों को इस कानून के लागू होने के एक वर्ष के भीतर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। फिलहाल इसे राज्य के चार मंडलों में पायलट आधार पर क्रियान्वित किया जा रहा है। वे इसे प्रायोगिक आधार पर क्रियान्वित कर रहे हैं और मई के पहले सप्ताह में इसे सभी जिलों में लागू कर दिया जाएगा। सबसे पहले, भू-भारती अधिनियम को प्रत्येक क्षेत्र में पायलट आधार पर लागू किया गया।

राष्ट्र का भविष्य युवाओं के हाथों में है : चंद्रबाबू

सीएम ने 'वी-लॉन्च पैड 2025- स्टार्टअप एक्सपो' में भाग लिया

अमरावती, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायुडू ने कहा कि राष्ट्र का भविष्य युवाओं के हाथों में है, उन्होंने युवाओं से सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि वे केवल नौकरी पाकर संतुष्ट न हों, बल्कि कंपनियां स्थापित करने की आकांक्षा रखें। उन्होंने घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 मई को राजधानी विकास कार्यों को फिर से शुरू करेंगे। उन्होंने उल्लेख किया कि आंध्र प्रदेश को एक इनोवेशन वैली के रूप में विकसित किया जा रहा है और अमरावती जल्द ही एक क्वांटम वैली का पता होगा। सीएम चंद्रबाबू नायुडू ने वीआईटी विश्वविद्यालय में 'वी-लॉन्च पैड 2025- स्टार्टअप एक्सपो' में भाग लिया, जिसमें उन्होंने परिसर में महात्मा गांधी ब्लॉक, वी.वी. गिरी ब्लॉक और दुर्गाबाई देशमुख ब्लॉक का उद्घाटन किया। सीएम चंद्रबाबू नायुडू ने वीआईटी के चेयरमैन डॉ.जी. विश्वनाथन की साधारण शुरूआत से असाधारण सफलता तक की यात्रा के लिए प्रशंसा की। डॉ. विश्वनाथन ने राजनीति में भी 20 साल बिताए हैं, उन्होंने अन्नादुरई, करुणानिधि, एमजीआर और जयललिता जैसे नेताओं के साथ काम किया है। उन्होंने याद किया कि कैसे विश्वनाथन ने 2014 में चुनाव नतीजों से पहले उनसे मुलाकात की थी और अमरावती में वीआईटी स्थापित करने की मंजूरी मांगी थी।

स्त्री शक्ति पुरस्कार 2025 में 50 प्रेरक महिला नेताओं को सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना चैंबर ऑफ इवेंट्स इंडस्ट्री (टीसीईआई) ने एचआईसीसी, माधापुर में प्रतिष्ठित स्त्री शक्ति पुरस्कार 2025 की मेजबानी की, जिसमें इवेंट्स, संस्कृति और रचनात्मक उद्योगों की दुनिया को आकार देने वाली 50 महिलाओं की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। अपने 7वें संस्करण में, स्त्री शक्ति पुरस्कार उन महिलाओं को पहचानने और सम्मानित करने का एक मंच बन गया है, जिन्होंने आतिथ्य, रचनात्मक कला और सामाजिक परिवर्तन सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुख्य अतिथि दानसारी अनसूया सीतक्का, महिला और बाल कल्याण मंत्री ने पुरस्कार समारोह का नेतृत्व किया और उन प्रेरक महिलाओं को सम्मानित किया, जो अपने क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलाव ला रही हैं। अपने भाषण के दौरान, उन्होंने तेलंगाना सरकार द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया, विशेष रूप से इंदिरा महिला शक्ति योजना जैसी पहलों के माध्यम से, जिसका उद्देश्य महिलाओं के बीच उद्यमशीलता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

जयेश रंजन, आईएएस, विशेष मुख्य सचिव, ने सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों (सीसीआई) के महत्व पर बात की, जो न केवल उद्यमशीलता और नवाचार के इंजन हैं, बल्कि महिलाओं के लिए निर्माता, क्यूरेटर और परिवर्तनकर्ता के रूप में नेतृत्व करने के लिए मंच भी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्त्री शक्ति पुरस्कार इन गतिशील क्षेत्रों में नेतृत्व और उद्यमशीलता की भूमिकाओं में कदम रखने के लिए अधिक महिलाओं को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दिव्या देवराजन, आईएएस, एसईआरपी (ग्रामीण गरीबी उन्मूलन सोसायटी) की सीईओ, ने जमीनी स्तर की महिला उद्यमियों को मान्यता देने के लिए टीसीईआई के साथ साझेदारी करने पर गर्व व्यक्त किया और घोषणा की कि एसईआरपी ने महिलाओं को इवेंट मैनेजर के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए टीसीईआई को शामिल किया है, जिससे उन्हें इवेंट उद्योग में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किए जा सकें। टीसीईआई के अध्यक्ष बलराम बाबू और स्त्री शक्ति पुरस्कार की संयोजक और मिलेट बैंक की संस्थापक विशाला रेड्डी ने मंच के निरंतर विकास के साथ अपनी खुशी साझा की।

विशेष अतिथि प्रकाश रेड्डी (आईपीएस), तेलंगाना पर्यटन, जेड. हनुमंत कोंडिबा, आईएएस, निदेशक, पर्यटन विभाग, सूरत सिंह मल्होत्रा, मानद वाणिज्यदूत, किंगडम ऑफ लेसोथो, प्रशांत नादेंदला, अध्यक्ष, एचवाईएसईए प्रतिभा कुंडा, अध्यक्ष, फिक्की, डॉ. किरणमई (पेम्मासानी) पेंड्याला, अध्यक्ष और बोर्ड सदस्य, यूनाइटेड वे, हैदराबाद, हर्षिता अतलुरी, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, डिजाइन एट फीनिक्स ग्रुप, संगीता वर्मा, निदेशक, रीना सोशल इनिशिएटिव फाउंडेशन रहे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मुंबई-बेंगलुरु का दबदबा, गुजरात का भी परचम बुलंद, दिल्ली-पंजाब और लखनऊ के बीच रोचक हुई प्लेऑफ की जंग

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 अब रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है। 46 मैच खेले जा चुके हैं और प्लेऑफ के लिए जंग दिलचस्प हो चुकी है। आठ टीमों के बीच चार स्थानों के लिए लड़ाई है। राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स इस रेस से बाहर हो चुकी है। हालांकि, इस पूरे सीजन में काफी उतार चढ़ाव देखने को मिले हैं। कुछ टीमों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन दूसरे हाफ में उसे बरकरार रखने में कामयाब नहीं हो पाए हैं। वहीं, एक टीम है, जिसका पहले हाफ में खराब प्रदर्शन रहा था, अब दूसरे हाफ में उन्होंने जबरदस्त वापसी की है। वहीं, दो टीमें ऐसी हैं, जिन्होंने शुरू से लेकर अभी तक अपने कंसिस्टेंट प्रदर्शन को बरकरार रखा है। आइए जानते हैं अब तक के आईपीएल में किस टीम का प्रदर्शन कैसा रहा और प्लेऑफ के लिए क्या समीकरण हैं...

आरसीबी की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर है। उसके 10 मैचों में सात जीत और 14 अंक हैं। वहीं, गुजरात 12 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। मुंबई और दिल्ली के भी 12-12 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट में गुजरात से पीछे है। एमआई तीसरे और दिल्ली चौथे स्थान पर है। पंजाब किंग्स 11 अंक लेकर पांचवें, लखनऊ सुपर जाएंट्स 10 अंक लेकर छठे स्थान पर है। तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स सात अंक लेकर सातवें, 2016 की चैंपियन सनराइजर्स हैदराबाद छह अंक लेकर आठवें स्थान पर है। राजस्थान और चेन्नई के चार-चार अंक हैं और दोनों अंक तालिका में सबसे नीचे हैं।

इस सीजन दिल्ली और पंजाब ने शानदार शुरुआत की थी। दिल्ली ने अपने शुरुआती छह में से पांच मैच जीते थे। टीम एक वक्त अंक तालिका में शीर्ष पर थी। हालांकि, छठे मैच के बाद इस टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई और टीम अगले तीन में से सिर्फ एक मैच जीत पाई है। वहीं, पंजाब ने अपने शुरुआती सात में से पांच मैच जीते। हालांकि, अगले दो मैच उनके पक्ष में नहीं रहे और टीम अंक तालिका में लुढ़क गई।

आरसीबी के खिलाफ हार और एक मैच बारिश की वजह से धुलने से पंजाब को नुकसान हुआ है। अब जब प्लेऑफ की जंग रोमांचक हो चली है, ऐसे में इन दोनों टीमों को एड़ी चोटी का जोर लगानी होगी। अगर 16 अंक को क्वालिफिकेशन मार्क माना जाए तो दिल्ली को बाकी बचे पांच में से कम से कम दो मैच जीतने होंगे, जबकि पंजाब को बाकी बचे पांच में से कम से कम तीन मैच जीतने होंगे।

वहीं, कोलकाता और सनराइजर्स के लिए अब प्लेऑफ में जगह बनाने की राह काफी कठिन है। हालांकि, क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है, लेकिन फिर भी जो समीकरण बन रहे हैं, उसमें इन्हें खुद की जीत के साथ-साथ अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। केकेआर को अब पांच में से पांच में जीत की जरूरत है। वहीं, सनराइजर्स को भी पांच में से पांच मैच जीतने हैं। इसके बावजूद केकेआर अधिकतम 17 अंक और सनराइजर्स 16 अंक तक पहुंच सकेगी।

इसके बाद इन्हें अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने भी सीजन की शुरुआत अच्छी की थी, लेकिन जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ा, टीम की कमजोरियां सामने आने लगी हैं। टीम के अगर शुरुआती तीन बल्लेबाज नहीं चलते हैं तो पूरी टीम ढह जाती है। अब अगर लखनऊ को प्लेऑफ में पहुंचना है तो उन्हें बाकी बचे चार में से कम से कम तीन मैच जीतने ही होंगे। एक भी हार से उन पर तलवार लटक जाएगी।

मुंबई की टीम की जबरदस्त वापसी

वहीं, पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने इस सीजन काफी प्रभावित किया है। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही थी और शुरुआती पांच मैच के बाद किसी ने नहीं सोचा था कि यह टीम प्लेऑफ की रेस में भी रहेगी। शुरुआती पांच में से मुंबई ने सिर्फ एक मैच जीता था और चार गंवाए थे। दो अंक और -0.01 के नेट रन रेट के साथ एक वक्त टीम नौवें स्थान पर थी। हालांकि, अगले पांच मैचों ने इस टीम की तकदीर ही पलट कर रख दी। मुंबई ने अगले पांचों मैच जीते और अब 10 मैच के बाद टीम छह जीत और चार हार के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। उसके 12 अंक हैं और नेट रन रेट +0.89 है। मुंबई ने इससे पहले (2008 और 2010 को छोड़कर) जब भी लगातार पांच मैच जीते हैं, टीम चैंपियन बनी है।

साल, 2013, साल 2015, साल 2017 (लगातार छह मैच जीते थे) और साल 2020 में मुंबई ने लगातार पांच मैच जीते थे और चैंपियन बनी थी। वहीं, साल 2010 में भी मुंबई ने लगातार पांच मैच जीते थे और फाइनल में भी पहुंची थी, लेकिन सीएसके के हाथों उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। साल 2008 में टीम ने लगातार छह मैच जीते थे, लेकिन सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। हालांकि, जिस तरह से ये टीम अब खेल रही है, इन्हें हरा पाना किसी के लिए भी आसान नहीं होगा। मुंबई के लिए प्लेऑफ के दरवाजे पूरी तरह खुले हैं और उन्हें बाकी बचे चार में से कम से कम दो जीत हासिल करनी है।

आरसीबी और गुजरात ने जीता दिल

दो टीम, जिसने अब तक सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, वह हैं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस। आरसीबी इस साल अलग ही लय में खेल रही है। टीम ने विपक्षी के मैदान पर लगातार छह में से छह मैच जीते हैं। ऐसा आरसीबी ने पहली बार किया है। इससे पहले 2015 में भी आरसीबी ने विपक्षी मैदान पर छह मैच जीते थे, लेकिन ऐसा उन्होंने नौ मैचों में किया था, लगातार नहीं। इस सीजन टीम ने प्रभावी प्रदर्शन किया है और विपक्षी टीमों को कोई मौका नहीं दिया है। यही वजह है कि टीम 10 में से सात मैच जीतकर और तीन मैच हारकर अंक तालिका में फिलहाल शीर्ष पर है। उसके 14 अंक हैं और नेट रन रेट +0.521 है। तीन मैच उन्होंने अपने घरेलू मैदान पर गंवाए थे।

आरसीबी का प्लेऑफ में पहुंचना तय माना जा रहा है। कम से कम एक जीत उन्हें प्लेऑफ में पहुंचा देगी। टीम को अभी चार और मैच खेलने हैं। आरसीबी की बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी और फील्डिंग, तीनों में ही टीम अव्वल दिखी है। वहीं, दूसरे स्थान पर काबिज गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन भी शानदार रहा है।

2022 की चैंपियन यह टीम शुभमन गिल के नेतृत्व में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। टीम ने अभी तक सिर्फ आठ मैच ही खेले हैं और उसमें छह जीत हासिल कर चुकी है। दो में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। गुजरात के 12 अंक हैं और नेट रन रेट +1.104 है। उसे बाकी बचे छह मैचो में कम से कम दो मैच जीतने की जरूरत है।

'वह आपके मनोरंजन का विषय नहीं...', बुमराह की पत्नी संजना ने बेटे को ट्रोल करने वालों की लगाई क्लास

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में हार्दिक पांड्या की टीम मुंबई इंडियंस ने ऋषभ पंत की अगुआई वाली लखनऊ सुपर जाएंट्स को करारी शिकस्त दी। इस मैच को देखने के लिए और मुंबई इंडियंस का समर्थन करने के लिए जसप्रीत बुमराह की पत्नी संजना गणेशन भी स्टेडियम में मौजूद थीं। संजना की गोद में उनका बेटा अंगद भी था। हालांकि, अब इसके लिए बवाल हो गया है। अंगद को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया और इस पर संजना भड़क गईं। उन्होंने ट्रोल करने वालों को खरी खोटी सुनाई है। संजना ने कहा है कि अंगद ट्रोल्स के मनोरंजन का विषय नहीं हैं। बुमराह ने मैच में चार विकेट लिए और अपनी टीम के लिए गेम-चेंजर साबित हुए।

मैच के दौरान लखनऊ की पारी के 15वें ओवर में जब बुमराह ने आवेश खान को क्लीन बोल्ड किया तो कैमरा स्टैंड्स में बैठीं संजना और उनकी गोद में मौजूद अंगद की ओर घूमा। संजना ने खुशी में अंगद का हाथ पकड़कर उनसे ताली भी बजवाई। यह क्यूट वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हालांकि, अंगद की क्यूटनेस की तारीफ की बजाय ट्रोल्स ने उन्हें निशाना बना लिया। अंगद के इस तीन सेकंड के वीडियो पर ट्रोल्स के पोस्ट पर बुमराह की पत्नी संजना ने अपना आपा खो दिया।

संजना ने ट्रोल्स को लताड़ा

सोशल मीडिया का सहारा लेते हुए संजना ने मैच में अपने बेटे की उपस्थिति को 'मनोरंजन का विषय' बनाने के लिए ट्रोल्स की आलोचना की। संजना ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, 'हमारा बेटा आपके मनोरंजन का विषय नहीं है। जसप्रीत और मैं अपने अधिकार में रहते हुए अंगद को सोशल मीडिया से दूर रखने की हर संभव कोशिश करते हैं क्योंकि इंटरनेट बेहद नीच जगह है और मैं एक बच्चे को कैमरे से भरे क्रिकेट स्टेडियम में लाने के निहितार्थ को पूरी तरह से समझती हूं, लेकिन कृपया इस बात को समझें कि अंगद और मैं जसप्रीत का समर्थन करने के लिए थे और कुछ नहीं। हमें अपने बेटे के वायरल इंटरनेट सामग्री या राष्ट्रीय समाचार होने में कोई दिलचस्पी नहीं है। हम नहीं चाहते कि अनावश्यक राय रखने वाले लोग तीन सेकंड के फुटेज से यह तय कर दें कि अंगद कौन है, उसकी समस्या क्या है, उसका व्यक्तित्व कैसा है।'

संजना ने लिखा, 'वह डेढ़ साल का है। एक बच्चे के संदर्भ में ट्रॉमा और डिप्रेशन जैसे शब्दों को लिखना इस बारे में बहुत कुछ कहता है कि हम एक समुदाय के रूप में कहां जा रहे हैं। और ईमानदारी से कहूं तो यह वास्तव में दुखद है। आप हमारे बेटे के बारे में कुछ नहीं जानते, हमारे जीवन के बारे में कुछ नहीं जानते और मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि आप इस आधार पर अपनी राय ऑनलाइन रखें। थोड़ी ईमानदारी और थोड़ी दया आज की दुनिया में एक लंबा रास्ता तय करती है।'

एमआई के पास 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़कर फिर से वर्चस्व कायम करने का मौका

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में मुंबई इंडियंस की दमदार वापसी एक बड़ी हाइलाइट है। इस सीजन में एमआई की शुरुआत लगातार दो हार के साथ हुई थी। इसके बाद उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 8 विकेट से बड़ी जीत दर्ज करके अपना खाता खोला। इसके बाद उन्हें फिर से लगातार दो हार का सामना करना पड़ा। पांच मैच में सिर्फ एक जीत के बाद एमआई के प्रदर्शन को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं थीं। लेकिन अब लगातार पांच मैच जीतकर पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियंस फिर से दहाड़ रहे हैं।

हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली टीम ने शुरुआती पांच मैचों के बाद जिस तरह से वापसी की है, वह काबिले तारीफ है। मुंबई इंडियंस को हालिया जीत रविवार को मिली, जब उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स को 54 रनों से हरा दिया। मुंबई इंडियंस अगर एक और मैच जीत लेती है तो यह एक ही सीजन में लगातार जीत के मामले में उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी होगी।

एमआई की लगातार पांच जीत के बाद जो आंकड़े निकलकर आते हैं, वे बड़े ही दिलचस्प हैं। एमआई का एक ही सीजन में लगातार छह जीत का रिकॉर्ड सीजन 2008 में आया था। लेकिन तब यह टीम न तो खिताब जीत पाई थी और न ही प्लेऑफ में ही पहुंच पाई थी। लेकिन, इसके बाद एमआई ने पांच ऐसे सीजन खेले हैं जहां उन्होंने लगातार पांच जीत दर्ज की और हर बार फाइनल में एंट्री दर्ज की। इन पांचों सीजन में उन्होंने कमाल किया और चार बार खिताब जीतकर अपना वर्चस्व कायम किया। सिर्फ एक ही बार एमआई की टीम 2010 के सीजन में रनर-अप रहकर खिताब नहीं जीत पाई थी। इसके बाद 2013, 2015, 2017 और 2020 ऐसे सीजन थे जहां एमआई ने लगातार पांच जीत दर्ज की और खिताब भी अपने नाम किया।

अब सीजन 2025 में भी लगातार पांच जीत के बाद एमआई अंक तालिका में टॉप-4 में पहुंच चुकी है। रोहित शर्मा का बल्ला भी रन बना रहा है। गेंदबाजी में बुमराह की फॉर्म देखकर लग रहा है कि वह अपनी अच्छी फिटनेस के साथ अपनी लय हासिल कर चुके हैं। ऐसे में अगर आंकड़े कुछ बयां करते हैं तो वह यही है कि एमआई मौजूदा सीजन में भी धमाल करने के लिए तैयार है। आंकड़े एमआई को फाइनल में एक बार फिर एंट्री दिलाते नजर आते हैं। हालांकि, एमआई को अभी और निरंतरता की जरूरत होगी, क्योंकि उनका यह प्रदर्शन तब आया है जब उनके सामने अभी लीग स्टेज में चार और मैच खेलने बाकी हैं।

फिलहाल प्लेऑफ में जाने वाली टीमों के बीच तगड़ी टक्कर है। एमआई इस समय तीसरे पायदान पर मौजूद है और उसके 12 अंक हैं। टॉप पर मौजूद आरसीबी टीम के 10 मैचों में 14 अंक हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद जीटी 8 मैचों में ही 12 अंक हासिल कर चुकी है। चौथे स्थान पर मौजूद दिल्ली कैपिटल्स 9 मैचों में 12 अंक हासिल कर चुकी है।

यानी, मुंबई इंडियंस के पास न तो आत्ममुग्धता का समय है और न ही वे रिलैक्स हो सकते हैं। उनको टॉप-4 में बने रहने के लिए बाकी चार मैचों में भी पूरा दमखम झोंकना होगा। आदर्श तौर पर एमआई की नजरें टॉप-2 स्थान पर होंगी, जिसके लिए उनको लगातार जीत का सिलसिला बनाए रखना होगा ऐसा होता है तो वह न केवल खिताब की रेस में बहुत आगे हो जाएंगे, बल्कि 2008 के सीजन में बनाया लगातार जीत का रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे।

विराट ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ दमदार अर्धशतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई। इस मैच में किंग कोहली ने कई उपलब्धियां हासिल कर लीं। वह किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए।

सलामी बल्लेबाज विराट कोहली दिल्ली के लिए मुसीबत साबित हुए। उन्होंने 47 गेंदों में चार चौके की मदद से 51 रन बनाए और अपनी टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने सत्र का छठा और अपने करियर का 61वां अर्धशतक इस मुकाबले में पूरा किया। इसी के साथ विराट किसी एक टीम के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। दिल्ली के खिलाफ कोहली ने 1130 रन बनाए हैं। इस मामले में शीर्ष पर डेविड वॉर्नर हैं, जिन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 1134 रन बनाए हैं। कोहली अब वॉर्नर का रिकॉर्ड तोड़ने से महज पांच रन दूर हैं।

मौजूदा सत्र में लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट कोहली ने चौथी बार 50 से ज्यादा रनों की पारी खेली। उन्होंने इससे पहले पंजाब किंग्स के खिलाफ 54 गेंदों में 73 रनों की नाबाद पारी खेली थी। इसके अलावा 36 वर्षीय बल्लेबाज ने राजस्थान के खिलाफ 62 और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 59 रनों की नाबाद पारी खेली थी। इस मैच में विराट ने एक और उपलब्धि हासिल कर ली। वह आईपीएल में किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 11वीं बार 50 से ज्यादा रनों की पारी खेली। इस मामले में पूर्व कप्तान ने डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने आरसीबी के खिलाफ 10 बार यह कारनामा किया था। हालांकि, इस मामले में भी वॉर्नर ही शीर्ष पर हैं जिन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 13 बार 50 से ज्यादा रन बनाए हैं।

मैच में क्या हुआ?

क्रुणाल पांड्या और विराट कोहली की शतकीय साझेदारी के बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर सत्र की सातवीं जीत दर्ज की। वहीं, यह उनकी घर से बाहर लगातार छठी जीत है। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 162 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 18.3 ओवर में चार विकेट खोकर 164 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। दिल्ली के लिए अक्षर पटेल ने दो और दुष्मंथा चमीरा ने एक विकेट लिया।

'इस्लाम अपनाने का दबाव डाला', दानिश कनेरिया ने शाहिद अफरीदी का नापाक चेहरा किया उजागर

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में आतंकी हमले पर पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी ने कई बेतुके बयान दे डाले हैं। उन्होंने भारत से हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का सबूत तक मांग दिया। अफरीदी के बयान की खूब आलोचना हो रही है। इसी कड़ी में पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने अफरीदी पर हमला बोला है और उनका नापाक चेहरा उजागर किया है। कनेरिया ने कहा कि पाकिस्तान टीम में अफरीदी ही वह शख्स थे, जिन्होंने उन पर इस्लाम अपनाने का दबाव डाला और यहां तक कि साथ खाना खाने से इनकार कर दिया। पहलगाम हमले में आतंकियों ने 26 बेगुनाहों की निर्मम तरीके से हत्या की थी।

शाहिद अफरीदी ने कई बेतुके बयान दिए

दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले पर अफरीदी ने एक के बाद एक कई बेतुके बयान दिए हैं। उन्होंने पाकिस्तानी मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, 'यह बेहद निराशादजनक है कि भारत ने एक बार फिर बिना किसी सबूत के दोषारोपण का सहारा लिया है। इस तरह की कार्रवाई केवल तनाव बढ़ाती है और क्षेत्र में शांति प्रयासों को बाधित करती है।' अफरीदी ने कहा कि आरोप-प्रत्यारोप का खेल खेलने की बजाय भारत को बातचीत में भाग लेकर मसलों को सुलझाना चाहिए और क्रिकेट को राजनीति से अछूता रखना चाहिए। उन्होंने कहा, 'आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता बातचीत है। हिंसा और आरोप-प्रत्यारोप का खेल स्थिति को और बिगाड़ेगा। खेल, विशेषकर क्रिकेट सभी राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होने चाहिए।'

अफरीदी ने भारतीय मीडिया से लेकर सेना तक पर बेतुके बयान दिए

अफरीदी ने पाकिस्तानी मीडिया के सामने भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला था। उन्होंने बेतुका दावा करते हुए कहा था कि हमला हुआ नहीं कि 10 मिनट के अंदर नई दिल्ली ने इस्लामाबाद को इस हमले के लिए जिम्मेदार ठहरा दिया। इस्लाम शांति से रहना सिखाता है। पाकिस्तान इस तरह की हरकतों का समर्थन नहीं करता है। भारत को खुद को दोषी ठहराना चाहिए। वहां अगर पटाखा भी फट जाता है तो आरोप पाकिस्तान पर लगता है।' इसके बाद अफरीदी ने भारतीय मीडिया पर भी बेबुनियाद आरोप मढ़े। उन्होंने कहा, 'हैरानी की बात है कि हमले के एक घंटे के अंदर ही उनका मीडिया बॉलीवुड में बदल गया। हर चीज को बॉलीवुड मत बनाओ। मैं हैरान हो गया, जिस तरह की वो बातें कर रहे थे। मैंने कहा देखो इनकी सोच, ये अपने आप को पढ़े लिखे लोग कहते हैं। हर टीवी चैनल पर पाकिस्तान पर बिना किसी सबूत के इल्जाम लगाए जा रहे थे।' अफरीदी यहीं नहीं रुके उन्होंने फिर मीडिया से बात करते हुए भारतीय सेना को लेकर भी बेतुके और बेबुनियाद बयान दिए।

दानिश कनेरिया ने शाहिद अफरीदी को लताड़ा

अब उनके बयानों पर दानिश कनेरिया ने तीखा हमला बोला है। कनेरिया ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पूर्व में ट्विटर) का सहारा लेते हुए अफरीदी को लतेड़ा है। कनेरिया ने लिखा, 'उन्होंने लगातार खुद को चरमपंथी विचारों के साथ जोड़ रखा है। मेरी राय में उन्हें भारतीय टेलीविजन या देश (पाकिस्तान) के भीतर मंच नहीं दिया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने मुझे इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मनाने की कोशिश की और मेरे साथ खाना खाने तक से इनकार कर दिया, जो मुझे बेहद अपमानजनक लगा।' कनेरिया ने इससे पहले भी पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान पर जमकर इल्जाम लगाए थे। यहां तक कि पाकिस्तानियों ने उन पर पाकिस्तान से खेलने और उसी पर इल्जाम लगाने के आरोप लगाए थे। कनेरिया ने सभी का जवाब दिया था। कनेरिया ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भी घेरा था।

'कनेरिया ने लिखा- मैं हिंदू हूं और मुझे इस बात पर गर्व है'

24 अप्रैल को एक ट्वीट का जवाब देते हुए कनेरिया ने लिखा, 'मैं हिंदू हूं। मुझे इस बात पर गर्व है। एक हिंदू के रूप में मैंने उस देश के लिए सेवा की और खेला जहां मैं पैदा हुआ, क्योंकि दुनिया में हिंदू चाहे कहीं भी रहें, वे अपने देश के प्रति वफादार और समर्पित रहते हैं। पाकिस्तान के लोगों ने मुझे प्यार दिया, लेकिन उसके शासकों ने मेरे साथ वैसा ही व्यवहार किया जैसा उन्होंने विभाजन के बाद से मेरे हिंदू भाइयों और बहनों के साथ किया था।' इसके बाद उन्होंने एक और ट्वीट किया और लिखा, 'जब पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री आतंकवादियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' कहते हैं, तो यह न केवल अपमानजनक है, बल्कि यह राज्य-प्रायोजित आतंकवाद की खुली स्वीकारोक्ति है।'

'कप्तानी तो ठीक है, लेकिन बल्लेबाजी सुधारें ऋषभ पंत' : जहीर खान

आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जाएंट्स को मुंबई इंडियंस के खिलाफ 54 रन से बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही लखनऊ के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा। टीम के लिए आगे के लगभग सभी मैच करो या मरो वाले हैं। मुंबई के खिलाफ 216 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ की टीम 20 ओवर में 161 रन पर सिमट गई।

टीम का पूरा दारोमदार लखनऊ के शुरुआती तीनों बल्लेबाज पर है, क्योंकि बाद के बल्लेबाज यानी मध्यक्रम बिल्कुल ही नहीं चल रहे। इसका खामियाजा टीम को हार के साथ चुकाना पड़ रहा है। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत का बल्ला अब तक खामोश है और अब लखनऊ सुपर जाएंट्स के मेंटर जहीर खान ने पंत को चेतावनी दे डाली है। उन्होंने कहा है कि पंत की कप्तानी अच्छी है, लेकिन उन्हें बल्ले से भी कमाल दिखाना होगा। इसके अलावा उन्होंने तेज गेंदबाज मयंक यादव को लेकर भी बात की है।

जहीर खान का मानना है कि पंत एक कप्तान के रूप में सभी कसौटियों पर खरे उतर रहे हैं, लेकिन इस आईपीएल में खराब स्कोर से उबरने के लिए बल्ले से कुछ खास करने की जरूरत है। पंत ने अब तक इस सीजन बल्ले से कमाल नहीं दिखा पाए हैं। 27 करोड़ में नीलामी में बिकने वाला यह खिलाड़ी 10 मैचों में 110 रन में बना पाया है। इसमें से छह बार वह दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके हैं। उनकी चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 63 रन की पारी ही शानदार रही। पंत मुंबई के खिलाफ मैच में पार्ट टाइम स्पिनर विल जैक्स की गेंद पर आउट हो गए।

'कप्तान के तौर पर पंत शानदार'

जहीर ने मुंबई से मिली हार के बाद कहा, 'मैं इसे किसी भी चीज से नहीं जोड़ूंगा। वह एक लीडर हैं और इस भूमिका में वह शानदार रहे हैं।

यह ऐसी चीज है जिसकी मैं गारंटी ले सकता हूं। उस ग्रुप में हर एक व्यक्ति को सहज महसूस कराने, उसकी बात सुनने और आईपीएल में होने वाली हर चीज की योजना बनाने के लिए वह जिस तरह के प्रयास कर रहे हैं, वह शानदार है।'

न्यायमूर्ति राजशेखर रेड्डी ने तेलंगाना के लोकायुक्त के रूप में शपथ ली

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने सोमवार को राजभवन में आयोजित एक समारोह में उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए. राजशेखर रेड्डी को तेलंगाना के लोकायुक्त के रूप में और पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश बी.एस. जग जीवन कुमार को तेलंगाना के उप-लोकायुक्त के रूप में पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी और अन्य मौजूद थे।

राज्य सरकार ने हाल ही में तेलंगाना मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष, लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त के पदों को भरा है, जो लंबे समय से खाली थे। सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ए. राजशेखर रेड्डी को तेलंगाना लोकायुक्त, बीएस जग जीवन कुमार को उप-लोकायुक्त, न्यायमूर्ति शमीम अख्तर को एचआरसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी तरह, शिवादी प्रवीण और बी. किशोर को एचआरसी का सदस्य नियुक्त किया गया है। इस आशय के नियुक्ति आदेश जारी किए गए और राज्यपाल ने उनकी नियुक्ति से संबंधित प्रस्तावों को भी तुरंत मंजूरी दे दी।

एमएलसी कविता ने 'ऑपरेशन कगार' रोकने की मांग की

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के. कविता ने आज छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ "ऑपरेशन कगार' को तत्काल रोकने की मांग की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नक्सलवाद की विचारधारा को नष्ट करने के बजाय बातचीत के जरिए खत्म किया जाना चाहिए। कविता ने कहा, छत्तीसगढ़ में ऑपरेशन कगार चलाया जा रहा है और हमारी पार्टी का दृढ़ विश्वास है कि नक्सलवाद की विचारधारा को बल प्रयोग से नहीं बल्कि बातचीत के जरिए खत्म किया जाना चाहिए। भारत को नक्सलवाद का राजनीतिक समाधान निकालना चाहिए। मेरा मानना है कि केंद्र सरकार को तुरंत युद्ध विराम का आह्वान करना चाहिए, नक्सलियों को बातचीत के लिए आमंत्रित करना चाहिए और मुझे पूरा विश्वास है कि इस देश की हर पार्टी इस मुद्दे का समर्थन करेगी।

ऑपरेशन कगार: हाईकमान के फैसले के बाद की जाएगी रुख की घोषणा

ऑपरेशन कगार पर होनी चाहिए राष्ट्रीय स्तर पर बहस : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि तेलंगाना सरकार ऑपरेशन कगार पर अपने रुख की घोषणा पार्टी हाईकमान के इस मुद्दे पर निर्णय के बाद करेगी। उन्होंने सोमवार को यहां मीडियाकर्मियों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान कहा कि ऑपरेशन कगार पर राष्ट्रीय स्तर पर बहस होनी चाहिए। हमारे मंत्रियों की राय भी ली जाएगी और उसके अनुसार ही निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पूर्व मंत्री के जन रेड्डी के आवास पर जाकर इस मुद्दे पर उनके सुझाव भी मांगे।

बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव द्वारा कांग्रेस सरकार पर लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कई कल्याणकारी और विकास कार्यक्रम लागू कर रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि ऐसी योजनाओं को लागू करने में कोई भी अन्य राज्य तेलंगाना सरकार

की बराबरी नहीं कर सकता। अगले चुनाव से पहले के अंतिम छह महीनों में मेरे शासन पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि रविवार को एल्काथुर्थी में बीआरएस प्रमुख के भाषण में कोई दम नहीं था।

उन्होंने कहा कि सभी योजनाएं एक साल पहले शुरू की गई थीं और उन्हें सुव्यवस्थित किया जा रहा है। चीजों को तेजी से आगे बढ़ाने की जरूरत है और कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए अच्छे कामों को बढ़ावा देने में विफल रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई विकल्प नहीं होने के कारण कुछ अधिकारियों को जारी रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वह अगले 20 वर्षों तक सक्रिय राजनीति में रहेंगे। उन्होंने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव के खिलाफ फॉर्मूला-ई मामले और फोन टैपिंग मामले का जिक्र करते हुए कहा कि सब कुछ कानून के अनुसार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि विभिन्न वर्गों की ओर से गिरफ्तारी की मांग की जा रही है, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता। सब कुछ कानून के मुताबिक ही होना चाहिए। पार्टी हाईकमान द्वारा उन्हें दरकिनार किए जाने के आरोपों पर मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राहुल गांधी के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि मुझे किसी को यह साबित करने की जरूरत नहीं है।

दहेज उत्पीड़न: कोत्तागुडेम में युवा जोड़े ने जहर खाकर दी जान

कोत्तागुडेम, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के टेकुलापल्ली मंडल के वेंकटिया थांडा में एक परिवार के कथित दहेज लोभ ने एक जोड़े के छह महीने के वैवाहिक जीवन को अचानक समाप्त कर दिया। बोडा श्रीनु (23) और इसलावथ दीपिका (19) नामक दंपति की तीन दिनों के अंतराल में मृत्यु हो गई, क्योंकि उन्होंने जहर मिला ठंडा पेय पी लिया था। उनके परिवार के सदस्यों के अनुसार, वेंकट्या थांडा के श्रीनु ने छह महीने पहले रेगुला थांडा की दीपिका से बिना अपने माता-पिता को बताए शादी कर ली थी, क्योंकि वे एक-दूसरे से प्यार करने लगे थे।

शादी के कुछ महीने बाद ही श्रीनु और उसके परिवार के सदस्यों ने दीपिका को दहेज के लिए परेशान करना शुरू कर दिया। इस वजह से दीपिका और उसके पति के परिवार के सदस्यों के बीच अक्सर बहस होती थी। 20 अप्रैल को श्रीनू, उसके माता-पिता और बहनों ने कथित तौर पर दीपिका पर हमला कर दिया। उसी शाम श्रीनू ने कथित तौर पर एक ठंडे पेय में चूहे मारने की दवा और कीटनाशक मिलाया और अपनी पत्नी दीपिका को उसे पीने के लिए कहा ताकि वह उसे मार सके; दीपिका ने इसे सामान्य पेय समझकर पी लिया। बाद में उसने भी अपनी जान देने के लिए ठंडा पेय पी लिया।

स्थानीय लोगों ने दीपिका और श्रीनू को बेहोशी की हालत में देखा और उन्हें खम्मम के सरकारी जनरल अस्पताल ले गए। दीपिका की 25 अप्रैल को इलाज के दौरान मौत हो गई। आठ दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच जूझने वाले श्रीनू की सोमवार तड़के मौत हो गई। दीपिका के परिवार वालों ने बताया कि वह तीन महीने की गर्भवती थी। उसके परिवार वालों की शिकायत के आधार पर टेकुलापल्ली पुलिस ने श्रीनू, उसके माता-पिता और बहनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। येलंडु डीएसपी चंद्र भानु मामले की जांच कर रहे हैं।

वारंगल बैठक तो बस एक शुरुआत : केटीआर

कांग्रेस पर हमला तेज करेगी बीआरएस

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने सोमवार को कहा कि वारंगल बैठक केवल एक शुरुआत है और पार्टी कांग्रेस पर अपना हमला तेज करेगी तथा तेलंगाना में सत्ता में वापसी करेगी। रविवार को वारंगल के निकट एल्काथुर्थी में आयोजित रजत जयंती सार्वजनिक बैठक में भारी भीड़ से उत्साहित रामा राव ने बैठक में एकत्रित हुए लाखों लोगों को धन्यवाद दिया और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में अपना विश्वास प्रदर्शित किया।

रामा राव ने एक बयान में कहा कि यह जनसभा भारतीय राजनीतिक इतिहास की सबसे बड़ी राजनीतिक सभाओं में से एक थी, जो लोगों के साथ पार्टी के स्थायी जुड़ाव का स्पष्ट संकेत है। राज्य पुलिस द्वारा यातायात को नियंत्रित करने में विफलता के कारण भारी यातायात व्यवधान के बावजूद, उन्होंने कहा कि लोगों के दृढ़ संकल्प ने सुनिश्चित किया कि वे लाखों की संख्या में कार्यक्रम स्थल पर पहुँचे। उन्होंने कहा कि रसद संबंधी बाधाओं के बावजूद कार्यक्रम की सफलता बहुत गर्व की बात है।

वारंगल बैठक से यह संकेत मिलता है कि बीआरएस जल्द ही कांग्रेस सरकार की विफलताओं, अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज करेगी। चंद्रशेखर राव ने भविष्य के आंदोलनों का व्यक्तिगत रूप से नेतृत्व करने की कसम खाते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सत्तारूढ़ पार्टी के दुष्प्रचार का सक्रिय रूप से मुकाबला करें और हर अवसर पर सरकार की अक्षमताओं को उजागर करें। बाद में तेलंगाना भर के पार्टी नेताओं के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस में, रामा राव ने कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए महीने भर के प्रयासों के लिए नेतृत्व और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने स्थानीय समन्वयकों के निर्बाध प्रयासों की भी सराहना की, जिन्होंने सुनिश्चित किया कि प्रतिभागियों ने रसद संबंधी चुनौतियों के बावजूद सुरक्षित यात्रा की। उन्होंने सोशल मीडिया टीमों और मीडिया बिरादरी को उनके व्यापक कवरेज और समर्थन के लिए विशेष रूप से धन्यवाद दिया।

पेद्दापल्ली कृषि बाजार में युवक की हत्या

पेद्दापल्ली, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली कृषि बाजार प्रांगण में एक युवक पोलम कुमार (40) की हत्या कर दी गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, पेड्डापल्ली मंडल के अप्पन्नापेट के मूल निवासी कुमार पर वेलपुला संतोष नामक व्यक्ति ने चाकू से हमला किया। आरोपी द्वारा पीड़ित की गर्दन पर वार करने से कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। संतोष धर्माराम मंडल के डोंगातुर्थी का मूल निवासी है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है, साथ ही एक महिला को भी हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि अवैध संबंध के चलते हत्या की गई। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

भ्रामक व्हाट्सएप संदेश पर सरकार ने जारी की चेतावनी

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय ने आगाह किया है कि व्हाट्सएप पर एक भ्रामक संदेश प्रसारित किया जा रहा है जिसमें दावा किया जा रहा है कि सरकार ने भारतीय सेना के आधुनिकीकरण के लिए दान मांगने के लिए एक बैंक खाता खोला है। रविवार को जारी एक बयान में मंत्रालय ने इस संदेश का खंडन किया और लोगों से सतर्क रहने और ऐसे धोखाधड़ी वाले संदेशों का शिकार न होने का आग्रह किया।

बयान में कहा गया है कि व्हाट्सएप पर एक भ्रामक संदेश चल रहा है, जिसमें भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और युद्ध में घायल या शहीद हुए सैनिकों के लिए एक विशेष बैंक खाते में दान देने की बात कही गई है। सोशल मीडिया पर प्रसारित संदेश में कहा गया है कि कैबिनेट ने इस योजना को मंजूरी दे दी है और पोस्ट में अभिनेता अक्षय कुमार का नाम भी शामिल है, जिसमें कहा गया है कि वह भारतीय सेना को प्रतिदिन एक रुपया दान करने के विचार के पीछे के मास्टरमाइंड हैं।

मंत्रालय ने कहा कि उक्त संदेश में दिए गए खाते के विवरण गलत हैं, जिसके कारण ऑनलाइन दान अस्वीकृत हो रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने 'सक्रिय युद्ध अभियानों के दौरान शहीद या विकलांग हुए सैनिकों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं।' बयान में कहा गया कि वर्ष 2020 में सरकार ने "सशस्त्र बल युद्ध हताहत कल्याण कोष' की स्थापना की, जिसका उपयोग उन सैनिकों/नाविकों/वायुसैनिकों के परिवारों को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए किया जाता है, जो सक्रिय सैन्य अभियानों में अपनी जान गंवा देते हैं या गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। भारतीय सेना, रक्षा मंत्रालय के भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग की ओर से इस कोष के लिए खाते रखती है।

विरोध का अनोखा तरीका, पेड़ से उल्टा लटका किसान

सरकारी उदासीनता का किया विरोध

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भूमि संबंधी अपनी शिकायत के समाधान में राज्य सरकार की उदासीनता से परेशान एक किसान ने रंगारेड्डी जिले के मंगलपल्ली गांव में अपने खेत में एक पेड़ पर उल्टा लटककर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। किसान वी जीवन ने अपने पिता से कुछ ज़मीन ली थी और पिछले कुछ सालों से उस पर खेती कर रहा था। यह ज़मीन उसके पिता ने करीब 20 साल पहले एक व्यक्ति से खरीदी थी।

रिपोर्ट के अनुसार, जीवन के पास पासबुक, टाइटल डीड, पहनानी और अन्य संबंधित दस्तावेज होने के बावजूद, अधिकारियों ने भूमि को अभिलेखों में निषिद्ध भूमि की श्रेणी में शामिल कर दिया। आपत्ति जताते हुए और जमीन का मालिकाना हक साबित करते हुए जीवन ने दलील दी थी कि सीलिंग धारक ने दो अलग-अलग सर्वे नंबरों पर जमीन दर्ज करके अधिकारियों को गुमराह किया है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय, एमआरओ और अन्य कार्यालयों में आवेदन दायर किए। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिर भी उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया।

एक साल से भी ज्यादा समय तक दर-दर भटकने और अधिकारियों से अपनी ज़मीन को निषिद्ध श्रेणी से हटाने की अपील करने के बाद, जीवन ने अपने खेतों में लगे नीम के पेड़ से उल्टा लटककर अपनी जान दे दी। उसने ज़मीन के सारे दस्तावेज़ भी पेड़ पर लगा दिए। जीवन के अनोखे विरोध प्रदर्शन की तस्वीरें और वीडियो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे हैं।

यदाद्री थर्मल प्लांट में आग लगने की घटना

किसी के हताहत होने की खबर नहीं

नलगोंडा, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री थर्मल पावर प्लांट में रविवार रात को दामरचेरला में यूनिट-1 के ट्रायल रन से पहले आग लग गई। आग लगने का कारण वेल्डिंग का काम करते समय बॉयलर पाइप में तेल का रिसाव बताया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, आग ने यूनिट के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया, लेकिन अग्निशमन विभाग की त्वरित कार्रवाई से आग पर काबू पा लिया गया और बड़ी दुर्घटना टल गई। घटना के बाद काम रोक दिया गया। यूनिट-1 को अगले महीने आधिकारिक तौर पर लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। प्लांट की यूनिट-2 का उद्घाटन पिछले दिसंबर में हुआ था। अधिकारी आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। इस बाधा के बावजूद, योजना के अनुसार परिचालन शुरू करने के उपायों के तहत काम फिर से शुरू करने के प्रयास जारी हैं।

जन शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाए : शिव कुमार नायडू

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मुख्यालय में सोमवार को आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त शिव कुमार नायडू को कार्यक्रम के लिए शहर के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों से अनुरोध प्राप्त हुए। जनता से प्राप्त शिकायतों को संबंधित विभागों को भेज दिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उन्होंने सुझाव दिया कि संबंधित विभागों के अधिकारियों को सार्वजनिक क्षेत्र में प्राप्त शिकायतों की जांच करनी चाहिए तथा उनका शीघ्र समाधान करना चाहिए। जीएचएमसी मुख्यालय में सार्वजनिक बैठक आयोजित

कार्यक्रम के दौरान प्राप्त 67 शिकायतों में से 33 शिकायतें नगर नियोजन विभाग से, 9 शिकायतें कर अनुभाग से, 3-3 शिकायतें इंजीनियरिंग और विद्युत विभाग से, 2-2 शिकायतें प्रशासन, स्वच्छता और वित्त विभाग से, 1-1 शिकायतें स्वास्थ्य, सतर्कता, चुनाव, शहरी विकास विभाग, झील और पशु चिकित्सा विभाग से तथा 7 शिकायतें फोन इन के माध्यम से प्राप्त हुईं।जीएचएमसी के अंतर्गत छह क्षेत्रों में कुल 113 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कुकटपल्ली जोन में 42, सेरिलिंगमपल्ली जोन में 12, एलबी नगर जोन में 11, सिकंदराबाद जोन में 40, चारमीनार जोन में 5 और खैराताबाद जोन में 3 अनुरोध प्राप्त हुए। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त चंद्रकांत रेड्डी, सरोजा, वेणुगोपाल रेड्डी, यादगिरी राव, रघु प्रसाद, गीता राधिका, सत्यनारायण, अतिरिक्त सीसीपी, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

रोटरी क्लब जुबली हिल्स ने सेंट्रल हॉस्पिटल, लालागुडा को व्हील चेयर दान कीं

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रोटरी क्लब ऑफ जुबली हिल्स ने सोमवार को साउथ सेंट्रल रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन की मौजूदगी में सेंट्रल हॉस्पिटल, लालागुडा, सिकंदराबाद को 50 व्हील चेयर दान कीं। इस अवसर पर डॉ. निर्मला राजाराम, प्रिंसिपल चीफ मेडिकल डायरेक्टर, लोकेश विश्नोई, डिवीजनल रेलवे मैनेजर, हैदराबाद डिवीजन, डॉ. आई. शिवनागा प्रसाद, मेडिकल डायरेक्टर, एससीआर और अन्य रेलवे अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर जिला गवर्नर शरत चौधरी, जिला गवर्नर निर्वाचित डॉ. राम प्रसाद, 3150 रोटरी क्लब जुबली हिल्स शाखा के अध्यक्ष बालाकोटि रेड्डी और रोटरी क्लब के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। केंद्रीय अस्पताल लालागुडा, सिकंदराबाद में स्थित केंद्रीय अस्पताल, सिकंदराबाद क्षेत्र में और उसके आसपास रहने वाले सेवारत/सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों, उनके बच्चों और आश्रितों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करता है और सभी डिवीजनों अर्थात विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ से इलाज के लिए आने वाले रोगियों की चिकित्सा आवश्यकताओं को भी पूरा करता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि रोटरी क्लब जनता विशेषकर जरूरतमंदों के लाभ के लिए अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से विभिन्न सामाजिक कल्याण गतिविधियों के आयोजन में हमेशा सबसे आगे रहता है। यह पहल रेलवे अस्पताल, सिकंदराबाद में आने वाले मरीजों की सेवा में काफी मदद करेगा। इससे पहले, रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3150 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर शरत चौधरी ने भी अपने संगठन द्वारा की गई विभिन्न पहलों के बारे में बात की।

पीवीएनआर पर कार पलटने से एक व्यक्ति घायल

हैदराबाद, 28 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पीवीएनआर एक्सप्रेसवे पर सोमवार को दो कारों की टक्कर में एक व्यक्ति घायल हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक, दो कारें आरजीआई एयरपोर्ट की ओर जा रही थीं, तभी एक गाड़ी ने तेज रफ्तार से आगे चल रही गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण पहली कार पलट गई। इस घटना में ड्राइवर को चोटें आईं हैं और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैफिक क्रेन की मदद से कार को सड़क से हटाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.